www.navpradesh.com

दैनिक नवप्रदेश

आदित्यवर्ण तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

रायपुर, बुधवार, 15 जुलाई 2026 शुक्ल पक्ष-प्रतिपदा, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 156 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

कैग का खुलासा: जल जीवन मिशन की रफ्तार धीमी, 29 हजार योजनाओं में सिर्फ 172 पूरी

रायपुर/नवप्रदेश। महालेखापरीक्षक (कैग) की जल जीवन मिशन पर रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ में योजना के क्रियान्वयन पर कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। यह बताया गया कि मार्च 2024 तक की अवधि पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार राज्य में स्वीकृत 29,153 एकल एवं बहुग्राम जल योजनाओं में से केवल 172 एकल ग्राम योजनाएं ही पूरी हो सकीं, जिनमें भी मात्र 32 योजनाएं ■ शेष पृष्ठ 8 पर

28,984 घरों को जल सेवा पहुंचाने में विफल

रिपोर्ट में कहा गया है कि मिशन के शुरुआती दो वर्षों में धीमी प्रगति के कारण केंद्र और राज्य का कुल 6,480.04 करोड़ रुपये का अंश प्राप्त नहीं हो सका। साथ ही, कई सौर आधारित पेयजल योजनाएं स्थापित क्षमता से अधिक कनेक्शन दिए जाने के कारण 28,984 घरों को निर्धारित न्यूनतम जल सेवा उपलब्ध कराने में विफल रहीं।

जल गुणवत्ता परीक्षण व्यवस्था पर चिंता

जल गुणवत्ता परीक्षण व्यवस्था पर भी कैग ने चिंता जताई है। राज्य की 75 प्रयोगशालाओं में से केवल चार ही सभी 13 निर्धारित मानकों की जांच करने में सक्षम पाई गईं, जबकि 37 प्रतिशत प्रयोगशालाओं के पास राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) की मान्यता नहीं थी।

राज्य के किसी भी जिले में 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के किसी भी जिले ने 100 प्रतिशत कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य हासिल नहीं किया। 18 जिलों में कवरेज 76 से 98 प्रतिशत के बीच रही, जबकि शेष 15 जिलों में यह 56 से 74 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई। कैग ने यह भी पाया कि ग्राम, जिला और राज्य स्तर पर आवश्यक कार्ययोजनाएं समय पर तैयार नहीं की गईं। राज्य जल सुरक्षा योजना का अभाव रहा, जिससे दीर्घकालिक जल स्रोत संरक्षण और निगरानी की प्रभावी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी।

राज्य की वित्तीय स्थिति संतोषजनक, पर बढ़ा कर्ज

महालेखाकार (कैग) ने वर्ष 2024-25 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य की वित्तीय स्थिति पर अपनी रिपोर्ट विधानसभा में पेश की। रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय स्थिति का आंकलन प्रस्तुत किया गया है। इसमें कर्ज, ब्याज भुगतान और बजटीय प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि वर्ष 2024-25 में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) बढ़कर 5.67 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.89 प्रतिशत अधिक है। इसी अवधि में राज्य की राजस्व प्राप्तियों में 16.21 प्रतिशत तथा राज्य के अपने राजस्व में 15.30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्र सरकार से मिलने वाले सहायता अनुदानों पर निर्भरता भी घटकर 11.86 प्रतिशत रह गई। कैग ने बताया कि वर्ष 2024-25 में राज्य का कुल व्यय 1.45 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें राजस्व व्यय का हिस्सा 88.53 प्रतिशत रहा, जबकि पूंजीगत व्यय 20,054.62 करोड़ रुपये रहा। ऊर्जा और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति क्षेत्र में दी गई सब्सिडी का बड़ा हिस्सा खर्च हुआ। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि राज्य का लोक ऋण बढ़कर 33,463 करोड़ रुपये हो गया। वर्ष 2024-25 के दौरान लिए गए उधार का 47 प्रतिशत हिस्सा पुराने ऋण चुकाने में खर्च हुआ, जिससे केवल 53 प्रतिशत राशि ही विकास कार्यों के लिए उपलब्ध रही। राजस्व प्राप्तियों के अनुपात में ब्याज भुगतान भी बढ़कर 7.44 प्रतिशत हो गया, जो बढ़ते ऋण बोझ का संकेत ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आज बेबाक

जम्मू कश्मीर को अपने बाप- दादा की जागीर समझने वाले वहां के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने खुद अपने चेहरे से नकाब नोचकर फेक दिया। उन्होंने एक रैली कर केन्द्र पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि क्या हम कश्मीरियों को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने गुहार लगानी पड़ेगी। उनके दिल की बात आखिरकार जुबां पर आ ही गई। दरअसल पाकिस्तान परस्त इन कश्मीरी नेताओं की दिली ख्वाहिश है कि कश्मीर में 370 की बहाली हो ताकि उनकी दुकानदारी फिर से चले। जो इस जन्म में संभव नहीं है मियां।

राम मंदिर चढ़ावे से 3 करोड़ रुपए की हुई चोरी : गोविंददेव

अयोध्या/नवप्रदेश। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है। गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा के निर्माणाधीन मकान पर अंतिम नोटिस चस्पा कर दिया है। एडीए ने इससे पहले 3 जुलाई को नोटिस दी थी।

गरमा-गरम

मानसून सत्र में भारी हंगामा : गर्भगृह में जाने पर निलंबित हुए कांग्रेस के सभी विधायक, वेदांता मामला भी उठा

पानी, खाद-बीज और औद्योगिक हादसों पर विपक्ष का वॉकआउट

हेमन्त धोटे

रायपुर/नवप्रदेश। मानसून सत्र के दूसरे दिन सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। जल संकट, खाद-बीज की किल्लत, और औद्योगिक दुर्घटनाओं जैसे गंभीर मुद्दों पर विपक्ष ने सरकार को घेरा। मंत्रियों के जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्षी विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया और बाद में गर्भगृह में नारेबाजी करने के कारण स्वमेव निलंबित हो गए। दूसरी ओर, नक्सल मोर्चे पर केंद्र को धन्यवाद प्रस्ताव देने के मामले पर भी सियासत गरमा गई है।

खाद-बीज और बिजली कटौती पर घमासान: विपक्ष के विधायक स्वमेव निलंबित

शून्यकाल के दौरान प्रदेश में खाद और उन्नत बीजों की कमी तथा अघोषित बिजली कटौती को लेकर विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव लाया।

विपक्ष का आरोप: पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि सहकारी समितियों में खाद (डीएपी, पोटाश) नदारद है, जबकि निजी व्यापारियों के पास यह ऊंचे दामों पर उपलब्ध है। खंड वर्षा के कारण बुआई पिछड़ रही है और बिजली कटौती से किसान बोरवेल भी नहीं चला पा रहे हैं। अग्रिस्टेक पोर्टल से भी किसान परेशान हैं।

सरकार का जवाब: कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में खाद-बीज की कोई कमी नहीं है। लक्ष्य का 90प्रतिशत से अधिक उर्वरक और 96प्रतिशत प्रमाणित बीज भंडारित किया जा चुका है। अमानक खाद बेचने वालों पर कार्रवाई की गई है।

स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य: विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य (नामंजूर) किए जाने के बाद कांग्रेस विधायकों ने किसानों को धोखा देना बंद करो के नारे लगाते हुए गर्भगृह में प्रवेश किया, जिसके चलते वे नियमानुसार स्वतः निलंबित हो गए।

वेदांता प्लांट हादसा: अनिल अग्रवाल की गिरफ्तारी क्यों नहीं?

विपक्ष के सवाल:नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने पूछा कि विगत दो वर्षों में कितनी दुर्घटनाएं हुईं और क्या फैक्ट्रियों का सेफ्टी ऑडिट ■ शेष पृष्ठ 8 पर

टेंट-लाइट खर्च की जांच

कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने साल 2023 से जून 2026 तक के सरकारी आयोजनों में टेंट, कुर्सी, लाइट और साउंड के नाम पर किए गए भुगतानों में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए जांच की मांग की। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने इस मांग को स्वीकार करते हुए जांच कराने की बात कही।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में रोपे पौधे

सदन की गहमागहमी के बीच एक सकारात्मक तस्वीर भी दिखी, जहाँ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कैबिनेट मंत्रियों और पक्ष-विपक्ष के विधायकों ने विधानसभा परिसर में पौधे लगाए। सीएम साय ने इस दौरान रुद्राक्ष का पौधा रोपा।

रायपुर को नहीं मिल रहा मीठा पानी

राजधानी रायपुर में जल संकट और कोरिया क्षेत्र में पाइपलाइन निर्माण में आ रही दिक्कतों को लेकर न केवल विपक्ष, बल्कि सत्तापक्ष के अपने ही विधायकों ने पीएचई मंत्री (उपमुख्यमंत्री) अरुण साव को कटघरे में खड़ा कर दिया।

रायपुर का मुद्दा: भाजपा विधायक अजय चंद्राकर, सुनील सोनी और राजेश मूणत ने कहा कि रायपुर के लोग हर साल भीषण जल संकट से जूझते हैं। पानी टंकी होने के बावजूद टैंकरों से सप्लाई करनी पड़ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 1 लाख 21 हजार घरों में अब भी पानी नहीं पहुंच रहा है। अजय चंद्राकर ने पूछा कि अमृत मिशन योजना कितने वार्डों के लिए बनी थी और पेयजल आपूर्ति के लिए नगर निगम का क्या सेटअप है?

कोरिया (बैकुंठपुर) का मुद्दा: भाजपा विधायक भईया लाल राजवाड़े ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन के तहत उनके क्षेत्र में गुणवत्ताहीन काम हुआ है और किसी भी गाँव में पानी नहीं पहुँच रहा है। उन्होंने कहा, -मैं मंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं हूँ।

उपमुख्यमंत्री का जवाब: अरुण साव ने बताया कि रायपुर में अमृत मिशन फेस-1 के तहत काम जारी है और 2 लाख 21 हजार घरों तक पानी पहुँच रहा है। बची हुई कमियों और 304 करोड़ के प्रक्रियाधीन कार्यों को जल्द पूरा किया जाएगा। बैकुंठपुर में 928 पानी टंकियों में से 751 का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी हमला, एक भारतीय की मौत, डिप्लोमेट तलब

■ होर्मुज में तेल टैंकरों पर मिसाइल हमले, कई लोग घायल

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सोमवार देर रात यूएई के दो तेल टैंकरों एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया। इसमें एक भारतीय की मौत हो गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों जहाजों में 46 क्रू मेंबर्स थे, जिसमें कुल 30 भारतीय थे।

मंत्रालय के मुताबिक एमटी अल बहियाह पर सवार 12 भारतीयों में से एक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। वहीं, एमटी मोम्बासा पर मौजूद 18 भारतीयों में से 9 घायल हुए हैं। इनमें 2 की हालत गंभीर बताई गई है।

भारत ने मंगलवार सुबह ईरान के उप राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमेट्स को तलब ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी

होर्मुज में तनाव बढ़ने के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 86 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट का भाव 80 डॉलर प्रति बैरल हो गया। दोनों ही एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर हैं।

होर्मुज में जहाजों को निशाना बनाना बंद हो : भारत

भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में मंगलवार सुबह दो व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर इस तरह के हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

बस्तर को देश का अग्रणी जनजातीय संभाग बनाने तेजी से बढ़ रहे कदम: सीएम साय

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में नक्सलवाद से मुक्ति के लिए केंद्र सरकार के ऐतिहासिक सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने दशकों तक नक्सल हिंसा के रूप में एक गंभीर चुनौती का सामना किया है।

अब केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस तथा बस्तर की जनता के विश्वास और सहयोग से प्रदेश इस चुनौती से निर्णायक रूप से मुक्त होकर शांति, सुरक्षा और विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि यह सफलता अनेक वर्षों के सतत प्रयासों, सुनियोजित रणनीति, सुरक्षा बलों के पराक्रम तथा आम नागरिकों के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका त्याग और समर्पण सदैव राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला पुलिस बल, विशेष सुरक्षा इकाइयों तथा अभियान में सहभागी सभी सुरक्षा एजेंसियों के साहस, समर्पण और व्यावसायिक दक्षता की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए समन्वित सुरक्षा एवं विकास आधारित रणनीति अपनाई। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षा अभियानों की सतत समीक्षा, संसाधनों की उपलब्धता तथा केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया गया, जिससे अभियान को अपेक्षित गति मिली। उन्होंने कहा कि 24 अगस्त ■ शेष पृष्ठ 8 पर

34 लाख लोगों का डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा में कहा कि नक्सलवाद से मुक्ति का अभियान केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके साथ-साथ विकास को भी समान प्राथमिकता दी गई। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि जिन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो रही है, वहां शासन की योजनाएं और बुनियादी सुविधाएं भी तेजी से पहुंचें, ताकि लोगों के जीवन में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन आए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री

स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत बस्तर के 34 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया गया है। इससे नागरिकों को समयबद्ध एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

धार भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी: सुप्रीम कोर्ट

■ मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ न करे

धार/नवप्रदेश। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए। अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे।

सुप्रीम कोर्ट, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी।

कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार किया

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यानी पहले जैसी व्यवस्था बहाल नहीं होगी, जिसके तहत शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज और निर्धारित दिनों में हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी।

11 साल में तीसरी बार मानसून पर ब्रेक

नई दिल्ली/ए.। देश के बड़े हिस्से में जुलाई में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति बनी है। साल 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है। मौसम विभाग के मुताबिक 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं।

हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश 250.1 मिमी से 3% कम ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ यूपी में अब तक 19%, एमपी में 3% कम बारिश

■ अरुणाचल में आईटीबीपी के 15 जवान फंसे

फील लाइक टेम्परेचर बढ़ेगा

दरअसल, हवा में नमी बढ़ने पर शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। इससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता और मौसम वास्तविक तापमान से कहीं ज्यादा गर्म लगता है। इसे हीट इंडेक्स कहते हैं। भुवनेश्वर में पारा 36 डिग्री और 63% आर्द्रता के साथ हीट इंडेक्स 49 डिग्री तक पहुंच गया। मुंबई में 32 डिग्री पारा होने के बावजूद 70% नमी के चलते 40 डिग्री जैसी गर्मी महसूस हो रही है। दिल्ली और श्रीगंगानगर में हीट इंडेक्स करीब 45-46 डिग्री सेल्सियस है।

छत्तीसगढ़ महिला-आयोग अध्यक्ष पद विवाद : ममता बोलीं- महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

हाईकोर्ट के अंतिम फैसले तक मैं ही अध्यक्ष: किरणमयी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद को लेकर विवाद और तेज हो गया है। डॉ. किरणमयी नायक ने कहा है कि हाईकोर्ट में मामला लंबित है और अंतिम निर्णय आने तक राज्य सरकार इस पद पर किसी अन्य की नियुक्ति नहीं कर सकती। वहीं, राज्य सरकार की ओर से नवनियुक्त अध्यक्ष ममता साहू ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग कार्यालय में जाकर पदभार ग्रहण किया। समारोह में आयोग के अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के अंतिम आदेश तक पद यथावत रहेगा

डॉ. किरणमयी नायक ने कहा कि लगातार दो कार्यकाल में कुल छह

साल तक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में काम किया। पहला कार्यकाल 23 जुलाई 2020 से 22 जुलाई 2023 तक रहा, जबकि दूसरा कार्यकाल 21 जुलाई 2023 से 20 जुलाई 2026 तक है। उन्होंने कहा कि उनके मामले का अंतिम निराकरण होने तक राज्य सरकार इस पद पर किसी अन्य की नियुक्ति नहीं कर सकती।

डॉ. ममता साहू ने संभाला अध्यक्ष का पदभार

छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नियुक्त डॉ. ममता साहू ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण समारोह आयोग के कार्यालय, शास्त्री चौक, रायपुर में आयोजित हुआ। पदभार ग्रहण के बाद डॉ. साहू ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर समर्पण, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने आयोग के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण भी किया।

हाईकोर्ट से पूरे मामले का निराकरण होना चाहिए

किरणमयी नायक ने कहा कि यदि प्रशासनिक स्तर पर नई नियुक्ति को लागू किया जाता है तो यह न्यायालय की अवमानना की स्थिति पैदा कर सकता है। इसलिए पहले हाईकोर्ट से पूरे मामले का निराकरण होना चाहिए, उसके बाद ही नई अध्यक्ष को पदभार ग्रहण करना चाहिए, ताकि नई अध्यक्ष को किसी तरह की परेशानी न हो। किरणमयी ने कहा कि फिलहाल नई अध्यक्ष जॉइन नहीं कर सकती है। जनवरी 2026 के बाद से केस पेंडिंग है।

इस बार गरियाबंद में गूंजेगा जय जगन्नाथ, पुरी जैसी भव्य रथ यात्रा की झलक दिखेगी

- **जगन्नाथ परिवार युवा बल के तत्वावधान में 16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथ यात्रा, धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और आकर्षक झांकियां बनेंगी विशेष आकर्षण**

गरियाबंद/नवप्रदेश। भगवान जगन्नाथ की विश्वविख्यात रथ यात्रा की दिव्य परंपरा की झलक इस वर्ष गरियाबंद नगर में देखने को मिलेगी। श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल, गरियाबंद के तत्वावधान में 16 जुलाई 2026 (गुरुवार) को भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। धार्मिक आस्था, भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला यह आयोजन नगर के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजनों में शामिल होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

भगवान स्वयं भक्तों के बीच आते हैं

सनातन परंपरा में भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि वर्ष में एक बार भगवान श्री जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए मंदिर से बाहर निकलते हैं और गुंडिचा मंदिर (मौसी मां के घर) की यात्रा करते हैं। यह यात्रा इस बात का प्रतीक है कि भगवान अपने भक्तों के सुख-दुख में सहभागी बनने स्वयं उनके बीच आते हैं। रथ की रस्सी खींचना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है और इससे सुख, समृद्धि तथा आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति होने की मान्यता है।

शाम 3 बजे से होगा शुभारंभ

आयोजन समिति के अनुसार रथ यात्रा का शुभारंभ 16 जुलाई को शाम 3 बजे श्रीराम जानकी मंदिर से होगा। इसके बाद भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का सुसज्जित रथ नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुंडिचा मंदिर (पुराना मंडी बाजार, शीतला चौक) पहुंचेगा। यात्रा मार्ग में श्रद्धालु महाप्रभु के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

यह रहेगा रथ यात्रा मार्ग

रथ यात्रा श्रीराम जानकी मंदिर से प्रारंभ होकर भुनेश्वरनाथ चौक, शारदा चौक, तिरंगा चौक, कुम्हारपारा पारा, सुभाष चौक, यादव पारा, बजरंग चौक, मानस चौक, शिव दुर्गा मंदिर, तिरंगा चौक होते हुए गुंडिचा मंदिर (पुराना मंडी बाजार, शीतला चौक) पहुंचेगी।

भक्ति के साथ संस्कृति का भी होगा भव्य संगम

रथ यात्रा में नवनिर्मित भव्य रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेगा। इसके साथ रायपुर का प्रसिद्ध जय अखंड धूमाल, साई डीजे एवं अत्याधुनिक लाइट शो, मां मेलोडी, रितेश लाइट्स एंड लेजर, यू.बी. साउंड एंड लाइट, ओडिशा का पारंपरिक कालाहांडी कट्टप्पा, राम सेतु की चलित झांकी, लाइव एसएफएक्स एवं इवेंट प्रोग्राम, बालिका दल द्वारा श्री हरि संकीर्तन, मध्यप्रदेश का पारंपरिक बैगा लोक नृत्य तथा छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय लोक कलाकार रमन बॉय निषाद की प्रस्तुति इस आयोजन को और भी भव्य एवं यादगार बनाएगी।

श्रद्धालुओं से सहभागिता की अपील

श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल, गरियाबंद ने नगरवासियों एवं आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं से परिवार सहित रथ यात्रा में शामिल होकर महाप्रभु श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। समिति का कहना है कि यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सेवा, भाईचारे और सामाजिक समरसता का महापर्व है, जो पूरे नगर को भक्ति के रंग में रंग देगा।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

धमतरी/नवप्रदेश। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धमतरी शहर ने घड़ी चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर के निर्देश एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष योगेश शर्मा के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि श्रीराम मंदिर जैसे देश की आस्था के केंद्र में चढ़ावे की राशि में कथित गड़बड़ी से करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई अथवा स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट के माध्यम से न्यायिक जांच कराने तथा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग उठाई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने कहा कि भगवान श्रीराम किसी राजनीतिक दल के नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था के प्रतीक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार की एसआईटी केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर वास्तविक जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निष्पक्ष जांच होने तक इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष योगेश शर्मा ने किया। प्रदर्शन में पूर्व विधायक लेखराम साहू, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन लालवानी, शरद लोहाना, पूर्व दुग्ध महासंघ अध्यक्ष विपिन साहू, संगठन जिला महामंत्री अरविंद दोषी, जिला उपाध्यक्ष सलीम रोकड़िया, नरेश जसूजा, जिला महामंत्री आलोक जाधव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, पार्षद एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिना कार्य किए ही ठेकेदार को भुगतान की शिकायत पड़ी भारी

- **पालिकाध्यक्ष की शिकायत के ढाई माह बाद कार्यवाही**
- **तत्कालीन सीएमओ अविनाश देवांगन, उपअभियंता हुसैन और प्रभारी लेखापाल नीरज सिंह निलंबित**

खैरागढ़/नवप्रदेश। बिना कार्य किए और निर्माण कार्य पूरा होने से पहले किए गए भुगतान मामले मे नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा की गई शिकायत के ढाई माह बाद तत्कालीन नपा सीएमओ रहे अविनाश देवांगन, सब इंजीनियर मुजफ्फर हुसैन और तत्कालीन प्रभारी लेखापाल नीरज सिंह को शासन ने आखिरकार निलंबित करने के आदेश जारी किए। सोमवार शाम को जारी आदेश मे नगरीय प्रशासन विभाग के उपसचिव भागवत जायसवाल ने तीनो का निलंबन जारी किया। शहर के बरेठपारा वार्ड 6 मे नाली निर्माण सहित सीसी सडक़ निर्माण कार्य मे बिना कार्य के संबंधित ठेकेदार को भुगतान किया गया था। मामले की शिकायत नपाध्यक्ष गिरजा चंद्राकर ने पार्षदों के साथ नगरीय प्रशासन विभाग मे की थी। दूसरे दिन ही मामले मे नगरीय प्रशासन विभाग ने कार्यपालन अभियंता और सहायक अभियंता की संयुक्त टीम ने पालिकाध्यक्ष चंद्राकर और सीएमओ पुनीत वर्मा के साथ मौके पर जाकर मामले की जांच की थी। जांच मे फर्जीवाड़ा सामने आया था। निर्धारित स्थल पर नाली निर्माण नही मिला जबकि इसका 5 लाख 75 हजार रू का भुगतान कर दिया गया। इसी तरह 2 लाख 27 हजार रू से बनने वाले सीसी सडक़ मौके पर मौजूद नही होने के बाद ठेका फर्म हक इंटरप्राइजेस को कर दिया गया। दोनो निर्माण कार्यो का भुगतान होली के एक दिन पहले 3 मार्च 26 को ही एक साथ किया गया। पालिकाध्यक्ष चंद्राकर ने इसे भ्रष्टाचार बताते फाइलो मे कार्य दिखाकर भुगतान का आरोप लगाते मामले मे तत्कालीन सीएमओ अविनाश चंद्राकर, उपअभियंता मुजफ्फर हुसैन, तत्कालीन लेखापाल रहे नीरज सिंह के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी। मामले मे जांच सहित अन्य प्रक्रिया पूरी किए जाने के बाद सोमवार को निलंबित करने के आदेश जारी किए गए।

> बिना कार्य के निर्माण कार्य का भुगतान किए जाने की शिकायत विभागीय अधिकारियो और नगरीय प्रशासन मंत्री से की गई थी जिसमे कार्यवाही करते सीएमओ, सब इंजीनियर,और प्रभारी लेखापाल को निलंबित करने के आदेश हूए है।
>
> **गिरजा चंद्राकर,** अध्यक्ष नगरपालिका खैरागढ़

सीएमओ देवांगन के कार्यकाल की जांच हो

पालिका मे प्रभारी सीएमओ का चार माह पदभार संभालने वाले गंडई नगरपंचायत सीएमओ अविनाश देवांगन के नगरपालिका मे पदस्थापना के दौरान व्यापक पैमाने मे भ्रष्टाचार की शिकायत सामने आई है। बिना कार्य के कई विकास कार्यो का फर्जी तरीके से भुगतान किए जाने, एक दिन मे ही एक करोड़ रू से अधिक के चेक जारी करने, मनमाने तरीके से भुगतान किए जाने जैसी शिकायत सामने आई है। देवांगन पर ठेकेदारो के साथ मिलीभगत करने,निर्माण कार्यो का धरातल पर परीक्षण नही करने, बिना खरीदी लाखो के चेक काटने जैसी शिकायतो की भी अब जांच की मांग उठने लगी है।

लगातार पांचवे सीएमओ निलंबित

नगरपालिका मे लगातार जारी भ्रष्टाचार के मामले मे यह पांचवी कार्यवाही है। पिछले दो साल मे ही पांच सीएमओ भ्रष्टाचार के मामले मे निलंबित हो चुके है। इसके बाद भी अधिकारियो द्वारा भ्रष्टाचार अब तक नही रूक सका है। सबसे पहले जिम सामान खरीदी मामले मे तत्कालीन सीएमओ रहे कुलदीप झा, डोंगरगढ़ मामले मे प्रमोद शुक्ला, कवर्धा मामले मे नरेश वर्मा, दुकान नीलामी मे गड़बड़ी और शासन को नुकसान पहुँचाने के मामले मे कोमल ठाकुर निलंबित हो चुके है। प्रभारी सीएमओ बने अविनाश देवांगन भी प्रभार मिलते ही भ्रष्टाचार के मामले मे आगे रहे और अब निलंबित हो गए। एक दो भ्रष्टाचार के मामले मे पालिका मे निलंबन के आंकड़े और बढ़ सकते है।

गांव में मुक्तिधाम व शेड निर्माण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। मंगलवार को समय सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा के दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने चालू मानसून सीजन में व्यापक पैमाने पर पौधरोपण के उद्देश्य से जिले के सभी जनपद पंचायतों में विकासखंड स्तरीय वृक्षारोपण हेतु आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। श्री शर्मा ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया को पारदर्शी व सुगम बनाया जा रहा है। अब राशन कार्ड सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने से बन जाएगा।हितग्राहियों को जनपद कार्यालय का चककर नहीं लगाने पड़ेगा और समय सीमा में राशन कार्ड बन जाएगा। उन्होंने खाद्य अधिकारी और जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये।

विकसित भारत जी राम जी योजना के कार्यों को देखने कबीरधाम पहुची केंद्रीय टीम

कवधा/नवप्रदेश। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव (वित्त) पी.के.शर्मा तथा अवर सचिव राहुल कुमार श्रीवास्तव ने विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को देखने दो दिवसीय प्रवास पर कबीरधाम ज़िले में पहुँच कर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने विकसित भारत जी राम जी योजना के कार्यों की प्रगति एवं अन्य आवश्यक तैयारियों से केन्द्रीय टीम को अवगत कराया। केंद्रीय टीम द्वारा योजना से जुड़े सभी मैदानी कर्मचारियों की बैठक लेकर योजना के क्रियान्वयन पर वृस्तित चर्चा की गई।गांव की आवश्यकता अनुसार निर्माण कार्यो की पहचान में ग्रामीणों की भूमिका, कार्य स्वकृति की प्रक्रिया, युक्त धारा पोर्टल में कार्यो की एंट्री, काम की मांग, एनएमएमएस द्वारा ऑनलाइन हाजिरी, समय सीमा में मजदूरी भुगतान की जानकारी, 125 दिनो के रोजगार हेतु ग्रामीणों की मांग पर नए कार्यों की स्वीकृति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर जानकारी ली गई। इस पर सीईओ जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी ग्राम पंचायतो के लिए पर्याप्त कार्य की स्वीकृति करते हुए रोजगार की मांग अनुसार निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहे हैं। साथ ही बताया गया कि योजना अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार देने के मामले में पूर्व की भांति कबीरधाम जिला प्रदेश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। जिस पर केंद्रीय टीम द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की।

बघेरा में छात्र युवा मंच की स्थापना दिवस के अवसर पर पौधा रोपण किया गया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छात्र युवा मंच का आज 14 वां स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर छात्र युवा मंच प्रदेश मंत्री अपने शासकीय स्कूल बघेरा में पौधा रोपण किया गया। संगठन की स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर संगठन ने निरंतर 5 दिनों तक स्थापना दिवस के रूप में रक्तदान शिविर, पौधारोपण , शहीद जवानों के याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम , संगठनात्मक सशक्ति वर्ष चर्चा कार्यक्रम रखा गया था। विक्रांत सिंह के जन्मदिन के अवसर पर ग्राम खमतराई में रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया ऐसे सकारात्मक आयोजनों के लगातार स्थापना दिवस संगठन बनाएगा।

छात्र युवा मंच के प्रदेश मंत्री दुष्यंत सेन पौधे लगाकर छोड़ने नहीं चाहिए बल्कि उन पौधों का नियमित पालन पोषण करना चाहिए जब तक वो बड़े न हो जाए। बघेरा के रक्तवीर ने पौधारोपण के लिए संदेश दिया।

नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर में अधिकारी सहित ग्रामीणों ने कराया शुगर बीपी जांच

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट में हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें समय -सीमा की बैठक में आने वाले अधिकारियो एवं जनदर्शन में आने वाले ग्रामीणों ने निःशुल्क शुगर व बीपी की जांच कराई। कलेक्टर शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया कि अब हर मंगलवार को यहां स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाए जिसमे समय सीमा की बैठक में आने वाले अधिकारियो के साथ ही जनदर्शन में आने वाले लोगों का भी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच हो। जांच के साथ ही अस्पताल में उपलब्ध दवाई भी निःशुल्क दिया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियो से शिविर में जरुरत अनुसार शुगर व बीपी जांच कराने कहा। स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपना शुगर और बीपी की जांच कराई। इसके साथ ही जनदर्शन में आये ग्रामीणों ने भी बड़ी संख्या में निःशुल्क जांच का लाभ उठाया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन की इस पहल का सराहना करते हुए अच्छी पहल बताया।

अवैध गांजा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई

- **विगत डेढ़ माह में 268.414 किलो ग्राम गांजा, कीमती 01 करोड़ 34 लाख 20 हजार 700 का गांजा जप्त**

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के दिशा निर्देश में मार्गदर्शन में समस्त थाना प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत फिक्स पॉइंट लगाकर अवैध गांजा शराब के विरुद्ध रोकथाम एवं कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत नशे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए विगत डेढ़ माह में 10 प्रकरणों में 19 आरोपियों के साथ 268.414 किलो ग्राम गांजा कीमती 01 करोड़ 34 लाख 20 हजार 700 रुपए का अवैध गांजा जप्त कर कार्यवाही किया गया। इसी क्रम में थाना देवभोग पुलिस टीम के द्वारा दिनांक 13.07.2026 को वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक स्कूटी क्रमांक CG 04 क्त2363 में दो व्यक्ति उड़ीसा की ओर से देवभोग होते हुए रायपुर की ओर अवैध गांजा लेकर जा रहे हैं। सूचना पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर थाना टीम द्वारा थाना के सामने मेन रोड पर घेराबंदी कर उक्त स्कूटी को रोककर जांच की गई। स्कूटी में सवार दोनों व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उनके जवाब संदिग्ध प्रतीत होने पर विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान स्कूटी में रखी एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी एवं एक काले रंग के बैग से कुल 30 किलोग्राम 100 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ।

शिक्षा से वंचित अर्थात् समाज में असामाजिक व्यक्ति के प्रवेश की आशंका : मधुसूदन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शासकीय उ.मा.शाला हरदी, विकासखण्ड राजनांदगॉव में आहूत हुए शाला प्रवेश उत्सव के अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव ने उक्त उद्गार व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि छ.ग. शासन के शिक्षा विभाग ने शालाओं के प्रबंध समिति के ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन किया है, जिसमें शाला व छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के पद सहित महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां पालक सदस्यों को प्रदान की गई हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि की आसंदी से महापौर ने शाला की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शैक्षणिक, सांस्कृतिक व क्रीड़ा के स्तर को ऊंचा रखने का सुझाव देते हुए कहा कि शाला से सिर्फ कर्मचारी और व्यवसायी नहीं वरन्, अधिकारी बनने और बनाने के लक्ष्य को लेकर अध्यापन हो। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा में ही समस्त समस्याओं का हल है। शिक्षकों से उन्होंने आव्हान किया कि कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न हो, क्योंकि शिक्षा से वंचित होने या करने की सीधा अर्थ है, समाज को एक कमजोर व्यक्तित्व सुपुर्द करना जो मजदूर अथवा असामाजिक तत्व का रूप भी हो सकता है, जो समाज निर्माण में शिक्षकों की चुनौतीपूर्ण भूमिका को प्रमाणित करता है।

गांवों में डिजिटल सेवाओं से बढ़ेगी सुविधा

खैरागढ़/नवप्रदेश। ब्लॉक के ग्राम पंचायत भुलाटोला में अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन का भूमिपूजन जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह के मुख्यआतिथ्य मे किया गया। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधि ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की अभिनव पहल है। अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाएं, राशि निकासी, प्रमाण पत्र संबंधित कार्य सहित पंचायत स्तर के कई आवश्यक कार्य एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगे। इससे ग्रामीणों का समय और श्रम दोनों की बचत होगी।

महापौर, कलेक्टर एवं निगम आयुक्त ने शहर के प्रमुख विकास कार्यों का किया संयुक्त निरीक्षण

- **गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश, धमतरी को आधुनिक एवं सुविधासंपन्न शहर बनाने पर जोर**

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी शहर में नागरिक सुविधाओं के विस्तार एवं शहरी अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का आज महापौर नगर निगम रामू रोहरा, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा एवं नवपदस्थ नगर निगम आयुक्त अरुण कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया। अधिकारियों ने निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता, कार्य की प्रगति तथा समय-सीमा की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों एवं कार्यदायी एजेंसियों को सभी कार्य निर्धारित समय में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, नहर नाका चौक, जालमपुर स्थित बॉक्स क्रिकेट परिसर, सिहावा चौक के समीप निर्माणाधीन अत्याधुनिक ऑडिटोरियम, खपरी-अर्जुनी स्थित निर्माणाधीन बस स्टैंड तथा कांटा तालाब में विकसित की जा रही चौपाटी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रत्येक परियोजना में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों एवं कार्य की गति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि जनसुविधा से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान सिहावा चौक से कोलियारी तथा रत्नाबांधा से मुजगहन तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। ड्रेनेज व्यवस्था, पैदल पथ निर्माण, विद्युत लाइन शिफ्टिंग तथा यातायात प्रबंधन से संबंधित कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ीकरण पूर्ण होने से यातायात अधिक सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित होगा तथा शहर के विकास को नई गति मिलेगी।

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि धमतरी शहर का समग्र, संतुलित एवं सुनियोजित विकास नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहर में संचालित सभी विकास कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं, सुगम यातायात, स्वच्छ एवं आकर्षक सार्वजनिक स्थल तथा आधुनिक शहरी अधोसंरचना उपलब्ध कराना है।

डीएमएफ में 81% बजट खर्च, फिर भी 44% प्रभावित गांव विकास से वंचित

छत्तीसगढ़: खनिज विकास निधि के इस्तेमाल में भारी गड़बड़ी, सीएजी की रिपोर्ट में हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना और जिला खनिज न्यास निधि के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आई हैं। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अपनी प्रदर्शन लेखा परीक्षा (परफॉर्मेंस ऑडिट) रिपोर्ट में निधियों के कुप्रबंधन, बिना योजना के खर्च और पारदर्शिता की कमी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

यह रिपोर्ट मंगलवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के पटल पर रखी गई। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि खनन से प्रभावित क्षेत्रों और वहां के लोगों के कल्याण के लिए निर्धारित करोड़ों रुपये के फंड का उपयोग तय नियमों के अनुसार नहीं किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, न्यासों द्वारा 4,536.58 करोड़ रुपये (कुल उपलब्ध निधि का 81 प्रतिशत) खर्च किए जाने के बावजूद, खनन प्रभावित क्षेत्रों को इसका उचित लाभ नहीं मिला। परीक्षण किए गए 11 जिलों के 1,734 प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित गांवों में से 754 गांव (44 प्रतिशत) विकास कार्यों से पूरी तरह वंचित रह गए।

टेंडर और खरीद में धांधली

17.49 करोड़ रुपये की सामग्री और सेवाएं बिना ओपन टेंडर के केवल सीमित कोटेशन पर खरीद ली गईं। 38.82 करोड़ रुपये की खरीद बिना तकनीकी विनिर्देश तय किए की गई, जो सीधे तौर पर छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियम (2002) का उल्लंघन है।

निगरानी तंत्र और स्टाफ की भारी कमी

सीएजी ने राज्य की निगरानी व्यवस्था को भी कटघरे में खड़ा किया है। राज्य स्तरीय निगरानी और समीक्षा समितियों की बैठकें तय समय पर नहीं हुईं। 12 जिलों की वेबसाइटों की जांच में पाया गया कि बजट, वार्षिक योजना, बैठकों के मिनट्स और प्रगति रिपोर्ट जैसी अहम जानकारियां या तो वेबसाइट पर थीं ही नहीं या उन्हें अपडेट नहीं किया गया था। बेमेतरा और महासमुंद जिलों में डीएमएफटी के सभी स्वीकृत पद खाली पड़े थे। वहीं बालोद, बिलासपुर, रायगढ़ और राजनांदगांव में 50 प्रतिशत से अधिक प्रमुख पदों पर कोई नियुक्ति नहीं हुई थी।

सीएजी की प्रमुख सिफारिशें

योजना निर्माण और वित्तीय प्रबंधन में तत्काल सुधार किया जाए। खरीद प्रक्रिया में तय नियमों (टेंडरिंग) का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो। निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए और योजना के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से हासिल करने के लिए जवाबदेही तय की जाए। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद राज्य में खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए भेजे गए फंड के दुरुपयोग को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मचना तय माना जा रहा है।

बिना योजना और बिना पहचान के बांटे करोड़ों

खनिज न्यासों के गठन के बाद खनन प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करने में 5 से 65 महीने तक की भारी देरी हुई। क्षेत्रों की औपचारिक पहचान किए बिना ही 1,060.70 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत कर दिए गए। प्रभावित लोगों के लिए कोई मास्टर प्लान, विजन दस्तावेज या वार्षिक कार्ययोजना तैयार किए बिना ही फंड का उपयोग किया गया।

दफ्तरों के सौंदर्यीकरण पर खर्च हुए करोड़ों

डीएमएफटी का मुख्य उद्देश्य प्रभावित लोगों का कल्याण है, लेकिन 30.73 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि सरकारी कार्यालयों के निर्माण, मरम्मत और सौंदर्यीकरण जैसे गैर-प्राथमिक कार्यों पर उड़ा दी गई। खराब योजना और कमजोर निगरानी के कारण 41.80 करोड़ रुपये का खर्च पूरी तरह निष्प्रभावी साबित हुआ। इस राशि से कला एवं संस्कृति केंद्र, बायोगैस संयंत्र, पोल्ट्री और मशरूम इकाइयां बनाई गईं, जो या तो अधूरी रह गईं या कभी उपयोग में ही नहीं आईं।

छत्तीसगढ़ मनरेगा में भारी खामियां: बिना मंजूरी शुरू हुए 86% काम, मजदूरों के ईपीएफ में 84 करोड़ का गोलमाल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आई हैं। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अपनी ताजा प्रदर्शन लेखा परीक्षा (परफॉर्मेंस ऑडिट) रिपोर्ट में योजना के निर्माण, वित्तीय प्रबंधन, रोजगार देने और निगरानी तंत्र को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। यह रिपोर्ट मंगलवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में पेश की गई। सीएजी की रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि जमीनी स्तर पर मनरेगा के नियमों की जमकर अनदेखी की गई है, जिसका सीधा नुकसान ग्रामीण मजदूरों को हुआ है।

सीएजी रिपोर्ट के प्रमुख और चौंकाने वाले खुलासे: मनरेगा में किसी भी काम को शुरू करने से पहले ग्राम सभा की मंजूरी अनिवार्य है। लेकिन सीएजी की जांच (48 ग्राम पंचायतों का परीक्षण) में पता चला कि 86 प्रतिशत कार्य ग्राम सभा की अनिवार्य स्वीकृति के बिना ही शुरू कर दिए गए। इसके अलावा, श्रम बजट तैयार करने से पहले जरूरी घर-घर सर्वे भी नहीं कराए गए।

39% संपत्तियां अधूरी या कबाड़: अक्टूबर 2024 तक की स्थिति के अनुसार, स्वीकृत कार्यों में से मात्र 61 प्रतिशत ही पूरे हो सके। सीएजी की टीम ने जब भौतिक सत्यापन किया, तो कई संपत्तियां अनुपयोगी, काम न करने वाली या पूरी तरह कबाड़ स्थिति में पाई गईं।

निगरानी और सोशल ऑडिट पूरी तरह फेल: राज्य स्तरीय सशक्त समिति और रोजगार गारंटी परिषद जैसे वैधानिक निकायों की अनिवार्य बैठकें आयोजित ही नहीं की गईं। पारदर्शिता के लिए सबसे जरूरी 'सामाजिक अंकेक्षण' का बुरा हाल है। कुछ वर्षों में तो 99.97 प्रतिशत ग्राम पंचायतों का सोशल ऑडिट हुआ ही नहीं। ऑडिट में जो 53% आपत्तियां दर्ज की गईं, उनका आज तक कोई निराकरण नहीं हुआ। ऑडिट इकाई में 45% पद खाली पड़े हैं।

सीएजी की सिफारिशें: सीएजी ने राज्य सरकार को योजना निर्माण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने, वित्तीय कुप्रबंधन रोकने, अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रिकॉर्ड दुरुस्त करने की सख्त सिफारिश की है।

ईपीएफ में भारी लापरवाही, 84 करोड़ रुपये की देनदारी

वित्तीय प्रबंधन में गंभीर वित्तीय अनियमितताएं पाई गई हैं। फंड होने के बावजूद मजदूरों के भुगतान में देरी की गई। सबसे बड़ी लापरवाही कर्मचारी भविष्य निधि में सामने आई है। अप्रैल 2015 से मार्च 2023 के बीच 29.62 करोड़ रुपये का ईपीएफ अंशदान जमा ही नहीं किया गया, जो अब ब्याज और जुर्माने के साथ बढ़कर 84.59 करोड़ रुपये हो गया है। 2019-20 से 2023-24 के बीच 152.36 लाख परिवारों ने काम मांगा, लेकिन सिर्फ134.10 लाख परिवारों को ही काम मिला। यानी 18.26 लाख परिवारों (12%) को काम नहीं मिला। नियमों के तहत इन्हें बेरोजगारी भत्ता मिलना था, जो नहीं दिया गया। 100 दिन का काम मात्र 0.92% को: जिन परिवारों को काम मिला, उनमें से 83 प्रतिशत (111.31 लाख) को 100 दिन से कम का रोजगार मिला। सिर्फ0.92 प्रतिशत (1.23 लाख) परिवार ही तय 100 दिन का काम पा सके।

(राहत की बात: महिलाओं की भागीदारी 43-59% रही, जो न्यूनतम 33% के नियम से अधिक है।)

मानसून सत्र : खाद-बीज के संकट पर विपक्ष का हल्लाबोल, सरकार पर किसान विरोधी होने का लगाया आरोप

गर्भगृह में हंगामे के बाद कांग्रेसी विधायक निलंबित

रायपुर/नवप्रदेश। मानसून सत्र के दूसरे सदन में खाद-बीज के संकट को लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। खरीफ सीजन 2026 में किसानों को खाद, उन्नत बीज और बिजली की किल्लत का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव पेश कर सरकार को जमकर घेरा। कृषि मंत्री रामविचार नेताम के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी विधायकों ने सरकार पर 'किसान विरोधी' होने का आरोप लगाते हुए सदन में जमकर नारेबाजी की। हंगामा इतना बढ़ा कि विपक्षी विधायक गर्भगृह में पहुंच गए, जिसके बाद नियमों के तहत वे स्वतः निलंबित हो गए।

स्थगन प्रस्ताव में विपक्ष के गंभीर आरोप: प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं में बुवाई और रोपाई के लिए सबसे जरूरी डीएपी तथा पोटाश पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। विपक्ष का आरोप है कि कृषि विभाग बिना जरूरत वाले यूरिया और नैनो फर्टिलाइजर का भारी भंडारण कर कुल उर्वरक मात्रा पर्याप्त होने का भ्रम फैला रहा है।

किसानों से जबरन वसूली और अमानक खाद: सोसाइटियों में किसानों को उनकी मांग के अनुसार उर्वरक न देकर, जबरन अन्य उर्वरक थोपे जा रहे हैं। कवर्धा, बेमेतरा और मुंगेली जैसे जिलों में सहकारी सोसायटी के प्रबंधक निजी व्यापारियों से मिलकर किसानों को अमानक उर्वरकों की आपूर्ति करवा रहे हैं।

सूखे की मार और बिजली का संकट: वर्षा कम होने के कारण किसान पंप चलाकर खेती करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन बिजली की निरंतर आपूर्ति न होने से पानी का भारी संकट पैदा हो गया है।

'एग्रीस्टैक पोर्टल' बना मुसीबत

किसानों के लिए 'एग्रीस्टैक पोर्टल' में अनिवार्य पंजीयन एक बड़ी समस्या बन गया है। इसके बिना किसानों को न तो ऋण प्राप्त हो रहा है और न ही समर्थन मूल्य पर वे अपनी उपज बेच पाएंगे। इसके अलावा, फसल परिवर्तन और रकबे की त्रुटि सुधारवाने में किसानों के पसीने छूट रहे हैं।

'छत्तीसगढ़ अंजोर 2047' विजन पर विपक्ष

विपक्ष ने सरकार के छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 (विकास का रोडमैप) पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। प्रस्ताव में आरोप लगाया गया है कि इस दस्तावेज के अनुसार जीडीपी में कृषि का योगदान वर्तमान के 20 प्रतिशत से घटाकर 2047 तक 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

विपक्ष का दावा- धान खरीदने से बच रही सरकार

इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए किसानों के सामने जानबूझकर इतनी समस्याएं पैदा की जा रही हैं, ताकि धान का उत्पादन कम हो और सरकार को कम धान खरीदना पड़े।

कृषि मंत्री ने दिया जवाब, फिर हुआ वॉकआउट

सदन में इन तीखे आरोपों के बीच कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने जवबा में विपक्ष के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि राज्य में किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज उपलब्ध है तथा कहीं कोई किल्लत नहीं है। मंत्री के इस 'सब कुछ ठीक है' वाले जवाब से विपक्ष ने सरकार को पूरी तरह से किसान विरोधी बताते हुए नारेबाजी शुरू कर दी और सदन की कार्यवाही रोककर इस अतिमहत्वपूर्ण विषय पर तुरंत चर्चा की मांग की। जब मांग नहीं मानी गई, तो आक्रोशित कांग्रेसी विधायक गर्भगृह में उतर आए, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें स्वतः निलंबन का सामना करना पड़ा।

वेदांता हादसे पर सदन में संग्राम भड़के विपक्ष का वॉकआउट

भूपेश-महंत के तीखे सवालों से बैकफुट पर सरकार, विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए सदन छोड़ा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में प्रश्नकाल के दौरान सक्ती (डबरा क्षेत्र) के वेदांता संयंत्र का 'हादसा' गूंज उठा। 25 मजदूरों की दर्दनाक मौत और रसूखदारों को बचाने के आरोपों से सदन पूरी तरह से सियासी माहौल में बदल गया। विपक्ष ने सरकार की ऐसी घेराबंदी की कि पूरे सदन में जोर-जोर से नारेबाजी शुरू हो गई।

सीएम भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के तीखे सवालों के आगे सरकार पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आई। गोलमोल जवाबों से कांग्रेस विधायकों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रश्नकाल में वेदांता हादसे की गूंज सुनाई दी। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सरकार पर सीधे सवाल करते हुए कहा कि पिछले दो सालों में हुए हादसों और फैक्ट्रियों के 'सेफ्टी ऑडिट' की पोल खोलते हुए सीधा सवाल दागा- सक्ती में 25 मजदूरों की जान चली गई, 7 अब भी तड़प रहे हैं। पुलिस के दस्तावेजों में वेदांता के डायरेक्टर अनिल अग्रवाल का नाम दर्ज है, तो क्या अब तक उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी की कोई कोशिश हुई है? क्या इन मौतों के जिम्मेदारों को पकड़ने के लिए सरकार की पुलिस इंग्लैंड जाने की हिम्मत जुटा पाएगी?

'क्या दबाव में बेची जा रही है फैक्ट्री?': सदन का तापमान तब बढ़ गया जब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि क्या पुलिस गई? बघेल ने पूछा, क्या अनिल अग्रवाल को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस वहां (इंग्लैंड) गई थी? क्या भविष्य में भी कार्रवाई होगी? उन्होंने सरकार से साफ जवाब मांगा कि क्या भविष्य में होने वाली ऐसी औद्योगिक घटनाओं में भी सीधे डायरेक्टर पर इसी तरह एफआईआर दर्ज की जाएगी?

किसी एक व्यक्ति को टारगेट नहीं कर सकते

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के उस तंज पर—कि किसी एक व्यक्ति को टारगेट करना 'दबाव बनाकर फैक्ट्री बिकवाने की मंशा' है—भूपेश बघेल ने सीधे अडाणी समूह का नाम उछाल दिया। उन्होंने कहा कि क्या किसी और को फायदा पहुंचाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है? वहीं पत्रकारों से चर्चा करते हुए पूर्व सीएम ने बघेल ने कहा कि असली डर इस बात का है कि वेदांता पर दबाव बनाकर उसकी पूरी संपति औने-पौने दामों में न बेच दी जाए। यह छत्तीसगढ़ की जमीनों को चहेते पूंजीपतियों को सौंपने का षड्यंत्र है!

मंत्री लखनलाल देवांगन का जवाब

मंत्री ने कहा कि प्रदेश के 32 कारखानों में सेफ्टी ऑडिट हो चुका है। मामले में वेदांता के अरुण मिश्रा, योगेंद्र पटेल और अनिल अग्रवाल समेत 17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच और विवेचना जारी है, जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

वेदांता कंपनी द्वारा: 35 लाख रुपये (और अतिरिक्त 50 हजार)

मुख्यमंत्री राहत कोष से: 5 लाख रुपये, प्रधानमंत्री राहत कोष से: 2 लाख रुपये, मंत्री के जवाब के बाद चंद्रपुर विधायक रामकुमार यादव ने सदन में कहा कि - हकीकत यह है कि वेदांता ने अब तक ग्रामीणों को उनकी जमीन का पैसा तक नहीं दिया है, और तो और, सरकार द्वारा घोषित 2 लाख रुपये की राशि भी अब तक पीड़ितों को नहीं मिली है।

मंत्री देवांगन ने कहा: मंत्री देवांगन ने मौतों के आंकड़ों पर काउंटर अटैक कर दिया। उन्होंने विपक्ष को आईना दिखाते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकाल में 300 श्रमिकों की मौत हुई थी, जबकि आपके (कांग्रेस) राज में 400 मजदूरों ने जान गंवाई थी!

सदन में गूंजे नारे, कांग्रेस का वॉकआउट

अनिल अग्रवाल की गिरफ्तारी पर चुप्पी से विपक्ष का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। मंत्री के जवाब से पूरी तरह असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने वेदांता हादसे में ठोस कार्रवाई की मांग करते हुए सदन में जोरदार हंगामा किया जिसके बाद समूचे विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

समाधान योजना में बिजली के अदालती प्रकरणों का भी निराकरण

न्यायालय से प्रकरण वापस लेकर पात्र उपभोक्ता उठा सकेंगे योजना का लाभ

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के अंतर्गत अब न्यायालयों में लंबित बिजली बिल संबंधी प्रकरणों का भी निराकरण किया जाएगा। इसके लिए उपभोक्ताओं को न्यायालयों में लंबित प्रकरण वापस लेना होगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि उपभोक्ताओं से मिल रहे उत्साहजनक प्रतिसाद को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 की अवधि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही अब योजना का दायरा बढ़ाते हुए न्यायालयों में लंबित बिजली बिल संबंधी प्रकरणों को भी इसमें शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल संबंधी प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं, वे न्यायालय से अपना प्रकरण वापस लेकर योजना के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं। नियमानुसार आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद उन्हें उपलब्ध छूट एवं अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे। प्रबंध निदेशक श्री कंवर ने पात्र उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने निकटतम वितरण केंद्र अथवा संबंधित कार्यालय से संपर्क कर योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर योजना का लाभ उठाते हुए अपने बिजली बिल संबंधी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराएं।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 के तहत निम्नदाब घरेलू, बीपीएल एवं कृषि श्रेणी के अशासकीय उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल की मूल राशि एवं अधिभार में नियमानुसार छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। अब तक 8 लाख 61 हजार 38 सक्रिय उपभोक्ताओं का पंजीयन हुआ है, जिन पर 1,493 करोड़ रुपये की कुल बकाया राशि थी, उन्हें कुल 745.61 करोड़ रुपये की छूट प्रदान की गई है तथा 85.22 करोड़ रुपये का भुगतान प्राप्त हुआ है। वहीं 1 लाख 42 हजार 799 उपभोक्ताओं ने अपने प्रकरणों का संपूर्ण समाधान प्राप्त किया, जिनके लिए मूल राशि में 28.28 करोड़ रुपये तथा अधिभार में 50.60 करोड़ रुपये की छूट दी गई और 58.96 करोड़ रुपये का भुगतान प्राप्त हुआ।

इसके अतिरिक्त 3.58 लाख निष्क्रिय उपभोक्ताओं को मूल राशि में 124.31 करोड़ रुपये तथा अधिभार में 40.76 करोड़ रुपये, अर्थात कुल 165.07 करोड़ रुपये की छूट प्रदान की गई तथा उनसे 2.52 करोड़ रुपये का भुगतान प्राप्त हुआ। पूर्व में यह योजना 30 जून 2026 तक प्रभावशील थी। योजना की अवधि बढ़ने से ऐसे पात्र उपभोक्ताओं को तीन माह का अतिरिक्त अवसर मिलेगा, जो अब तक किसी कारणवश इसका लाभ नहीं ले सके हैं।

परिवहन निगम के दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को भी अनुकंपा नियुक्ति

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने अधोसंरचना विकास निगम के अंतर्गत आने वाले विघटित परिवहन निगम के दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों के हित में एक बड़ा और संवेदनशील निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर, इन दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने के लिए एक नई नीति बनाने का निर्णय लिया गया है। इस नीति के निर्धारण के लिए राज्य शासन द्वारा सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग की अध्यक्षता में 07 सदस्यीय अंतर्विभागीय समिति का गठन किया गया है, जिसका आदेश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार, पूर्व में इन दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को शिक्षाकर्मी वर्ग-तीन के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाती थी। लेकिन शिक्षाकर्मी पद समाप्त होने के बाद जल संसाधन विभाग ने 13 दिसंबर 2022 को एक आदेश जारी कर सीआईडीसी के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान किया था। सीआईडीसी में पद रिक्त न होने के कारण अनुकंपा नियुक्ति के कई महत्वपूर्ण प्रकरण लंबे समय से लंबित हो गए थे। इसके चलते आश्रित परिवारों को गंभीर आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा था।

मामले की संवेदनशीलता, उच्च न्यायालय के निर्देशों और कर्मचारी हित को सर्वोपरि रखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। गठित की गई 7 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति को अपनी विस्तृत रिपोर्ट एक माह के भीतर शासन को सौंपनी होगी।

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में जिले के विभिन्न विभागों की समय सीमा बैठक ली। बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और जन शिकायतों के निराकरण की गहन समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने पीजी पोर्टल पर दर्ज सभी प्रकरणों की एक-एक कर जानकारी ली। उन्होंने प्रोजेक्ट समन्वय के कार्यों में अपेक्षित गति नहीं पाए जाने पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर कॉल सेंटर और मुख्यमंत्री जनदर्शन में लंबित आवेदनों की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

35.89 करोड़ खर्च के बाद भी विश्वस्तरीय स्कूल का 30 फीसदी काम बाकी

कार्य पूरा करने की समय सीमा दिसम्बर 2026 तक बढ़ाई गई

रायपुर/नवप्रदेश। नवा रायपुर में विश्व स्तरीय शिक्षण संस्थान का निर्माण एक साल में पूरा होना था, लेकिन 4 साल बाद भी अब तक सिर्फ 70 फीसदी काम ही पूरा हो पाया है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विधानसभा में यह जानकारी दी।

कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव के प्रश्नों के लिखित जवाब में मंत्री श्री यादव ने बताया कि विश्व स्तरीय शिक्षण संस्थान के लिए 22 अगस्त 2022 को 49.52 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी ।4 साल में 45 करोड़ की राशि निर्माण के लिए आबंटित की जा चुकी है। मंत्री ने बताया कि स्कूल भवन एवं आवासीय परिसर निर्माण के लिए रायपुर कंस्ट्रक्शन प्रा.लिमिटेड को 12 माह की कार्यावधि के लिए दिया गया।

चार साल में 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। 30 प्रतिशत काम अब भी बाकी है। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य में 35.89 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। 13.63 करोड़ खर्च किया जाना बाकी है। कार्य एजेंसी को निर्माण के लिए 35 माह की समयावधि प्रदान की जा चुकी है। कार्य में देर के लिए एजेंसी का 1.18 करोड़ की राशि रोकी गई है।

700 विद्यार्थियों के लिए आवासीय विद्यालय

मंत्री यादव ने बताया कि निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए दिसम्बर 2026 तक का लक्ष्य रखा गया है। राज्य के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं उनके सर्वांगीण विकास प्रदान करने और राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की उपस्थिति दर्ज कराने के उद्देश्य से स्कूल का निर्माण किया जा रहा है। परिसर में 700 विद्यार्थियों हेतु सर्वसुविधायुक्त आवासीय विद्यालय, स्टाफ क्वार्टर, खेलकूद मैदान, टेनिस कोर्ट, पुस्तकालय, आडिटोरियम,हार्स राइडिंग, हॉल एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना है।

सुविचार

जिंदगी कितनी खूबसूरत है यह जानने के लिए हमें कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है, जहां हम आंख खोल लें वहीं हम इसे देख सकते हैं।

उमर अब्दुल्ला के बदले सूर

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सूर अचानक बदल गये हैं। पहले वे केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सान में कसीदे पढ़ते रहते थे और अब उन्होंने केन्द्र सरकार पर न सिर्फ वादा खिलाफ करने का आरोप लगाया है बल्कि भाजपा पर जम्मू कश्मीर में आपरेशन लोटस चलाने का भी संसनीय खेज खुलासा किया है। उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि केन्द्र की भाजपा सरकार जम्मू कश्मीर में उनकी सरकार को गिराने के लिए नेशनल कांफ्रेन्स के विधायकों पर डोरे डाल रही है। एक विधायक को 20 से 30 करोड़ रूपये देने का प्रलोभन दिया जा रहा है। उमर अब्दुला के इस बयान के बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियों ने भाजपा पर हमले तेज कर दिये हैं और कहा है कि भाजपा इसी तरह विधायकों और सांसदों की खरीद फरोख्त करके लोकतंत्र का गला घोंट रही है। उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर भाजपा ने न सिर्फ तीखी प्रतिक्रिया दी है बल्कि उन्हें नोटिस भी भेजा है बल्कि जम्मू कश्मीर की भाजपा इकाई ने उन्हें भेजे गये कानूनी नोटिस में कहा है कि उमर अब्दुल्ला अपने इस आरोप के सबूत पेश करें अन्यथा उन्हें सौ करोड़ रूपये का हरजाना देना पड़ेगा। क्योंकि उनके इस बयान से भाजपा की क्षवि धूमिल हुई है। इस नोटिस को उमर अब्दुल्ला ने गंभीरता से नहीं लिया है और कहा है कि मैं जम्मू कश्मीर का मैं इकलौता नेता हूं जिसे भाजपा ने इस तरह का लौ लेटर भेजा है। उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में एक रैली निकालकर केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के अपने वादे से पीछे हट रही है। क्या इसके लिए अब कश्मीरियों कि लद्दाख के लोगों की तरह आंदोलल करना पड़ेगा या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील करनी पड़ेगी। उमर अब्दुल्ला का यह बयान निश्चित रूप से निंदनीय है। एक ओर तो वे लद्दाख का उदाहरण देकर जम्मू कश्मीर में हिंसक आंदोलन की धमकी दे रहे हैं वहीं डोनाल्ड ट्रंप से गुजारिश करने की बात करके वे अपने ही देश की केन्द्र सरकर को अपमानित कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला यह भूल गये हैं कि जम्मू कश्मीर का जो सालाना बजट है उसमें 60 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार देती है। ऐसे में यदि उमर अब्दुल्ला केन्द्र से पंगा लेंगे तो इससे जम्मू कश्मीर का ही अहित होगा।

पांच नये मेडिकल कॉलेजों की सौगात

छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने पांच नये शासकीय मेडिकल कॉलेजों की सौगात दी है जो छत्तीसगढ़ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। आदिवासी बहुल बस्तर के गीदम के अलावा मनेन्द्रगढ़, कुनकुरी, कबीरधाम और जांजगीर चांपा में पचास पचास एमबीबीएस सीटों के मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृति प्रदान की गई है जहां 2026-27 से पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इस तरह अब छत्तीसगढ़ को ढाई सौ एमबीबीएस डॉक्टर अतिरिक्त मिला करेंगे। इससे छत्तीसगढ़ के शासकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी दूर होगी और लोगों को बेहतरीन स्वास्थ सुविधाएं प्राप्त होंगी। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के शासकीय अस्पतालों और स्वस्थ केन्द्रों में चिकित्सकों के बड़े पैमाने पर पद रिक्त पड़े हुए है। जिसकी वजह से लोगों को खासतौर पर ग्रामीणों को कुशल चिकित्सों को सेवाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। अब नये पांच मेडिकल कॉलेजों की मंजूरी मिलने के बाद कुछ हद तक डॉक्टरों की कमी दूर हो जाएगी। केन्द्र सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के प्रति आभार व्यक्त किया है और कहा है कि केन्द्र सरकार के निरंतर सहयोग तथा मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ अधोसंरचना के विकास का मार्ग तेजी से अग्रसर हो रहा है। नये मेडिकल मेडिकल कॉलेज खुलने से निश्चित रूप से प्रदेश में डॉक्टर की नई पीढ़ी तैयार होगी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों बेहतर स्वास्थ सुविधा सुलभ होगी।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर

होना है। अब किसी लालटेन की जरूरत नहीं है, यह तुम्हारे जितने रिश्ते नाते हैं सब यही लालटेन हैं। जीव को भक्ति कब मिलती है? जब वह गुरु के द्वारा आज्ञा पाकर गुरु के प्रसन्नता के लिए विषयों का चयन करने जाता है। मारने वाले के भी प्रति मन में रोष नहीं और बचाने वाले के प्रति भी मन में बहुत आभार नहीं; पता है यही कायनात है, यही सर्शष्ट है। कोई मारेगा, कोई मरहम लगाएगा। मुझे मौज में रहना है, मेरे भीतर कुछ नहीं घटना चाहिए। बचाने वाले के प्रति माया घनघोर हो जाए तो किसी दिन वो भी हमारे दुख का कारण बन जाएगी, आज बचाया है तो निश्चित है तुमसे कुछ चाहेगा और जब तुम पूरा नहीं करोगे तो तुम्हारा जीना हराम करेगा; तो बुद्धि स्थिर रखिए, बुद्धि सौम्य रखिए।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1840: शिक्षाविद, ग्रन्थकार और सांख्यिकीविदअंग्रेज अधिकारी विलियम विलसन हन्टर का जन्म। 1883: प्रसिद्ध भारतीय व्यवसायी जमशेद जी जीजाभाई का जन्म हुआ। वह काफी धनी और दानवीर थे। 1885: आधुनिक केरल प्रदेश के प्रमुख नेता का जन्म हुआ। 1903: भारत रत्न सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. कामराज का जन्म। वह सुधारवादी नेता थे और तमिलनाडु के विकास के लिए काफी काम किए। 1909: आंध्र प्रदेश की प्रथम महिला नेता दुर्गाबाई देशमुख का जन्म हुआ। 1909: महाराष्ट्र कांग्रेस कमिटी की कार्यकारिणी के सदस्य और बम्बई विधानसभा के सदस्य गणपतराव देवजी तापसे का जन्म हुआ था। 1910: एमिल क्रेपलिन ने एलॉइस अल्जाइमर के नाम पर अल्जाइमर बीमारी का नाम दिया। 1912: भारतीय सेना के उच्च अधिकारी मोहम्मद उस्मान का जन्म हुआ था। वह भारत और पाकिस्तान के प्रथम युद्ध में शहीद हुए थे। 1916: बोइंग जो दुनिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनी है, आज ही के दिन शुरू हुई थी।

संयुक्त परिवार से एकल परिवार तक: क्या भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति खो रहा है?

कैलाश चन्द्र

संयुक्त परिवार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसमें बच्चे केवल अपने माता-पिता के साथ नहीं, बल्कि भाई-बहनों, चचेरे-ममेरे भाई-बहनों, दादा-दादी तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते हुए जीवन जीना सीखते हैं। जब तीन-चार बच्चे एक साथ खेलते हैं, साथ बैठकर भोजन करते हैं, अपने खिलौने और वस्तुएँ बाँटते हैं, छोटे-बड़े का ध्यान रखते हैं और छोटी-छोटी बातों पर रूठते-मनाते हैं, तब उनके भीतर बिना किसी औपचारिक शिक्षा के सामाजिक जीवन के संस्कार विकसित होने लगते हैं। वे समझते हैं कि जीवन केवल अपनी इच्छाओं की पूर्ति का नाम नहीं, बल्कि दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने का भी नाम है। परिवार उन्हें सहयोग, सहिष्णुता, त्याग, धैर्य, अनुशासन, साझेदारी और परस्पर उत्तरदायित्व का व्यावहारिक प्रशिक्षण देता है। इसी वातावरण में परस्पर स्नेह, आत्मीयता, अपनापन और एक-दूसरे का सहारा बनने की भावना स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। मिलकर रहना, मिलकर काम करना, बाँटकर खाना और सुख-दुःख में साथ खड़ा रहना केवल नैतिक उपदेश नहीं रह जाते, बल्कि दैनिक जीवन का सहज व्यवहार बन जाते हैं। यही अनुभव आगे चलकर सामाजिक समरसता, सद्भाव, सह-अस्तित्व और राष्ट्रीय एकात्मता की आधारशिला बनते हैं। इस दृष्टि से परिवार वास्तव में समाज की पहली पाठशाला है, जहाँ अच्छे नागरिक ही नहीं, संवेदनशील और उत्तरदायी मनुष्य भी तैयार होते हैं।

भारत की सभ्यता को यदि कुछ शब्दों में समझाना हो तो कहा जा सकता है कि यह केवल भूगोल, राजसत्ता या अर्थव्यवस्था से निर्मित राष्ट्र नहीं है; यह परिवार, परंपरा, संस्कार और पीढ़ियों की निरंतरता से बनी हुई जीवन-व्यवस्था है। भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसका परिवार रहा है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित इकाई नहीं, बल्कि वह संस्था है जिसमें जीवन के मूल्य, आचरण की मर्यादा, संबंधों का अनुशासन, कर्तव्य की भावना, त्याग की परंपरा और संस्कृति की धारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रवाहित होती रही है। यही कारण है कि भारतीय परिवार व्यवस्था को केवल सामाजिक ढाँचा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का जीवंत आधार माना गया है।

आज यह आधार एक गंभीर संक्रमण से गुजर रहा है। संयुक्त परिवारों का स्थान तेजी से एकल परिवार लेते जा रहे हैं। शहरीकरण, रोजगार, उपभोक्तावादी जीवन-दृष्टि, निजी स्वतंत्रता की बढ़ती आकांक्षा और बदलती जीवन-शैली ने परिवार की संरचना को बदल दिया है। यह परिवर्तन केवल रहने की व्यवस्था का परिवर्तन नहीं है; यह भारतीय समाज की आत्मा, उसकी सांस्कृतिक निरंतरता और पीढ़ियों के बीच जीवित संवाद पर भी गहरा प्रभाव डाल रहा है। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं है कि संयुक्त परिवार बेहतर है या एकल परिवार, बल्कि यह है कि क्या भारत अपनी परिवार-केन्द्रित सांस्कृतिक शक्ति को खोता जा रहा है?

भारतीय परंपरा में संयुक्त परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं था। वह जीवन की सामूहिक साधना थी। उसमें दादा-दादी का अनुभव, माता-पिता का परिश्रम, चाचा-चाची का सहयोग, भाई-बहनों का स्नेह और बच्चों की किलकारियाँ मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करते थे जिसमें व्यक्ति अकेला नहीं पड़ता था। जीवन की कठिनाइयाँ साझा होती थीं, सुख-दुःख का भार बँटता था, निर्णयों में अनुभव का संतुलन होता था और बच्चों को स्वाभाविक रूप से अनेक संबंधों के बीच जीना सीखने का अवसर मिलता था। संयुक्त परिवार व्यक्ति को यह सिखाता था कि जीवन केवल अधिकारों का नाम नहीं, बल्कि दायित्व, अनुशासन और सहअस्तित्व का भी नाम है। इसके विपरीत एकल

परिवार आधुनिक जीवन की अनिवार्यता के रूप में सामने आया। नौकरी, स्थानांतरण, महानगरीय जीवन, सीमित संसाधन और निजी जीवन की बढ़ती चाह ने इसे सामान्य बना दिया। यह स्वीकार करना होगा कि एकल परिवार के अपने कुछ व्यावहारिक लाभ हैं। उसमें निर्णय लेने की सुविधा होती है, निजता अधिक होती है, आर्थिक प्रबंधन सरल होता है और पारिवारिक हस्तक्षेप अपेक्षाकृत कम होता है। परंतु यही एकल परिवार जब भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से कट जाता है, तब वह सुविधा का ढाँचा तो बनता है, लेकिन संस्कार का केंद्र नहीं रह पाता। परिणामस्वरूप पति-पत्नी पर मानसिक और आर्थिक दबाव बढ़ता है, बच्चों का सामाजिक और भावनात्मक विकास सीमित होता है, और बुजुर्ग जीवन के सबसे संवेदनशील काल में अकेलेपन और उपेक्षा का सामना करते हैं।

यहीं भारतीय परिवार व्यवस्था की सांस्कृतिक शक्ति का प्रश्न सबसे महत्त्वपूर्ण हो जाता है। भारतीय परिवार की असली शक्ति उसकी संख्या या आकार में नहीं, बल्कि उसके संस्कार-तंत्र में रही है। यह परिवार ही था जिसने बच्चे को बोलना और चलना ही नहीं, बल्कि बड़ों का सम्मान करना, छोटे का संरक्षण करना, अतिथि का आदर करना, भोजन को प्रसाद की दृष्टि से देखना, पर्व-त्योहारों के माध्यम से सामूहिकता जीना, संकट में धैर्य रखना और व्यक्तिगत इच्छा से ऊपर परिवार के हित को रखना सिखाया। भारत में विद्यालय ज्ञान दे सकता है, राज्य अधिकार दे सकता है, बाज़ार सुविधा दे सकता है; पर चरित्र, संवेदना और सांस्कृतिक आत्मा देने का कार्य मुख्यतः परिवार ही करता है। भारतीय परिवार की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उसने पीढ़ियों के बीच संबंधों को केवल जैविक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक संबंध के रूप में देखा। दादा-दादी और नाना-नानी केवल घर के बुजुर्ग नहीं होते थे; वे परिवार की स्मृति, अनुभव, लोकज्ञान, धार्मिक आस्था और जीवन-व्यवहार के जीवंत स्रोत होते थे। माता-पिता वर्तमान के संघर्ष और उत्तरदायित्व के प्रतीक होते थे। बच्चे भविष्य की संभावना होते थे। जब ये तीनों पीढ़ियाँ एक सूत्र में बंधी रहती थीं, तब परिवार केवल निवास नहीं रहता था, वह एक जीवित परंपरा बन जाता था। आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि पीढ़ियों के बीच संवाद का तंतु टूट रहा है। बच्चे डिजिटल संसार में अधिक हैं, युवा पीढ़ी रोजगार और प्रतिस्पर्धा के दबाव में है, और बुजुर्ग अक्सर उस घर में भी अप्रासंगिक बना दिए जाते हैं जिसे उन्होंने खड़ा किया।

परिवारों में साथ बैठने की परंपरा घट रही है, साझा भोजन दुर्लभ होता जा रहा है, घरों से कथा, संस्कार और पारिवारिक स्मृति का स्वर मंद पड़ रहा है। इसका परिणाम केवल इतना नहीं कि बुजुर्ग अकेले हो रहे हैं; इससे अगली पीढ़ी अपनी जड़ों, अपनी सांस्कृतिक स्मृति और अपने जीवन-मूल्यों से भी कटती जा रही है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि संयुक्त परिवार का अंध-रोमानीकरण भी उचित नहीं है। हर संयुक्त परिवार आदर्श नहीं था, और हर एकल परिवार विफल नहीं है। संयुक्त परिवारों में भी संपत्ति-विवाद, हस्तक्षेप, असमानता और तनाव रहे हैं। दूसरी ओर अनेक एकल परिवार ऐसे हैं जो अत्यंत सुसंस्कृत, संवेदनशील और पारिवारिक मूल्यों से समृद्ध हैं। इसलिए मूल प्रश्न परिवार की संरचना का नहीं, परिवार के आत्मतत्व रूपी भावना का है। यदि संयुक्त परिवार में प्रेम, सम्मान, दायित्व और संवाद नहीं है, तो वह केवल भीड़ है; और यदि एकल परिवार में भी बड़ों के प्रति आदर, रिश्तों के प्रति प्रतिबद्धता, बच्चों के प्रति संस्कार और विस्तृत परिवार से जीवंत जुड़ाव है, तो वह भारतीय परिवार की मूल चेतना को बचाए रख सकता है।

यूके व्यापार समझौते से प्रत्येक भारतीय के लिए बड़े अवसर खुलेंगे

पीयूष गोयल
केन्द्रीय मंत्री

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा। इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों, मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता' (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है। यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है और यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार- अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा। इससे भारतीय निर्माताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी।

व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230त्न बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी। पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है, लगभग 99% टैरिफलाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा। इसमें लगभग 100% व्यापार मूल्य शामिल है, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेज़ी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे। युवा सोच, वैश्विक अवसर यह जन-केंद्रित एफ्टीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है। 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है। भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से

भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा।

रोज़गार के अवसर - युवाओं को रोज़गार के ज़्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे। कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके, सीईटीए भारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें। सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीए के साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है।

कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर उगाएं, वैश्विक स्तर पर बेचें - भारतीय किसानों को 37.5 बिलियन डॉलर के ब्रिटेन के बाजार तक आसान पहुंच से फायदा होगा। इससे भारतीय डेयरी उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों, फलों, सब्जियों, फलों के रस, मांस और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूके के लगभग 95% कृषि आयात भारत के लिए शुल्क- मुक्त होंगे। इस विशाल बाजार में निर्यात तीन वर्षों में 50% तक बढ़ सकता है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समझौते में डेयरी, सब्जियां, सेब, खाद्य तेल, जई (ओट्स), मोटे अनाज, कुकिंग ऑयल और अन्य जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी सुरक्षा दी गई है और इन्हें संवेदनशील सूची में रखा गया है।

इन वस्तुओं पर ब्रिटेन को कोई सीमा-शुल्क छूट नहीं दी गई है। ये अपवाद मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषि समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को दर्शाते हैं। एसएमई स्थानीय प्रयास, वैश्विक ताकत पीएम मोदी ने हमेशा से भारत के लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को उच्च प्राथमिकता दी है। सीईटीए में महत्वपूर्ण एसएमई क्षेत्र की मदद के लिए एक विशेष अध्याय है, 2024-25 में भारत के कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.8% थी। सीईटीए कई प्रमुख प्रावधानों के साथ एसएमई की मदद करेगा, जैसे तेज सीमा-शुल्क प्रक्रिया, डिजिटल प्रणालियों और दस्तावेज रहित व्यापार को मान्यता देने और सुविधाजनक बनाने के समझौते।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

इतना बदनसीब हूँ कि रो भी नहीं सकता घर का चराग हूँ न खो भी नहीं सकता दरक रही हैं दीवारें अब मेरे भी वजूद की मैं अपने आप को और ढो भी नहीं सकता इस कदर उजड़ गई मेरी बगिया क्या कहूँ मैं फिर से कोई ख्वाब बो भी नहीं सकता गले लग के उसने विदा किया था मुझको अब उस छुअन को.....धो भी नहीं सकता जाते-जाते वो मेरी ऑंखें ले गई तोहफे में नींद आती है मगर...मैं सो भी नहीं सकता अजीब क़ैद में गुज़र रही है जिंदगी 'वंदन' आज़ाद होकर खामोश हो भी नहीं सकता ।। - **मनीष सिंह वंदन**

अब कहीं दिल लगाऊँ गँवारा नहीं, काठ की हांडी चढ़ती दुबारा नहीं। उम्र भर जिसको अपना समझते रहे, वक़्त ने कह दिया, वो हमारा नहीं। वो उतरने को था शीशा-ए-दिल में बस, ये अलग बात, हमने उतारा नहीं। - **रूबी झा 'कमल'**

बढ़ रहा है फैशन संस्कार कहाँ बच पायेगा कपड़े हो गए हैं छोटे व्यवहार कहाँ टिक पायेगा पैसे का बोलबाला है इंसान कहाँ ठहर पायेगा अनैतिकता हो गयी है हावी आबरू कौन बचा पायेगा जघन्य अपराध का जमाना है सुरक्षित कौन रह पायेगा बदल रहा है संसार जीवन कैसे बच पायेगा। - **प्रियंका प्रियदर्शिनी**

सोचती हूँ कितने मन से बंधे होने के बाद कितने मन को खुश करने के बाद जब कभी अपने मन को समझा तो पाया मैंने खुद को ही भूलें रहें.. कितने मन से उलझने के बाद अपने मन से बहुत लापरवाह रहे ढूंढ ही लिया अपने एहसासों को तो मैंने जाना खुशी से जीना कि सादगी के अंदाज़ में मैंने पाया खुद को..!!- **नंदिता तनूजा**

चलती फिरती लाशें देखीं हमने खूब कमाती लाशे देखी जिस्म छोड़ गई जब साथ अपनी तेरहवीं पर ठठाकर हंसती लाशे देखीं हमने मुक्त हुई अब दुनिया से अपनी मौत पर घड़ियालों को आंसू बहाते देखीं जमाने के इस अदा पर अचरज से आंखे फाड़ती लाशें देखीं चलती फिरती लाशें देखी जीती जागती लाशें देखी क्या क्या बतलाऊं कैसे कैसे मरती लाशें देखी मैंने औरत कहती थी दुनिया उसको हमने तो उनमें बिना ह्रदय के घूंघट ओढ़े नंगी पुंगी जिंदा लाशें देखी चलती फिरती। - **प्रीति श्रीवास्तव**

हो गया है आदमी क्यूँ आजकल शैतान है चंद पैसों के लिए ये बेचता ईमान है ये लगाकर आग नफ़रत की जलाता बस्तियाँ है खड़ा किस मोड़ पर अब देखिए इंसान है संग दिल है आदमी , इसका पिघलता दिल नहीं खेलता है खून की होली , ये लेता जान है झूट ओ मक्कारियों में है बहुत डूबा हुआ क्यूँ समझता है नहीं दुनिया में ये मेहमान है।

- **'ऐनुल' बरौलवी**

थें वही रास्ते थें वही ठिकाने जहाँ कभी हम साथ चला करते थे कल भी था वही रास्ता और ठिकाना भी वही था लेकिन थे हम नहीं बस मैं था अकेला मन ने रोका तो बहुत था कि मैं उस रास्ते पर न चलूँ मगर दिल माना नहीं कहने लगा भले आदमी चल कर तो देख वो न सही उनके क़दमों के निशान तो मिलेंगे और मैं बस निकल पड़ा चलते- चलते बरस पड़ा बादल नहीं, मेरा दिल और उथली झील अपने लबों तक आ पहुँची।

- **रामकिशोर उपाध्याय**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज दिन के आरंभिक भाग में सेहत चुस्त रहेगी लेकिन मन मे कोई चिंता भी बनी रहेगी। आज प्रत्येक कार्य दूरदृष्टि रखकर ही करना हितकर रहेगा।

वृष: आज के दिन का आरंभ शांति प्रद रहेगा लेकिन जैसे जैसे दिन चढ़ेगा घरेलू एवं व्यावसायिक उलझने भी बढ़ती जाएंगी। आपका स्वभाव दिन के आरंभ में अत्यंत स्वार्थी रहेगा।

मिथुन: आज दिन आरम्भ में आपके स्वभाव में आलस्य भरा रहेगा कार्य एकदम सर पर आने पर ही करेंगे सेहत लगभग सामान्य रहने के बाद भी कार्य करने का उत्साह नही बन पाएगा।

कर्क: आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। सेहत छोटी मोटी बातो को छोड़ लगभग सामान्य ही रहेगी स्वास्थ्य की चिंता भी आज कम ही करेंगे। आज आपका मन दो तरफ रहने से भ्रम की स्थिति बनेगी।

सिंह: आज का दिन आपके लिए मिला जुला फल देगा सेहत आज ठीक ठाक ही रहेगी आर्थिक विषयो की परवाह भी आज कम ही करेंगे।

कन्या: आज का दिन आपके लिये बीते दिनों से अच्छा रहने वाला है लेकिन आज आपका स्वभाव पल पल में बदलने से आसपास का वातावरण भी कभी प्रसन्न कभी उदास बनेगा।

तुला: आज का दिन आपका भविष्य बनाने में सहयोग करेगा सेहत में आज कल की अपेक्षा सुधार अनुभव होगा लेकिन चुस्ती की कमी दिन के आरंभ में रहेगी।

वृश्चिक: आज दिन के आरंभिक भाग में सेहत प्रतिकूल रहेगी छाती से निचले हिस्से में गड़बड़ रहने के कारण मानसिक तनाव बनेगा। यात्रा से कोई लाभ नही मिलने वाला सम्भव हो तो टाले।

धनु: आज का दिन बीते दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है लेकिन इसको बेहतर बनाने के लिये दिन के आरम्भ से ही स्वभाव में नरमी और जिद को त्यागना पड़ेगा।

मकर: आज दिन के आरंभिक भाग में पेट संबंधित समस्या परेशान करेगी पूर्व में बरती अनियमितता के कारण आज मध्यान तक सेहत में उतार चढ़ाव लगा रहेगा इसके बाद भी स्थिति यथावत बनी रहेगी।

कुंभ: आज के दिन आप मन ही मन किसी बात को लेकर चिंतित रहेंगे लेकिन अन्य लोगो के लिये अच्छे मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। यात्रा की योजना बनते बनते अंत समय मे टल सकती है।

मीन: आज दिन के आरंभिक भाग में आर्थिक एवं पारिवारिक कारणों से मन मे बेचैनी बानी रहेगी।

QUIZ TIME

1. रात के समय आवासीय क्षेत्र में शोर का अनुमानित स्तर कितना होता है?
2. राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान कहाँ अवस्थित है?
3. 'कारतूस' कौन-सी भाषा का शब्द है?
4. 'दही' शब्द का लिंग निर्धारण कीजिए:
5. आयुश शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में कौन.सा पदक जीता?

उत्तरमाला- (1) 45 डेसिबल (2) हैदराबाद (3) तुर्की (4) पुल्लिंग (5) रजत पदक

RamaQuiz

पहेली

शब्द सामर्थ्य -099

बाएं से दाएं
1. सम्मति, रज़ामा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सलाद, 'लैटस' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे
1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच पड़ताल 3. नोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थित प्रसिद्ध जेल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 098 का हल

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष बने मनोज खरे

गरियाबंद/नवप्रदेश। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 भारत के छत्तीसगढ़ ईकाई में गरियबांद जिला अध्यक्ष पद पर मनोज खरे गरियाबंद (नवागढ़) मनोनीत किया गया है, छ.ग. के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने उक्त जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी । उन्होंने मनोज खरे के जिला दायित्व देते कहा कि आशा और विश्वास है कि आप संगठन को मजबूत करने में एवं संगठन के विचारधार और भगवान चित्रगुप्त जी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में तन-मन-धन के साथ कार्य करेंगे । अखिल भारतीय कायस्थ महासभा छ.ग. प्रदेश संगठन को मजबूर करेगें ।

तीन प्रकरणों में 80 लीटर महुआ दारू सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

■ **गांजा की बड़ी खेप पर कारवाई के बाद देवभोग पुलिस की दूसरी बड़ी कारवाई**

देवभोग/नवप्रदेश। गरियाबंद एसपी वेदव्रत सिरमौर के निर्देश के बाद जिलेभर में मादक पदार्थों व द्रव्यों पर अभियान चलाकर लगातार कारवाई चल रही है।इसी बीच देवभोग पुलिस ने 35 किलो गांजा के बड़े खेप पर कारवाई के बाद 12और 13 जुलाई को 02अलग अलग स्थानों पर जांच पाइंट तय कर आबकारी के 03 प्रकरण तैयार किये है तीनों प्रकरणों में कुल 80 लीटर अवैध शराब सहित इस कार्य में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल जप्त किये है। मादक पदार्थों व द्रव्यों पर पुलिस की कड़ी निगरानी और मजबूत सूचना तंत्र के चलते जिलेभर में आये दिन अवैध गांजा अवैध शराब पर लगातार कारवाई हो रही है फिर भी अवैध कारोबारी इस काम को अंजाम देने पर तुले हैं।

30 लीटर कच्ची महुआ दारू 250 लाल घोड़ा पाऊच को मिलाकर 16 हजार का अवैध शराब जप्त : देवभोग पुलिस ने 03 प्रकरणों में जिस 80 लीटर अवैध शराब को जप्त किया है उसमें 30 लीटर कच्ची महुआ शराब और ओडिशा निर्मित लाल घोड़ा के 250 पाऊच शामिल हैं पकड़ाये गये अवैध शराब के बाजारू कीमत की बात करें तो कुल जुमला 16 हजार किस्मत के हैं इसके अतिरिक्त दो दुपहिया वाहन भी जप्त किये है इस प्रकार देवभोग पुलिस ने आरोपियों के पास से 56 हजार के सामग्री जप्त किये है।

दो आरोपी झरगांव के एक झाखरपारा का रहने वाला

डोंगरीगुडा चेकिंग पाइंट पर जिन दो आरोपीयों पर कारवाई हुयी उसमें झरगांव के नारायण कुमार ध्रुव पिता महेन्द्र प्रताप से 15 लीटर और भूपेंद्र पाथर पिता भेगसिंह से 15 लीटर कच्ची महुआ शराब और एक मोटरसाइकिल जप्त किया तो वहीं अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट खुटगांव चेकिंग पाइंट में 250 पाऊच और मोटरसाइकिल सहित झाखरपारा के अरविंद यादव पिता सोहन यादव को गिरफ्तार किया है।

पुलिस दो जगह पर लगाया चेकिंग पाइंट

देवभोग पुलिस को अपने मुखबिर से सूचना मिली शराब के अवैध कारोबारी इस कारोबार को अंजाम देने वाले हैं डोंगरीगुडा और अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट खुटगांव को चेकिंग पाइंट बनाया जिसमें डोंगरीगुडा चेकिंग पाइंट पर 15 -15 लीटर कच्ची महुआ शराब और खुटगांव चेकिंग पाइंट पर ओडिशा निर्मित लाल घोड़ा के 250 पाऊच (50 लीटर) को जप्त किया है।

खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने किया पौधरोपण

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र के दौरान आयोजित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने विधानसभा परिसर में अपनी माता श्रीमती देवकी देवी के नाम पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कहा कि ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ केवल पौधरोपण का अभियान नहीं, बल्कि माताओं के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और प्रकृति संरक्षण का एक भावनात्मक संकल्प है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मां जीवन का आधार होती है, उसी प्रकार वृक्ष भी मानव जीवन और पर्यावरण के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपनी माता के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए जनभागीदारी के साथ व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण आवश्यक है।

गड़बड़ी: महासमुंद मेडिकल कॉलेज में सरकारी वाहन के इस्तेमाल पर उठे गंभीर सवाल

80 लीटर की पात्रता, 1145 लीटर की खपत!

■ **मेडिकल कॉलेज में सरकारी वाहन पर 'डीजल का खेल'**

महासमुंद/नवप्रदेश। शासकीय मेडिकल कॉलेज एक बार फिर वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर सवालों के घेरे में है। सरकारी अभिलेखों के आधार पर सामने आए दस्तावेजों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि मेडिकल कॉलेज की डीन को शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए सरकारी वाहन के संचालन में निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया तथा सरकारी धन से निर्धारित सीमा से कहीं अधिक डीजल खर्च किया गया।

दस्तावेजों के अनुसार मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. रेणुका गहिने को शासन द्वारा स्विफ्ट डिजायर कार (क्रमांक सीजी - 02-एयू-1763) आवंटित की गई है। इस वाहन के संचालन के लिए शासन ने प्रतिमाह 80 लीटर डीजल की पात्रता निर्धारित की है। इस हिसाब से जनवरी 2025 से फरवरी 2026 तक की 11 माह की अवधि में अधिकतम 880 लीटर डीजल की खपत स्वाभाविक मानी जाती है। लेकिन उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार इसी अवधि में वाहन में 1145 लीटर डीजल भराया गया, जो निर्धारित सीमा से 265 लीटर अधिक है। सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज यह अंतर अब कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर अतिरिक्त डीजल किस आधार पर स्वीकृत हुआ और उसका उपयोग किन सरकारी कार्यों अथवा यात्राओं में किया गया।

डीन का कार्यक्षेत्र परिसर तक, फिर अतिरिक्त ईंधन क्यों?

मामले को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि मेडिकल कॉलेज के डीन का नियमित कार्यक्षेत्र मुख्यत: संस्थान परिसर तक सीमित रहता है। बाहरी दौरों की कोई नियमित अनिवार्यता नहीं होती। इतना ही नहीं, डीन के लिए शासन द्वारा आवंटित सरकारी आवास भी मेडिकल कॉलेज परिसर से बेहद कम दूरी पर स्थित है। ऐसे में हर माह निर्धारित सीमा से अधिक डीजल की खपत प्रशासनिक जवाबदेही और वित्तीय नियंत्रण पर सवाल खड़े करती है।

मेडिकल कॉलेज में व्यापक भ्रष्टाचार हो रहा है। बहुत सारे भ्रष्टाचार के मामले में ध्यानाकर्षण में लगया है। केन्द्र से लेकर राज्यों में सिर्फचोरियां ही हो रही है। राम मंदिर में चोरी, वोट की चोरी, नीट में चोरी, अब मेडिकल कॉलेज में डीजल की चोरी हो रही है। निश्चित रूप से इस पर कार्रवाई की मांग करता हूं। पूर्व मामले में डीन के खिलाफ स्वास्थ्य सचिव से भी किया गया है।

– **द्वारिकाधीश यादव**, विधायक खल्लारी एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष, महासमुंद

रायपुर तक निजी आवागमन की चर्चा

सूत्रों के अनुसार लंबे समय से यह चर्चा रही है कि सरकारी वाहन का उपयोग निजी आवागमन, विशेषकर रायपुर आने-जाने के लिए किया जाता रहा है। यदि जांच में यह तथ्य सही पाया जाता है तो यह सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और वित्तीय अनुशासन के उल्लंघन का मामला बन सकता है। हालांकि इस संबंध में अब तक मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

जिम्मेदार अधिकारियों ने साधी चुप्पी

मामले में पक्ष जानने के लिए संवाददाता ने मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. रेणुका गहिने से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने इस विषय पर कोई टिप्पणी करने से साफइनकार कर दिया। वहीं वाहन प्रभारी डॉ. विवेक साहू से भी संपर्क किया गया, किंतु उन्होंने भी कोई स्पष्ट जानकारी देने से परहेज किया। दोनों जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी ने पूरे मामले को और अधिक संदेहास्पद बना दिया है। यदि ईंधन की अतिरिक्त खपत नियमानुसार हुई है तो उसका पूरा रिकॉर्ड और कारण सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

निष्पक्ष जांच की उठी मांग

सरकारी धन से संचालित संस्थानों में वित्तीय पारदर्शिता, जवाबदेही और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग की अपेक्षा की जाती है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज से जुड़े इस पूरे प्रकरण में प्रशासनिक स्तर पर वस्तुस्थिति स्पष्ट होना आवश्यक है। यदि दस्तावेजों में दर्ज तथ्यों में किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए तथा सरकारी धन के दुरुपयोग की स्थिति में नियमानुसार राशि की वसूली भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उठ रहे हैं ये बड़े सवाल

जब प्रतिमाह 80 लीटर डीजल की सीमा निर्धारित है, तब 11 माह में 1145 लीटर डीजल किस अनुमति से खर्च किया गया? निर्धारित सीमा से 265 लीटर अतिरिक्त डीजल की स्वीकृति किस अधिकारी ने दी?

न्यूज गैलरी

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर धारदार चाकू लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को 13 जुलाई को सूचना मिली थी कि ओम अस्पताल के पास ब्लॉक कॉलोनी निवासी अतुल प्रधान (22) आम रास्ते में चाकू लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चाकू जब्त किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

अवैध गोवंश परिवहन में अज्ञात के खिलाफ मामला

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना पुलिस ने मवेशियों के अवैध परिवहन के मामले में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 12 जुलाई को सूचना मिली कि वाहन क्रमांक सीजी 09 जेबी 5574 में गोवंश को क्रूरतापूर्वक भरकर ले जाया गया था और चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दो गोवंश को बरामद किया। मामले की रिपोर्ट गोसेवा आयोग, बसना विकासखंड के अध्यक्ष नंदकिशन साव ने दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

जमीन विवाद में मारपीट, दो के खिलाफ केस

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम रेमड़ा में जमीन विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक 9 जुलाई को छेदीलाल परमार अपने साथी गोवर्धन बारिक के साथ बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव में नवीन बाघ के घर के पास नवीन बाघ और प्रवीण बाघ की पत्नी अनीता बाघ ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और मारपीट की। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 296 एवं 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है।

बाइक से गिरने के बाद युवक से मारपीट

महासमुंद/नवप्रदेश। सिटी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बेलसोंडा में सड़क दुर्घटना के बाद मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार 12 जुलाई की शाम गैंदलाल चंद्राकर बाइक से घर जा रहा था। इसी दौरान गौरव जांगड़े ने अपनी बाइक उसकी ओर मोड़ दी, जिससे दोनों वाहन सवार गिर पड़े। आरोप है कि इसके बाद गौरव ने गैंदलाल के साथ मारपीट की, गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296 एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

गायत्री मंदिर में पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक सम्पन्न

भाटापारा/नवप्रदेश। स्थानीय गायत्री मंदिर में पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक सगठन के संरक्षक भंवर सिंह साहू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। लगभग दो माह हुई बैठक में लगभग तीस सदस्य उपस्थित थे। बैठक में नए सदस्य भुवन लाल साहू का श्री फल भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। डाक्टर वीणा साहू ने एक मधुर प्रेरणा गीत प्रस्तुत कर संगठन के प्रांतीय गतिविधियों की जानकारी दी। संरक्षक भंवर सिंह साहू ने कहा कि डॉ खुमान सिंह वर्मा का अध्यक्षीय कार्यकाल आगामी ग्यारह अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। इसलिए ग्यारह अक्टूबर को ही नया अध्यक्ष का चुनाव हौंगा। उन्होंने आगे बताया कि एसोसिएशन की बैठक अगस्त में पंद्रह अगस्त, सितंबर में पांच सितम्बर, अक्टूबर में ग्यारह अक्टूबर और नवम्बर में ग्यारह नवंबर को दीपावली मिलन के रूप में बैठक होगी। श्री साहू ने बताया कि आगामी 20 जुलाई को रायपुर के मंत्रालय के समक्ष एसोसिएशन का जंगी प्रदर्शन होगा।जिसकी प्रमुख माग चिकित्सा सुविधा के रूप में प्रति माह एक हजार रुपए पेंशन कै साथ जोड़कर पेंशनरों को भुगतना किया जाये। बैठक का सफल संचालन भागवत दैव दास ने किया। आभार प्रदर्शन संगठन के अध्यक्ष डाक्टर खुमान सिंह वर्मा ने किया।

चंडी मंदिर की पहाड़ी पर आधी रात जुए की महफिल पर पुलिस का धावा

■ **12 जुआरी गिरफ्तार, 4 फरार, 20.35 लाख रुपए का नगदी, वाहन और सामान जब्त**

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में जुए के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बागबाहरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम घुचापाली स्थित चंडी मंदिर के पीछे पहाड़ी जंगल में संचालित जुए के अड्डे पर दबिश देकर 12 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान चार आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग निकले। पुलिस ने मौके से नगदी, ताश, मोबाइल, कार, मोटरसाइकिल, स्कूटी समेत कुल 20 लाख 35 हजार 100 रुपये का मशरूका जब्त किया है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम घुचापाली के चंडी मंदिर के पीछे पहाड़ी क्षेत्र में कुछ लोग बड़े पैमाने पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर ताश के पत्तों से हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर मौके पर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर जुआरियों में अफरा-तफरी मच गई। अंधेरे का लाभ उठाकर चार आरोपी भाग निकले, जबकि 12 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3,60,100 रुपये नकद, 52 पत्ती ताश, 9 बंडल ताश, एक दरी, एक सीएफएल बल्ब, विभिन्न कंपनियों के 14 मोबाइल फोन, दो चारपहिया वाहन, चार मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की। जब्त मशरूका की कुल कीमत 20,35,100 रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 124/26 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2), छोटे संगठित अपराध की धारा 112 तथा बीएनएसएस के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। न्यायालय में पेश करने के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। वहीं फरार चार आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने बताया कि पिछले एक सप्ताह के भीतर जुआ एक्ट के तहत यह चौथी बड़ी कार्रवाई है।

गिरफ्तार आरोपी

भूमीलाल पटेल (45), वार्ड क्रमांक-6, पटेवा
संतोष चंद्राकर (55), वार्ड क्रमांक-12, बागबाहरा
विनय पटेल (41), जोगीडीपा, थाना पटेवा
ललित कुमार निषाद, सिंघनपुर, थाना पटेवा
रामाकांत शुक्ला (36), ग्राम बलपुर, थाना पटेवा
गुड्डा साहू (40), घुचापाली, थाना बागबाहरा
रामलाल निषाद (42), जमगांव, थाना बागबाहरा
कृष्णा कनेश्वरिया (35), आलापी
संदेश पटेल (50), मधुबन, थाना पटेवा
कादिर खान (38), कोमाखान
केशव देवांगन (37), जोगीडीपा, थाना पटेवा
हेमराज जैन (37), कोमाखान

सीसीटीवी, तकनीकी जांच और मुखबिर तंत्र से तीन चर्चित चोरीकांड का खुलासा

■ **अंतरराज्यीय गिरोह समेत 12 आरोपी गिरफ्तार**

महासमुंद/नवप्रदेश। महासमुंद पुलिस ने जिले में हुई तीन बड़ी चोरी और नकबजनी की वारदातों का पर्दाफाश करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह सहित कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की मदद से इन मामलों का खुलासा करते हुए आरोपियों के कब्जे से सोना-चांदी के आभूषण, नकदी, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल, डीवीआर सहित 20 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति बरामद की है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार आरोपी छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश में भी कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं, जबकि कुछ फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

पहला मामला शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का है, जहां 18 मई 2026 की रात सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोना-चांदी के जेवर, नकदी, डीवीआर और सीसीटीवी उपकरण चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें संदिग्धों की गतिविधियां कैद हुईं। तकनीकी जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के डोला क्षेत्र में दबिश देकर अंतरराज्यीय चोरी गिरोह के चार सदस्यों–मिथिलेश उर्फ पक्के, रोशन मरावी, पंकज सिंह मरावी और राजा सिंह धुर्वे–को गिरफ्तार किया। आरोपियों से चांदी के जेवर, पांच मोबाइल, दो मोटरसाइकिल, डीवीआर सहित 1 लाख 66 हजार 700 रुपये की संपत्ति बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने महासमुंद की दो चोरी की घटनाओं सहित कोरबा और अन्य जिलों में भी वारदात करना स्वीकार किया है। गिरोह के दो सदस्य सोहेल उर्फ क्रमश और विजय उर्फ बुक्का अभी फरार हैं।

दूसरा खुलासा तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अघोली में चार माह पहले हुई लाखों रुपये की चोरी का हुआ। पुलिस ने गांव के ही राहुल उर्फ भंडारा साहू (25) को गिरफ्तार किया। आरोपी ने परिवार के विवाह समारोह में बाहर जाने का फायदा उठाकर ग्राइंडर से मुख्य गेट का ताला काटा, अलमारी तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और नकदी पार कर दी थी। जांच के दौरान आरोपी की अचानक बदली जीवनशैली और खर्च करने के तरीके ने पुलिस का संदेह बढ़ाया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर विभिन्न स्थानों से 7 लाख 26 हजार 940 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर, नकदी तथा चोरी में प्रयुक्त ग्राइंडर बरामद किया गया।

पहल: जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर ने दिखाई मानवता, हीरा बाई को अब नई जिंदगी की आस

गांव के तुगलकी फरमान से 50 वर्षीय हीराबाई की जिंदगी बेबस

देवभोग/नवप्रदेश। अंधविश्वास की धुंध आज भी ग्रामीण अंचलों में फैला हुआ है कई सामाजिक और ग्रामीण विकृतियां लोगों को परिवार से अलग और बेबस जिंदगी जीने को मजबूर कर देती है। ऐसी कुछ हकीकत गरियाबंद के धिंगियामुडा के 50 वर्षीय हीराबाई नेताम की है जिसे कई वर्षों तक परिवार से अलग थलग गांव के बहार रहने को मजबूर कर दिया था।

बेटों ने गांव के बहार खेत में झोपडी बनाकर छोड़ दिया था जैसे ही इस बात की सूचना क्षेत्र के युवा जिपं अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप को मिला देर ना करते मानवता का मिशाल बन कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग के बीएमओ प्रकाश साहू के साथ धिंगियामुडा पहुंच प्राथमिक इलाज कराने सीएचसी लेकर आ गये उनकी इस मानवता के मिशाल की क्षेत्र में जमकर चर्चा हो रही है।

दर्द और सूजन से कराहती जिंदगी की भीख मांगती अधेड़ महिला

दरअसल हीराबाई के पैर और हाथ में सूजन और इनफैक्शन इतना बढ़ गया था कि दर्द से कराहती हीराबाई नेताम आते जाते लोगों से जिंदगी की भीख मांगती थी। डाक्टर कहना है ये कोई अछूत बीमारी नहीं है इनफैक्शन के बढ़ने के कारण गैंगरीन की स्थिति है जिसका इलाज जरूरी है।वहीं जिपं अध्यक्ष कश्यप के दौरे के बाद रोग से पिडित हीराबाई में जिंदगी की नयी आस जगी है।

पीड़ित हीराबाई रायपुर मेकाहारा रेफर डाक्टरों ने पुष्टि की छूत बीमारी नहीं

जिपं अध्यक्ष के दौरे के बाद स्थानीय डाक्टरों की टीम ने ये स्पष्ट कर दिया की हीराबाई की रोग चुत की बीमारी नहीं है और यहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है डॉ.प्रकाश साहू का दावा है हीराबाई को असाध्य रोग नहीं है बल्कि उन्हें अच्छी इलाज की जरुरत है अच्छी इलाज को लेकर जिपं अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने भी कहा है वो हर संभव मदद करेंगे।

आखिर बेटे और पति ने क्यों गांव से अलग खेत में रहने छोड़ दिया?

हीराबाई रोग ग्रसित हो गयी तो एक तरफगांव? वालो के ताने तो दूसरी ओर सामाजिक कुरितियों की शिकार के कारण परिवार में पति नरसिंह नेताम और बेटा डिगनेश्वर भी समाज और गांव के तुगलकी फरमान में मजबूर होकर हीराबाई को गांव के बहार रखने को मजबूर हो गये।गांव? के लोग ये समझ बैठे कि रोग गांव में महामारी की तरह फ़ैल जायेगा और गांव में लोग इस योग से परेशान हो जायेंगे बस यही अंधविश्वास ने हीराबाई को परिवार और गांव से अलग कर दिया।

मेडिकल वेस्ट निस्तारण में ठेकेदार ने किया अनुबंध का उल्लंघन, एफआईआर और ब्लैकलिस्टिंग की उठी मांग

मणिकंचन केंद्र में नियम विरुद्ध बायो-मेडिकल वेस्ट डंप करने का आरोप

महासमुंद/नवप्रदेश। जिला चिकित्सालय सह संबद्ध शासकीय मेडिकल कॉलेज महासमुंद से निकलने वाले बायो-मेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। सामाजिक कार्यकर्ता पंकज साहू ने राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन एवं नगर पालिका सहित संबंधित अधिकारियों को शिकायत भेजकर एसएमएस वाटर वेस्ट एजेंसी के संचालक एवं ठेकेदार के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मेडिकल कॉलेज से बायो-मेडिकल वेस्ट को अनुबंध के अनुसार वैज्ञानिक तरीके से सिलतरा स्थित अधिकृत प्लांट में नष्ट किया जाना था, लेकिन ठेकेदार द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए लगातार नगर पालिका परिषद महासमुंद के मणिकंचन केंद्र में मेडिकल वेस्ट डंप किया जा रहा है। इससे न केवल अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन हुआ है, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि इस मामले को लेकर समाचार पत्रों में भी खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके बावजूद कथित तौर पर ठेकेदार ने नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों की आपत्ति को नजरअंदाज करते हुए जबरन मेडिकल वेस्ट का डंपिंग कार्य जारी रखा। इसे जनस्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ बताते हुए उन्होंने जिम्मेदार एजेंसी एवं संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

पंकज साहू ने अपनी शिकायत में राज्य के स्वास्थ्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के संचालक, महासमुंद कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला चिकित्सालय अधीक्षक तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी से एसएमएस वाटर वेस्ट एजेंसी का अनुबंध तत्काल निरस्त करने, एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने तथा जनस्वास्थ्य को खतरे में डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

कबीर जयंती पर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। मानिकपुरी पनिका समाज नगर विकास समिति, भाटापारा के तत्वावधान में कबीर जयंती के अवसर पर 18 एवं 19 जुलाई को दो दिवसीय प्रतिभा सम्मान एवं सामाजिक विभूतियों का अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम मंगल भवन, सरस्वती शिशु मंदिर, मंडी रोड, भाटापारा में संपन्न होगा।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस 18 जुलाई (शनिवार) को कबीर साहेब की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ होगा। इसके पश्चात वर्ष 2025-26 की 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों का भी सम्मान होगा। प्रातः 10 बजे भव्य चौका आरती (सात्विक यज्ञ) का आयोजन किया जाएगा तथा दोपहर बाद सम्मान समारोह और रात्रि में सामाजिक संगोष्ठी आयोजित होगी। द्वितीय दिवस 19 जुलाई (रविवार) को मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में समाज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभूतियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन की प्रस्तुति भी होगी। समिति के पदाधिकारियों ने समाज के सभी सदस्यों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। द्वितीय दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ चरण दास महंत नेता प्रतिपक्ष विधान सभा छत्तीसगढ़, भाटापारा विधायक इंद्र साव एवं अन्य अतिथि शामिल होंगे। उक्त जानकारी संरक्षक जी डी मानिकपुरी ने दी।

शाला प्रबंधन समिति के नए अध्यक्ष बने सुरेश पटेल, सर्वसम्मति से हुआ चयन

राजिम/नवप्रदेश। राजिम स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष पद के लिए नगर पालिका राजिम के सरल, सौम्य एवं लोकप्रिय पार्षद सुरेश पटेल का सर्वसम्मति से चयन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित बैठक में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से उपस्थित पालकों ने सर्वसम्मति से सुरेश पटेल को शाला प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना। उनके चयन पर उपस्थित पालकों ने विश्वास व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनके नेतृत्व में विद्यालय के शैक्षणिक विकास, विद्यार्थियों के हित तथा विद्यालय की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य होंगे।सुरेश पटेल के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। वहीं नगर के गणमान्य नागरिकों, पालकों तथा नगर पालिका परिवार ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी (छ्स्ह्र) एस.के. विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष पूर्णिमा चंद्राकर, सभापति आकाश सिंह राजपूत, भारत यादव, कुलेश्वर साहू, मंशाराम कुर्रे, पार्षदगण तुषार कदम, जुगु ठाकुर, टंकु सोनकर, अजय पटेल, रेखा कुलेश्वर साहू, उत्तम निषाद, आशीष पांडेय, ऋषि दुबे, मयंक सोनी सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश पटेल ने सभी पालकों एवं विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी के सहयोग से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे।

गुलाम मोहम्मद का निधन

भाटापारा/नवप्रदेश। स्थानीय सदर वार्ड निवासी हाजी मुहम्मद सफी चैहान के पौत्र व हाजी अब्दुल रशीद चैहान के पुत्र गुलाम मोहम्मद का इंतकाल हो गया है। उन्हे मुस्लिम कब्रिस्तान में सुपुर्देखाक किया गया। उनके निधन पर अनेक लोगो ने शोक प्रकट करते हुए श्रध्दांजलि अर्पित की है।

राजिम नगर पंचायत को मिला नगरपालिका का दर्जा, राजपत्र में आदेश प्रकाशित

■ विधायक रोहित साहू ने मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री का जताया आभार

गरियाबंद/नवप्रदेश। धर्मनगरी राजिम के इतिहास में आज का दिन सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया है। राजिम वासियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राजिम नगर पंचायत को नगरपालिका का दर्जा दे दिया गया है। इस संबंध में आधिकारिक आदेश छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है। इस राजपत्र प्रकाशन के साथ ही अब राजिम नगरपालिका परिषद आधिकारिक रूप से अस्तित्व में आ गई है। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद संपूर्ण राजिम नगर में उत्सव का माहौल है। स्थानीय निवासियों, जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

विधायक ने जताया सीएम और नगरीय प्रशासन मंत्री का आभार : राजिम विधानसभा के विधायक श्री रोहित साहू ने इस बड़ी सौगात के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का राजिम नगरवासियों की ओर से आभार जताया। विधायक साहू ने कहा कि यह निर्णय राजिम के चहुंमुखी विकास में मील का पत्थर साबित होगा। आज का दिन हम सभी राजिम वासियों के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक है। राजिम को नगरपालिका का दर्जा मिलना हमारे नगर के विकास को एक नई उड़ान देने की शुरुआत है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार सबका साथ सबका विकास के संकल्पों के साथ विकास की नई इबारत लिखी है,राजिम को नगरपालिका का दर्जा मिलना भाजपा की सरकार में ही संभव है। प्रदेश सरकार के ऐसे लोकहितकारी निर्णय से आज नई सौगात मिली है। मैं राजिम की जनता की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी और उपमुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव जी का कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने हमारी इस जनभावना को समझा और इसे धरातल पर उतारा। अब राजिम में बुनियादी सुविधाओं, सड़कों, स्वच्छता और अधोसंरचना का तेजी से विस्तार होगा। बजट का दायरा बढ़ेगा, जिससे हम राजिम को एक आधुनिक और सुविधायुक्त शहर के रूप में विकसित कर सकेंगे। राजिम नगरपालिका अध्यक्ष महेश यादव ने कहा राजिम नगर पंचायत का नगरपालिका में तब्दील होना हमारे लिए एक नए युग की शुरुआत है। मैं इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रदेश सरकार और हमारे सजग विधायक रोहित साहू का विशेष आभार व्यक्त करता हूं।

राजिम को नगर पालिका का दर्जा मिलने पर नगरवासियों ने मनाया जश्न

राजिम (नवप्रदेश)। राजिम को पूर्ण रूप से नगर पालिका का दर्जा मिलने पर नगरवासियों में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के अवसर पर नगर के नागरिकों ने आतिशबाजी कर एवं मिठाइयाँ बाँटकर अपनी खुशी का इज़हार किया तथा नगर पालिका राजिम परिसर में भव्य रूप से जश्न मनाया। इस उपलब्धि का श्रेय राजिम विधायक रोहित साहू के विशेष सहयोग, वरिष्ठ नेता व छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू एवं पूर्व विधायक व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा संतोष उपाध्याय के मार्गदर्शन तथा नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव सहित समस्त पार्षदों के निरंतर प्रयासों एवं अथक मेहनत को दिया गया। लंबे समय से चली आ रही नगरवासियों की यह महत्वपूर्ण मांग आखिरकार पूर्ण होने पर जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

रोचक इतिहास बताने के साथ भविष्य की चिंता भी रखती है 'भिलाई जिंदाबाद'

भिलाई एक परिवार की तरह, इसे तोड़ने वालों को सफल नहीं होने देंगे : बंछोर

■ अस्पताल और टाउनशिप को बचाने ओए-सेफी ने दिया है प्रस्ताव

भिलाई/नवप्रदेश। प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' के तत्वावधान में लेखक-पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन की पुस्तक 'भिलाई ज़िंदाबाद कुछ किस्से-कुछ कहानियां' पर चर्चा-विचार गोष्ठी भिलाई निवास के इंडियन कॉफी हाउस सभागार में आयोजित की गई। स्वागत उद्बोधन 'आरंभ' के अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य और आयोजकीय वक्तव्य संयोजक शौकत इकबाल ने दिया।

मुख्य अतिथि बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और स्टील एग्जीक्यूटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया (सेफी) के चेयरमैन नरेंद्र कुमार बंछोर ने कहा कि लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने अपनी किताब में न केवल भिलाई का इतिहास रोचक ढंग से बताया है, बल्कि भिलाई के भविष्य को लेकर गहन चिंता भी व्यक्त की है।

बंछोर ने भिलाई के समक्ष आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज ऐसी परिस्थिति निर्मित की जा रही है कि किसी न किसी तरह भिलाई को निजीकरण की तरफ मोड़ दिया जाए। 2004 में ऐसा प्रयास किया गया था। भिलाई की जनता ने अपनी एकजुटता से इसे नाकाम कर दिया था। बीएसपी ओए और सेफी द्वारा ऐसी हर कोशिश का पुरजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेक्टर-9 अस्पताल को लेकर भिलाईवासियों की चिंता जायज है। इसके लिए ओए-सेफी ने प्रस्ताव दिया है। मैनेजमेंट भी उस दिशा में आगे बढ़ रहा है। ह्रदय, किडनी और न्यूरो जैसे विभाग के लिए किसी संस्थान से अनुबंध कर यहां अलग से भवन दिया जाना चाहिए, जिससे स्थानीय स्तर पर सभी को लाभ मिले। टाउनशिप के संबंध में उन्होंने बताया कि ऊपर से यह दबाव जरूर है कि पब्लिक सेक्टर के पास जितनी भी जमीन है उसका मौद्रीकरण किया जाए और पुराने मकानों को गिराकर किसी फर्म को रिक्त जगह दे दिया जाए। बंछोर ने कहा कि ओए-सेफी का प्रस्ताव है कि एनबीसीसी या हाउसिंग बोर्ड जैसे किसी सरकारी उपक्रम को टाउनशिप में ऐसी खाली जगह दी जाए, जहां आवास गिराए जा चुके हैं और अवैध कब्जे हो रहे हैं। इससे वहां तालपुरी की तरह कालोनी विकसित की जा सकती है और पूरा टाउनशिप उजाड़ने की नौबत नहीं आएगी। भिलाईवासी अपने आप को एक परिवार की तरह मानते हैं और इस परिवार को जो लोग भी तोड़ने का प्रयास करेंगे हम उन्हें सफल नहीं होने देंगे।

इसके पहले लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने कहा कि मौजूदा दौर में सार्वजनिक उपक्रम कई तरह की चुनौतियों से रुबरु हो रहे हैं। पूरा परिवेश ही बदल रहा है तो कई सवाल मन में उठ रहे हैं कि क्या भिलाई अपने वजूद को बचा पाएगा? युवा पत्रकार व कवि निलेश त्रिपाठी ने कहा कि तमाम लोग भिलाई को जानते जरूर हैं लेकिन भिलाई को पहचानना है, इस शहर को समझना है तो आपको 'भिलाई ज़िंदाबाद' जरूर पढ़ना होगा।

विशिष्ट अतिथि सुस्थापित व्यंग्यकार विनोद साव ने किताब में लेखक की दादी मरहूमा फातिमा बी को समर्पित वाक्य 'आपने बीएसपी सेक्टर-1 अस्पताल के किचन में कोयले की भट्टी के सामने बरसों अपना खून जलाते हुए भरे-पूरे कुनबे को ठंडी छांव दी' से अपनी बात रखते हुए मैत्री बाग, सेक्टर-9 हॉस्पिटल का जिक्र किया। कल और आज के परिदृश्य को भी विस्तार से बताया।

तालाब में मिला युवक का शव डूबने से मौत की आशंका

राजिम/नवप्रदेश। राजिम क्षेत्र के तालाब में एक युवक का शव तैरते हुए मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया। प्रारंभिक जांच में युवक की मौत डूबने से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

जानकारी के अनुसार सोमवार शाम करीब 5 बजे वार्ड पार्षद प्रतिनिधि कुलेश्वर साहू किसी कार्य से नवाडीह तालाब की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर तालाब के पानी में तैरते हुए एक युवक पर पड़ी। उन्होंने तत्काल आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी। स्थानीय लोगों ने युवक को तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान थानू साहू पिता मुन्ना साहू (28 वर्ष) निवासी नवाडीह राजिम के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलने पर राजिम पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर डूबने से मौत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस परिजनों एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ कर घटना के सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है।

गांड़ा समाज ने शुरू की नवोदय प्रवेश परीक्षा की नि:शुल्क कोचिंग

■ शिक्षा से होगा समाज का उत्थान

बागबाहरा/नवप्रदेश। शिक्षा के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में छत्तीसगढ़ गांड़ा समाज, बागबाहरा ने एक सराहनीय पहल करते हुए कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों के लिए नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा निःशुल्क कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया। नवागांव, बागबाहरा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले, माता सावित्रीबाई फुले एवं शंभू महादेव के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों ने कोचिंग में प्रवेश लेने वाले बच्चों का तिलक-चंदन लगाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। पहले ही दिन विद्यार्थियों में पढ़ाई को लेकर उत्साह देखने को मिला।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिले के समस्त अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि नवोदय विद्यालय समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (छ्वहृङ्कस्ञ्) 2027 के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 31 जुलाई 2026 तक निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।जवाहर नवोदय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान की जाती है। ऐसे में जिले के पात्र विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन कर इस अवसर का लाभ उठाएं।

पात्रता की शर्तें : अभ्यर्थी बेमेतरा जिले का वास्तविक निवासी होना चाहिए। अभ्यर्थी वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में जिले के किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत हो।अभ्यर्थी की जन्मतिथि 01 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 (दोनों तिथियाँ सम्मिलित) के बीच होना अनिवार्य है। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी अथवा उनके अभिभावक नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बिजली दरों और स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ा आक्रोश

■ पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने जताई आम जनता के प्रति सहानुभूति

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिले में बढ़ते बिजली बिल और स्मार्ट मीटर को लेकर आम लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले की तुलना में अब बिजली का मासिक बिल काफी बढ़ गया है, जिससे मध्यमवर्गीय और सामान्य परिवारों का घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है। लोगों का कहना है कि महंगाई के इस दौर में बिजली का बढ़ता खर्च उनके लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बनता जा रहा है।इसी मुद्दे को लेकर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने आम जनता के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार बढ़ते बिजली बिलों और स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी हो रही है, तो संबंधित विभाग को उनकी शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना चाहिए।

पूर्व विधायक ने कहा कि बिजली जैसी बुनियादी सेवा आम नागरिकों की आवश्यकता है। इसलिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े और बिलिंग प्रक्रिया पूरी तरह स्पष्ट एवं भरोसेमंद हो। उन्होंने कहा कि सरकार और बिजली वितरण कंपनी को जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।दूसरी ओर, कई उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद उनके बिजली बिल में बढ़ोतरी महसूस हुई है। उनका कहना है कि वे चाहते हैं कि विभाग इस संबंध में स्पष्ट जानकारी दे तथा यदि किसी प्रकार की तकनीकी या बिलिंग संबंधी समस्या है तो उसका समाधान किया जाए।अब देखना होगा कि बढ़ती जनचिंताओं के बीच बिजली विभाग और राज्य सरकार इस मुद्दे पर क्या कदम उठाते हैं। फिलहाल बेमेतरा में बिजली दरों और स्मार्ट मीटर को लेकर चर्चा तेज है और उपभोक्ता राहत की उम्मीद लगाए हुए हैं।

नपा अध्यक्ष और जनपद अध्यक्ष ने छात्रों को बांटे किताबें-ड्रेस

कुरूद/नवप्रदेश। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन शनिवार को ग्राम चटौद में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के लिए जारी आमंत्रण पत्र में क्षेत्रीय विधायक अजय चंद्राकर को मुख्य अतिथि बताया गया था, लेकिन वे किसी कारणवश कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उनकी अनुपस्थिति में नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर और जनपद पंचायत अध्यक्ष गितेश्वरी साहू ने कार्यक्रम की कमान संभाली।

दोनों जनप्रतिनिधियों ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया, प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया तथा विद्यार्थियों को निःशुल्क ड्रेस और पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया। नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्कूली बच्चों और युवाओं के लिए प्रतिदिन दो घंटे की निःशुल्क वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कुरूद विधानसभा के कई गांवों में इसकी शुरुआत हो चुकी है, जिससे विद्यार्थियों को इंटरनेट के माध्यम से बेहतर शैक्षणिक अवसर मिलेंगे। जनपद पंचायत अध्यक्ष गितेश्वरी साहू ने शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के महत्व पर बल देते हुए विद्यालयों में खेल, योग एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। जिला पंचायत सभापति पूजा सिन्हा ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य चन्द्रशेखर साहू, सरपंच खेमचंद साहू, बीईओ राजेश बैस, बीआरसीसी कुलेश्वर सिन्हा, आर.के. ठाकुर, सीमा कटारे, रमेश, योगेन्द्र चन्द्राकर, गौरीकांता साहू, जुगल किशोर, प्रकाश सेन आदि उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस भवन में मासिक बैठक संपन्न

■ राम मंदिर में चोरी को लेकर कांग्रेस हुआ उग्र

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय के जिला कांग्रेस भवन में कांग्रेस का मासिक बैठक मुख्य अतिथि अमितेश शुक्ला, जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा और जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।बैठक के दौरान आए अतिथियों द्वारा संगठन संबंधी विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई,साथ ही संगठन के विस्तार और कांग्रेस के जनहित मुद्दों को जनता तक पहुंचाने के साथ बीजेपी की विफलताओं और खास कर राम मंदिर में हुए चोरी को आमजनता तक पहुँचे की जवाबदारी जिला ब्लाक शहर और पंचायत स्तर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी के विषय में चर्चा किया गया।

इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व मंत्री अमितेश ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाना है, क्योंकि संगठन से ही कार्यकर्ताओं का अस्तित्व है।मासिक बैठक की मीटिंग काफी महत्वपूर्ण है,इसके माध्यम से कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दिया जाता है।आज देश में लाखों करोड़ो लोगों ने राम मंदिर के नाम से चंदा दिया उसमें करोड़ो अरबों रुपये इकठ्ठा हुए वो चोरी होने लगा, अब हमे उस चंदे का हिसाब मांगने का समय आ गया है, हर घर हर व्यक्ति को इसका हिसाब मांगने का अधिकार है,बीजेपी अपने आप को हिंदू बोलते है तो क्या वही लोग हिंदू है,और चोरी भी वही कर रहे है,उनके ढोंग और पाखण्ड को खत्म करने का समय आ गया है।

बीजेपी के हिंदुत्व को पर्दाफाश करने का समय आ गया है,जिलाध्यक्ष सहज और सरल आदमी है,लूटने में भगवान तक को नहीं छोड़े है ये हर आम नागरिकों तक पहुंचाना है।

आयोग ने दिलाई मृतक पति की बीमा क्षतिपूर्ति की राशि

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। बीमा कंपनी द्वारा प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत मृतक पति की बीमा क्षतिपूर्ति की राशि प्रदाय नहीं किये जाने के मामले में उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार द्वारा बीमा कंपनी को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के तहत बीमा क्षतिपूर्ति राशि दो लाख रू. एवं उपभोक्ता को मानसिक व आर्थिक क्षतिपूर्ति हेतु राशि 15 हजार तथा वाद-व्यय हेतु 7 हजार रूपये एवं खाते में पूर्व जमा राशि 27288 परिवादिनी को प्रदाय किये जाने का आदेश दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम साबर निवासी परिवादिनी तिहारीन बाई पैकरा के पति स्व. फागुलाल पैकरा का भारतीय स्टेट बैंक कसडोल में खाता था जिससे मृतक फागुलाल पैकरा द्वारा प्रीमियम राशि देकर नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड रायपुर से प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना पालिसी लिया था। दुर्घटना में फागुलाल पैकरा की मृत्यु होने पर मृतक की पत्नी परिवादिनी तिहारीन बाई पैकरा द्वारा मृतक पति की बीमा क्षतिपूर्ति की राशि प्राप्त करने बाबत बीमा कंपनी के कार्यालय में बीमा दावा प्रस्तुत किया गया। बीमा कंपनी द्वारा बीमा दावा निरस्त कर दिया गया जिससे परिवेदित होकर परिवादिनी ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार में परिवाद प्रस्तुत किया।

सरगी नाला में मिला अज्ञात युवक का सड़ा-गला शव, इलाके में फैली सनसनी

राजिम/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर थाना क्षेत्र में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब सरगी नाला एनीकट इंटकवेल के पास पानी में एक अज्ञात युवक का सड़ी-गली अवस्था में शव तैरता हुआ मिला। शव मिलने की सूचना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही फिंगेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर जांच शुरू कर दी है।

सरगी नाला के पास अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे कुछ लोगों की नजर पानी में तैर रहे शव पर पड़ी। शव की स्थिति देखकर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही फिंगेश्वर थाना प्रभारी जय प्रकाश नेताम पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। स्थानीय लोगों की सहायता से शव को पानी से बाहर निकालकर पुलिस ने अपने कब्जे में लिया।

शव की नहीं हुई पहचान

पुलिस के अनुसार शव काफी सड़ी-गली अवस्था में था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत कई दिन पहले हुई होगी। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों का मिलान कर शव की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की मौत दुर्घटना, आत्महत्या या किसी अन्य कारण से हुई है। फिंगेश्वर पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी शांति वोरा पंचतत्व में विलीन

■ नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

दुर्ग/नवप्रदेश। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी श्रीमती शांति वोरा (91 वर्ष) का मंगलवार को दुर्ग के शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में गमगीन माहौल के बीच अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार स्व. मोतीलाल वोरा के समाधि स्थल के पास ही किया गया। उनके बड़े पुत्र अरविंद वोर ने उन्हें मुखाग्नि दी।

श्रीमती शांति वोरा का सोमवार सुबह निधन हो गया था। मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे उनके पद्मनाभपुर स्थित निवास से अंतिम यात्रा रवाना हुई, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक संगठनों और भारी संख्या में नागरिकों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। परिवार की भावुक विदाईः अंतिम संस्कार के दौरान पूरा वोरा परिवार बेहद भावुक नजर आया। इस दौरान उनके पुत्र व पूर्व विधायक अरुण वोरा, पौत्र संदीप वोरा, सुमीत वोरा और आशीष वोरा सहित सभी पारिवारिक सदस्य मौजूद रहे।

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मंगलवार को मुक्तिधाम में आयोजित शोकसभा में कांग्रेस, भाजपा और अन्य दलों के नेताओं ने श्रीमती शांति वोरा के सरल, सौम्य और सेवा-समर्पित व्यक्तित्व को याद किया।

दिग्गज नेताओं ने जताया शोक

सोमवार शाम को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने वोरा निवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया था।

उपस्थित प्रमुख हस्तियां

अंतिम यात्रा और शोकसभा में भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव, भिलाई महापौर नीरज पाल, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, सुबोध हरितवाल, जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, राकेश ठाकुर, मुकेश साहू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, अशोक राठी सहित बड़ी संख्या में पार्षद, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विद्यामितान शिक्षकों को विधानसभा जाने से रोका, पुलिस से धक्का-मुक्की

दुर्ग/नवप्रदेश। राज्य अतिथि शिक्षक विद्या मितान संघ के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन आंदोलन के 13 वें दिन प्रदेश भर से पहुंचे एक हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों ने विधानसभा घेराव के लिए पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने जेल चौक पर बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया, यहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। नियमितीकरण, समान काम के बदले समान वेतन, सेवा सुरक्षा और स्थायी रोजगार की मांग को लेकर अतिथि शिक्षक धरना स्थल से विधानसभा जाने के लिये निकले थे। अतिथि शिक्षकों के विधानसभा कूच की तैयारी को देखते हुए जिला प्रशासन ने जेल चौक पर भारी पुलिस बल और बैरिकेडिंग तैनात किया गया था। अतिथि शिक्षक संघ का कहना है कि प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षक वर्षों से गणित, विज्ञान, अंग्रेजी सहित कई विषयों की पढ़ाई करा रहे हैं। बस्तर और सरगुजा जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में अतिथि शिक्षक ही शिक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसके बावजूद अब तक नियमितीकरण नहीं किया गया है। 1 जुलाई से जारी हड़ताल के कारण कई सरकारी स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विधानसभा सत्र के दौरान उनकी मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

प्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ. अंकुश देवांगन ने बनाई भगवान जगन्नाथ की सबसे छोटी मूर्ति

भिलाई/नवप्रदेश। प्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ. अंकुश देवांगन ने भगवान जगन्नाथ की दुनिया में सबसे छोटी मूर्ति का निर्माण किया है। उन्होंने उंगली के छोटे से नाखून पर जगन्नाथ, बालभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्ति को रखकर प्रदर्शित किया है। यह मूर्तियां मात्र आधे सेन्टीमीटर छोटी है। डॉ देवांगन ने छत्तीसगढ़ को माओवाद से मुक्त करने के लिए प्रभु को धन्यवाद देते हुए देश में अच्छी बारिश की कामना भी की है। अंकुश देवांगन 1985 से छोटी मूर्तियां और चांवल के छोटे-छोटे दानों पर चित्रों का निर्माण करते आ रहे हैं। उन्हें लिम्का बुक ऑफ द रिकॉर्ड का प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिला है। इन कलाकृतियों की वे बस्तर के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विगत 36 वर्षों से प्रदर्शनी लगाते आ रहे हैं। उनकी कला को देखने बीहड़ क्षेत्रों से लोग आते हैं। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के सिलसिले में बनाए गए सूक्ष्मतम मूर्तियों में उनकी भावभंगिमाएं स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रही है। वर्तमान में वे भिलाई इस्पात संयंत्र के मेडिकल विभाग में कार्यरत हैं। वे छत्तीसगढ़ के प्रथम कलाकार हैं जिन्हें भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय ने ललित कला अकादमी, नई दिल्ली की मानद सदस्यता दी है। वे इसके बोर्ड मेंबर हैं।

दुर्ग निगम कर्मचारियों के लंबित वित्तीय प्रकरणों का निराकरण

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर निगम दुर्ग के आयुक्त के विशेष प्रयासों से निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित वित्तीय प्रकरणों का निराकरण किया गया है। मई 2026 तक की जीपीएफ, एनपीएस, उपादान (ग्रेच्युटी) और अवकाश नकदीकरण की देय राशि संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के बैंक खातों में जमा कराई गई है। जीपीएफ राशि रुपये 31,77,308, एनपीएस राशि 36,60,544, अवकाश नकदीकरण राशि 54,57,296 और उपादान (ग्रेच्युटी) राशि 41,32,662 सहित कुल 1,64,23,810 की राशि का भुगतान किया गया है। स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ, नगर पालिक निगम दुर्ग के अध्यक्ष संजय मिश्रा, महामंत्री अनिल सिंह सहित समस्त पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के हित में किए गए इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आयुक्त और स्थापना व लेखा शाखा के अधिकारी-कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने पर बुलेट चालक से वसूला जुर्माना

भिलाई/नवप्रदेश। मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर बुलेट चलाने वाले युवक से ट्रैफिक पुलिस ने 5 हजार रुपए का चालान वसूल किया है। पुलिस ने बाइक में लगा अवैध साइलेंसर हटवाकर मानक साइलेंसर लगवाया। पुलिस ने बुलेट (सीजी 07/ बीडी 8498) को जांच के लिए रोका। बाइक में कंपनी की जगह मॉडिफाइड साइलेंसर लगा था। जांच के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने बाइक स्टार्ट कराया। साइलेंसर से काफी तेज आवाज के साथ साइलेंसर से चिंगारी भी निकल रही थी। इससे सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा को खतरा हो सकता था।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

दुर्ग/नवप्रदेश। खरीफ मौसम के दौरान किसानों को प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की अनिश्चितता से बचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीयन की प्रक्रिया 12 जुलाई से शुरू हो चुकी है। अंतिम तिथि 31 जुलाई तय की गई है। सभी किसान फसलों का बीमा करा सकते हैं। इस साल अलनीनो के प्रभाव के कारण अनियमित या कम बारिश की संभावना है। संभावित नुकसान से बचने के लिए फसल बीमा किसानों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। योजना के तहत जिले में किसान अधिसूचित फसलों धान (सिंचित व असिंचित), मक्का, सोयाबीन, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, मूंगफली, कोदो, कुटकी और रागी का बीमा करा सकते हैं। कृषक बैंक, वित्तीय संस्थान, लोक सेवा केंद्र पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं।

सुरक्षाः भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा का नया दौर, जोखिम होगा कम

डिजिटल और तकनीकी नवाचारों से सुरक्षित हुआ बीएसपी का कार्यस्थल

भिलाई/रायपुर। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा और कार्यस्थल के वातावरण को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जून 2026 के दौरान संयंत्र के विभिन्न उत्पादन विभागों में कई इनोवेटिव (नवाचारी) इंजीनियरिंग, डिजिटल और निवारक सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं। इन हाई-टेक पहलों का मुख्य उद्देश्य दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करना, 'लाइन ऑफ फायर' के खतरों को रोकना और प्रौद्योगिकी के जरिए एक स्मार्ट व सुरक्षित कार्य संस्कृति विकसित करना है।

विभिन्न विभागों में लागू किए गए प्रमुख सुरक्षा उपाय

कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग-सेंट्रल ओर हैंडलिंग क्षेत्र के वैगन टिपलर-07 में एक उन्नत इंटरमीडिएट फ्रीक्वेंसी रिले प्रोटेक्शन स्विच लगाया गया है। यह सिस्टम वैगन की स्थिति पर लगातार नजर रखता है। यदि वैगन सुरक्षित सीमा को पार करता है, तो यह सिस्टम ऑटोमैटिक ट्रिप सिग्नल देकर प्रक्रिया को तुरंत रोक देता है। इससे उपकरणों के टूटने और दुर्घटनाओं की आशंका काफी कम हो गई है।

इग्निशन सिस्टम में बदलावः आरएच डीगैसर प्री-हीटिंग सिस्टम में पुरानी स्पार्क प्लग प्रणाली को हटाकर पायलट बर्नर आधारित इग्निशन सिस्टम लगाया गया है। अब फ्लेम सेंसर द्वारा लौ की पुष्टि होने के बाद ही मुख्य गैस वाल्व खुलता है, जिससे विस्फोटक आग लगने का खतरा टल गया है।

'लाइन ऑफ फायर' की पहचानः क्रेन संचालन क्षेत्र में अनजाने प्रवेश को रोकने के लिए कन्वर्टर के 8 मीटर क्षेत्र में स्पष्ट डिमार्केशन लाइन (सीमा रेखा) बनाई गई है।

स्टील मेल्टिंग शॉप-3

फेरो एलॉय एडिशन सिस्टम के 36 मीटर और 40 मीटर कन्वेयर च्यूट पर च्यूट जैम लिमिट स्विच लगाए गए हैं। यदि च्यूट में कोई रुकावट आती है, तो यह प्रणाली कन्वेयर बेल्ट को अपने आप रोक देती है, जिससे बेल्ट और अन्य मशीनें टूटने से बच जाती हैं।

सिंटर प्लांट-3 कर्मचारियों को चलती हुई बेल्ट के संपर्क में आने से बचाने के लिए जेड-16 बीसी-1 और बीसी-2 बेल्ट कन्वेयर की पूरी लंबाई में निरंतर साइड गार्डिंग (सुरक्षा घेरा) स्थापित की गई है।

'नई चेतना' कार्यक्रम से महिला संविदा कर्मियों को किया गया सशक्त

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र में 'नई चेतना' जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से इस्पात गलन शाला-3 (स्टील मेल्टिंग शॉप-3) में कार्यरत महिला संविदा कर्मियों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें 50 से 60 महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिला कर्मियों को कार्यस्थल की सुरक्षा, उनके अधिकारों, स्वास्थ्य और उत्पीड़न की रोकथाम जैसे गंभीर और जरूरी विषयों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के प्रमुख अंश और मार्गदर्शनः कार्यक्रम का शुभारंभ स्टील मेल्टिंग शॉप-3 के मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा के संबोधन से हुआ। उन्होंने महिला कर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, ÷जागरूक और सशक्त महिला कर्मी किसी भी औद्योगिक संगठन की सुरक्षित, अनुशासित और प्रभावी कार्य संस्कृति की आधारशिला होती हैं।÷ उन्होंने महिलाओं से कार्यस्थल पर सुरक्षित संस्कृति अपनाने और अपने कर्तव्यों का पूरे आत्मविश्वास के साथ निर्वहन करने की अपील की।

विश्व जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी-पोस्टर-क्विज प्रतियोगिता आयोजित

दुर्ग/नवप्रदेश। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संगोष्ठी, पोस्टर, भाषण व ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर अलका बाघमार, विशेष अतिथि जिपं सदस्य प्रिया साहू और अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी ने की। कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी डॉ. अर्चना चौहान और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह सहित अन्य अधिकारी व शिक्षक उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं ने बढ़ती जनसंख्या से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभाव विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से जनसंख्या संतुलन, स्वस्थ परिवार-सुरक्षित भविष्य तथा संसाधनों के संतुलित उपयोग का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि अलका बाघमार ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या की चुनौतियों से निपटने के लिए जनजागरूकता, शिक्षा और परिवार नियोजन को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

न्यायालय तहसीलदार अर्जुन्दा, जिला-बालोद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र.........ब-121/वर्ष-25-26

सर्व साधारण ग्राम परसवानी, तहसील अर्जुन्दा, जिला बालोद को सूचित किया जाता है कि आवेदक वाजेन्द्र लाल आ. फतनलाल निवासी परसवानी तहसील अर्जुन्दा, जिला बालोद (छ.ग.) द्वारा अपने चाचा अनकेश्वर पिता नारायण साकिन परसवानी का दिनांक 01.06.79 को मृत्यु होनें के कारण मृत्यु पंजी में पंजीयन कराने हेतु आवेदन पत्र पेश किया है। ग्राम पंचायत परना तहसील अर्जुन्दा के मृत्यु पंजी में अनकेश्वर पिता नारायण का नाम पंजीयन कराने में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या दावा करना हो तो दिनांक 27/7/26 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना आपत्ति/दावा पेश कर सकते है। बाद में आए हुए आपत्ति या दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतः आज दिनांक 10/7/26 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
अर्जुन्दा,जिला बालोद

रावणभाटा में चला बुलडोजर

पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने किया हंगामा

भिलाई/नवप्रदेश। सुपेला एरिया के रावण भाटा में मंगलवार को नगर निगम की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान व्यापारियों ने काफी हंगामा किया। स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों ने नगर निगम के अफसरों पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इस दौरान प्रदर्शनकारी व्यापारियों के साथ काफी धक्कामुक्की भी हुई।

व्यापारियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि निगम अफसरों ने सिर्फ कुछ दुकानों के अतिक्रमण हटाए हैं। राजनीतिक संगठनों से जुड़े प्रभावशाली लोगों की दुकानों का अतिक्रमण नहीं तोड़ा गया। इसके विरोध में व्यापारियों ने निगम अधिकारियों को घेर लिया। निगम प्रशासन की पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के विरोध में जमकर नारेबाजी होने लगी। माहौल तनावपूर्ण होने के कारण कुछ समय के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रोक दी गई। कार्रवाई के विरोध में दर्जनों कारोबारी बुलडोजर के सामने खड़े हो गए।

स्थानीय व्यापारियों ने साफ कहा कि अगर सड़क किनारे बनी दुकानें अतिक्रमण की श्रेणी में आती हैं, तो सभी पर समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। राजनीतिक संरक्षण होने के कारण कई दुकानों के अतिक्रमण नहीं तोड़े गए। बाकी दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया। अतिक्रमण हटाना है तो पूरी लाइन की सभी दुकानों पर एक साथ कार्रवाई की जाए। कुछ दुकानों को निशाना बनाना गलत है। तनाव बढने पर मौके पर पुलिस और प्रशासन की टीम तैनात की गई। पुलिस ने लोगों को समझाइश देकर स्थिति को नियंत्रित किया।

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT TUMGOAN
DISTT.- MAHASAMUND (C.G.)

E-Procurement Tender Notice (3rd Call)

Letter no./3886 /N.P./PWD/2026-27 — Tumgaon, Dated- 14.07.2026

Online bids in three envelop system are invited for the following construction works / supply works up to date 27.07.2026 at 17:30 Hours

S. No.	System Tender no.	Name of work	Probable Amount of Contract (in Lakh)	Earnest Money (in RS.)	Class of Contractor
1	195490	CONSTRUCTION WORK OF RCC DRAIN FROM KESHAR PATEL TO KHEL MAIDAN PULIYA 200m, AT WARD NO. 13, PAKHAN SAHU HOUSE TO DHANESH NISHAD HOUSE 245m AT WARD NO.02	19.74	14650/-	Class "D" & Above
2	195487	CONSTRUCTION & RENOVATION WORK OF MUKTIDHAM AT WARD NO.15	17.04	12800/-	Class "D" & Above
3	195457	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of TUMGAON, Chhattisgarh	25.37	12700/-	Class "D" & Above

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from 14.07.2026 at 17:30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process, you may please visit the above mentioned portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT TUMGAON

कार्यालय कलेक्टर, जिला-बीजापुर, छत्तीसगढ़
(आदिवासी विकास शाखा)

-ई-प्रोक्यूरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना::-

निविदा क्र./आ.वि./निर्माण/2026-27/710 — / बीजापुर, दिनांक 09/07/2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास शाखा) जिला बीजापुर की ओर से निम्नलिखित **आश्रम / छात्रावास भवन निर्माण सह विद्युतीकरण कार्यों** हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत 'C' श्रेणी एवं इससे उपर श्रेणी पात्र ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो दिनाँक 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ.आर. पद्धति के तहत् ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत् दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	NIT क्र./दि.	सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनु. लागत	निविदा कॉल	अमानत राशि (रू.)
1	2	3	4	5	6	7
01	27/09.07.2026	195109	आदिवासी बालक आश्रम कड़ेनार	15119000.00	2nd call	113400.00
02	28/09.07.2026	195110	आदिवासी बालक आश्रम जारामरका	15119000.00	2nd call	113400.00
03	29/09.07.2026	195112	आदिवासी बालक आश्रम कोमपल्ली	15119000.00	2nd call	113400.00
04	30/09.07.2026	195113	आदिवासी बालक आश्रम अन्नापुर	15119000.00	2nd call	113400.00
05	31/09.07.2026	195114	आदिवासी बालक आश्रम एड़ापल्ली	15119000.00	2nd call	113400.00
06	32/09.07.2026	195117	आदिवासी बालक आश्रम दुड़ेपल्ली	15119000.00	2nd call	113400.00
07	33/09.07.2026	195118	आदिवासी बालक आश्रम पोलेम	15119000.00	2nd call	113400.00
08	34/09.07.2026	195119	आदिवासी बालक आश्रम पीलूर	15119000.00	2nd call	113400.00
09	35/09.07.2026	195120	आदिवासी बालक आश्रम दारेली	15119000.00	2nd call	113400.00

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा अंतिम तिथि **(Bid due Date) 29.07.2026** तक आमंत्रित की जाती है । निविदाएं डाउनलोड करने की तिथि **(Bid start Date) 15.07.2026** से है। निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट-**https://eproc.cgstate.gov.in** पर में देखे जा सकते है ।
(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जी- 262702042/8

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास-बीजापुर

कटघोरा वनमण्डल अंतर्गत कसनिया डिपों में होने वाले ई-नीलाम के लिये प्रस्तावित जांजगीर चाम्पा वनमण्डल के विभिन्न डिपो में रखे गये वनोपज के नीलाम हेतु मात्रा की जानकारी

नीलाम दिनांक 20.07.2026

अ. क्र.	डिपो का नाम	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष						
			लठ्ठा		बल्ली / डेंगरी		जलाऊ	बांस	
			नग	घ.मी	नग	घ.मी	चट्टा	नग	नो.टन
1	निस्तार डिपो सक्ती	अन्य	56	9.233					
		सागौन	49	4.062					
		साल							
		सतकठा					57		
2	अकलतरा डिपो	सागौन	29	3.846	384	3.127			
		नीलगिरी			739	8.671			
		सतकठा							
		आद्यो. बांस						70	0.044
3	जांजगीर	सागौन	16	0.943	4	0.046			
		अन्य	184	26.511					
		सतकठा					114		
4	पंतोरा डिपो	तेंदू	130	20.861					
		साजा	45	9.337					
		अन्य	30	4.174					
		हल्दू	6	1.059					
		बीजा	4	0.572					
		साल	39	6.045	6	0.027			
		सागौन			6	0.101			
		सतकठा					1		
	योग		**588**	**86.643**	**1139**	**11.972**	**172**	**70**	**0.044**

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व MSTC E-Commerce Portal में रजिस्ट्रेशन में करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदारों को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत EMD की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो MSTC E-Commerce Portal में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है।
4. ई- ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम केता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

जी-262702059/2

वनमण्डलाधिकारी
कटघोरा वनमण्डल कटघोरा

पत्रकारों के सवालों पर ओडिशा-पुरी रेल संपर्क बढ़ाने की मांग, सांसद के माध्यम से रेल मंत्री को भेजा जाएगा ज्ञापन

619 वर्ष पुरानी परंपरा: 16 को निकाली जाएगी ऐतिहासिक बस्तर गोंचा रथयात्रा

- 15 जुलाई को नेत्रोत्सव, नौ दिन तक जनकपुरी में रहेंगे भगवान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और धार्मिक अनुष्ठानों की रहेगी श्रृंखला

जगदलपुर/नवप्रदेश। 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज एवं बस्तर गोंचा महापर्व समिति ने मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में 619 वर्षों से चली आ रही रियासतकालीन परंपरा के तहत आयोजित होने वाले बस्तर गोंचा महापर्व-2026 की विस्तृत जानकारी दी। समाज के अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे और गोंचा महापर्व समिति के अध्यक्ष मुक्तेश पांडे ने बताया कि देव स्नान पूर्णिमा से प्रारंभ हुआ महापर्व 25 जुलाई तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ संपन्न होगा। 15 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ, माता सुभद्रा और बलभद्र का नेत्रोत्सव होगा, जबकि 16 जुलाई को पारंपरिक बस्तरिया तुपकी की गर्जना के बीच तीन भव्य रथों पर 22 विग्रहों के साथ ऐतिहासिक गोंचा रथयात्रा निकाली जाएगी।

पत्रकार वार्ता के दौरान पत्रकारों ने ओडिशा और बस्तर के ऐतिहासिक रोटी-बेटी संबंधों का उल्लेख करते हुए हाल ही में शुरू हुई कोरापुट-पूरी यात्री ट्रेन को जगदलपुर तक विस्तारित कराने के लिए रेल मंत्री अथवा रेलवे बोर्ड से मांग करने का प्रश्न उठाया। इस पर समाज पदाधिकारियों ने कहा कि शीघ्र ही सांसद बस्तर के माध्यम से रेल मंत्री को मांगपत्र भेजकर ट्रेन विस्तार की मांग की जाएगी।

पत्रकारों ने रियासतकालीन अभिलेखों में दर्ज 'श्रीसार भवन' का नाम समय के साथ 'सीरासार भवन' हो जाने और मूल नाम बहाल कराने को लेकर भी सवाल किया। इस पर समाज पदाधिकारियों ने स्पष्ट पहल की घोषणा नहीं करते हुए कहा कि रियासतकाल में यह भवन सिराहा समुदाय के उपयोग के लिए निर्मित किया गया था, इसलिए इसका नाम सीरासार प्रचलित है। वहीं गोंचा महापर्व में सभी समाजों की सहभागिता के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर समाज के पूर्व अध्यक्ष ईश्वरनाथ खम्बारी ने कहा कि महापर्व में सभी समाजों को आमंत्रित किया जाता है और सभी की भागीदारी का स्वागत है।

महापर्व के दौरान 16 से 24 जुलाई तक प्रतिदिन महाआरती, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 20 जुलाई को हेरा पंचमी, 21 जुलाई को छप्पन भोग,23 जुलाई को निःशुल्क उपनयन संस्कार तथा 24 जुलाई को बाहुड़ा रथयात्रा आयोजित होगी। समाज ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को भी महापर्व में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया है। इस वर्ष तेरह वेश झांकी को दस वर्ष बाद नए स्वरूप में सजाया गया है तथा नगर निगम के सहयोग से दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए गोंचा गुड़ी, पेयजल और स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

108 से अधिक गांवों में भगवान श्री जगन्नाथ को पारंपरिक अमनिया भोग अर्पित कर प्रसाद वितरण किया जाएगा

गोंचा महापर्व के प्रथम दिन 16 जुलाई को स्थानीय अवकाश रहेगा। 17 से 23 जुलाई तक 108 से अधिक गांवों में भगवान श्री जगन्नाथ को पारंपरिक अमनिया भोग अर्पित कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। नए रथ का निर्माण अंतिम चरण में है और रथयात्रा के दौरान ओडिशा एवं बस्तर के कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। पत्रकार वार्ता में समाज के अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे,गोंचा महापर्व समिति के अध्यक्ष मुक्तेश पांडे, पूर्व अध्यक्ष ईश्वरनाथ खम्बारी,हेमंत पांडे,दिनेश पाणीग्राही,आत्माराम जोशी,दिनेश पाणिग्राही,नरेंद्र पाणीग्राही,राकेश पांडे सहित समाज के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रथयात्रा स्पेशल ट्रेन में अधिक से अधिक करें यात्रा, बस्तर से पुरी तक श्रद्धा की डोर को बनाएं और मजबूत

जगदलपुर/नवप्रदेश। भगवान जगन्नाथ की विश्वविख्यात रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं,बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का महापर्व है। पिछले कुछ वर्षों से दक्षिण तटीय रेलवे द्वारा बस्तरवासियों की वर्षों पुरानी धार्मिक भावना का सम्मान करते हुए जगदलपुर से पुरी के लिए रथयात्रा स्पेशल ट्रेन संचालित की जा रही है। इस वर्ष भी 15 जुलाई को प्रातः 6 बजे जगदलपुर रेलवे स्टेशन से रथयात्रा स्पेशल ट्रेन रवाना होगी, जो श्रद्धालुओं को सीधे भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी पहुंचाएगी। यह सुविधा बस्तर के लिए किसी सौगात से कम नहीं है, लेकिन चिंता का विषय यह है कि हर वर्ष इस विशेष ट्रेन में अपेक्षा से बहुत कम श्रद्धालु यात्रा करते हैं। रेलवे भविष्य में नई यात्री ट्रेनों के संचालन और सुविधाओं के विस्तार का आकलन टिकट बिक्री एवं यात्रियों की संख्या के आधार पर करता है। यदि इस ट्रेन में पर्याप्त संख्या में यात्री यात्रा नहीं करेंगे तो भविष्य में ऐसी धार्मिक विशेष ट्रेनों अथवा अन्य नई रेल सेवाओं के संचालन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विश्व प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ रथयात्रा में शामिल होकर श्रद्धालु न केवल पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

नव प्रदेश की अपील

बस्तर के सभी श्रद्धालुओं, सामाजिक संगठनों, संस्थाओं,धार्मिक मंडलों तथा जनप्रतिनिधियों से विनम्र आग्रह है कि 15 जुलाई को प्रातः 6 बजे जगदलपुर से रवाना होने वाली रथयात्रा स्पेशल ट्रेन में अधिक से अधिक संख्या में यात्रा करें। भगवान जगन्नाथ के श्रीचरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करें,विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा महापर्व के साक्षी बनें और साथ ही यह संदेश भी दें कि बस्तर रेल सुविधाओं के विस्तार का पूर्ण अधिकारी है। आपकी एक यात्रा भविष्य में बस्तर को नई यात्री ट्रेनों की सौगात दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

आत्मानंद स्कूल में रिजल्ट पर विवाद, अतिरिक्त अंक देकर मेरिट बदलने का आरोप

जगदलपुर/नवप्रदेश। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के कक्षा आठवीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्कूल प्रबंधन पर स्पोर्ट्स एवं कल्चरल गतिविधियों के नाम पर अतिरिक्त अंक जोड़कर मेरिट सूची बदलने तथा एक छात्रा को टॉपर घोषित कर मेडल दिलाने के आरोप लगाए गए हैं। मामले ने तूल पकड़ने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) बलीराम बघेल ने स्पष्ट किया है कि वार्षिक परीक्षा परिणाम में इस प्रकार अतिरिक्त अंक देने का कोई प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद संशोधित परिणाम अब तक सार्वजनिक नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार नयापारा निवासी कक्षा आठवीं की छात्रा वंशिका श्रीवास्तव के अभिभावकों ने परीक्षा परिणाम पर आपत्ति दर्ज कराई। उनका दावा है कि वंशिका को 93.33 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं,जबकि स्कूल द्वारा टॉपर घोषित छात्रा अनुति टेन्नेटी के 91 प्रतिशत अंक हैं। आरोप है कि प्रारंभिक परिणाम में 95.17 प्रतिशत तथा वंशिका को 95 प्रतिशत अंक दर्शाए गए थे। शिकायत के बाद मामला जिला शिक्षा अधिकारी तक पहुंचा,जहां जांच उपरांत अंक सुधारने के निर्देश दिए गए। अभिभावकों का आरोप है कि सुधार की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद संशोधित परिणाम जारी नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने के बाद उन्हें स्कूल के व्हाट्सएप समूह से हटा दिया गया। वहीं प्राचार्य मनीषा खत्री पर वास्तविक स्थिति से अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य संबंधित पक्षों को अवगत नहीं कराने का भी आरोप लगाया गया है। अभिभावकों का कहना है कि स्थानीय विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में टॉपर के रूप में सम्मानित किया।

अतिरिक्त अंक देने का प्रावधान नहीं: डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी बलीराम बघेल ने स्पष्ट किया है कि वार्षिक परीक्षा के परिणाम में स्पोर्ट्स या कल्चरल गतिविधियों के नाम पर अतिरिक्त अंक जोड़ने का कोई नियम या प्रावधान नहीं है। यदि जांच में परिणाम तैयार करने में अनियमितता या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं अभिभावकों का कहना है कि संशोधित परिणाम जारी होने तक विवाद बना रहेगा।

बारिश थमी तो किसानों की बढ़ी चिंता, धान की नर्सरी पर मंडराने लगा संकट

- चार दिन से नहीं हुई बारिश, धूप-छांव के बीच टिकी किसानों की उम्मीद
- मौसम विभाग ने जल्द बारिश और प्रदेश में झड़ी लगने के दिए संकेत

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर में मानसून की रफ्तार थमने से किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। पिछले चार दिनों से जिले में अच्छी बारिश नहीं होने के कारण खेतों में खुर्रा बोनी कर चुके किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। मंगलवार को दिनभर धूप-छांव का दौर चलता रहा। दोपहर बाद आसमान में काले बादल जरूर छाए, लेकिन शाम तक बारिश नहीं होने से किसानों की उम्मीदें फिर टूट गईं।

बारिश में आई इस लंबी खामोशी का सबसे अधिक असर उन किसानों पर पड़ने की आशंका है, जिन्होंने समय पर धान की नर्सरी तैयार कर ली है। यदि अगले एक-दो दिनों में पर्याप्त वर्षा नहीं हुई तो नर्सरी की बढ़वार प्रभावित हो सकती है। वहीं, लगातार बढ़ रही उमस और तापमान ने भी खेतों में नमी कम कर दी है, जिससे किसान चिंतित हैं।

मौसम में आए बदलाव के कारण जगदलपुर सहित बस्तर के अधिकांश हिस्सों में उमस बढ़ गई है। दिनभर बादलों और धूप के बीच मौसम बदलता रहा,लेकिन बारिश नहीं होने से खेती-किसानी पर चिंता गहराने लगी है। हालांकि मौसम विभाग ने मंगलवार से प्रदेश में फिर वर्षा की गतिविधियां बढ़ने और कई क्षेत्रों में झड़ी लगने की संभावना जताई है। ऐसे में किसानों को अच्छी बारिश का इंतजार है, ताकि खरीफ की खेती प्रभावित न हो।

बारिश पर टिकी खरीफकी उम्मीद

बस्तर में खरीफ सीजन पूरी तरह मानसून पर निर्भर है। अधिकांश किसान खुर्रा बोनी कर चुके हैं और अब धान की नर्सरी को पर्याप्त पानी की आवश्यकता है। समय पर बारिश होने से खेती की रफ्तार तेज होगी, जबकि वर्षा में और देरी होने पर किसानों को दोबारा बोनी या अतिरिक्त सिंचाई की व्यवस्था करनी पड़ सकती है।

सिंधी समाज का साईं झूलेलाल चालीहा महोत्सव 16 जुलाई से

- 40 दिनों तक होगी अखंड ज्योति और पूजा-अर्चना

जगदलपुर/नवप्रदेश। सिंधी समाज का आस्था और श्रद्धा का प्रमुख पर्व साईं झूलेलाल चालीहा महोत्सव 16 जुलाई से प्रारंभ होकर 25 अगस्त तक मनाया जाएगा। 40 दिवसीय इस महोत्सव के दौरान श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान झूलेलाल की जल एवं ज्योति स्वरूप पूजा-अर्चना करेंगे। प्रतिदिन प्रातः एवं रात्रि 8 बजे सिंधु भवन में आरती, अरदास तथा कथा का आयोजन होगा। पूरे महोत्सव के दौरान अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित रहेगी।

पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मनीष मूलचंदानी ने बताया कि चालीहा महोत्सव सिंधी समाज की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। मान्यता है कि 40 दिनों तक श्रद्धापूर्वक पूजा एवं अखंड ज्योति की आराधना करने से सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है। इस अवधि में अनेक श्रद्धालु बाल एवं दाढ़ी नहीं कटवाते तथा एक समय सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं, जिसमें लहसुन और प्याज का सेवन भी वर्जित रहता है।

गुरुसंगत गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सुंदर भोजवानी ने बताया कि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे,जिनमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता रहेगी। सिंधी पंचायत के सहसचिव बृजलाल नागवानी ने बताया कि प्रथम दिवस 16 जुलाई को धमतरी स्थित झूलेलाल मंदिर से सेवदारों का जत्था पहुंचकर धूनी आयोजन करेगा। इसके साथ ही बहराणा साहिब की पूजा कर महादेव घाट में विसर्जन की परंपरा निभाई जाएगी।

आयोजन को सफल बनाने में पूज्य सिंधी पंचायत, गुरुसंगत गुरुद्वारा कमेटी,नवयुवक मंडल सिंधी समाज,सेवा समर्पण,सुहिणी सोच,जय झूलेलाल टीम एवं एसपीएल टीम सहित विभिन्न सामाजिक संगठन सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने सभी सनातन धर्मावलंबियों से आयोजन में सहभागी बनने का आग्रह किया।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की परिचयात्मक बैठक संपन्न

जगदलपुर/नवप्रदेश। भाजपा कार्यालय में नगर मंडल पश्चिम के पिछड़ा वर्ग मोर्चा की परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक अधिक सशक्त बनाने, सदस्यता विस्तार अभियान को गति देने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने संगठनात्मक दायित्वों के प्रभावी निर्वहन और प्रत्येक बूथ तक संगठन की सक्रिय पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। इसी उद्देश्य से सदस्यता अभियान को व्यापक रूप से चलाने,नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने पर सहमति बनी। संगठन की गतिविधियों को जनहित के कार्यों से जोड़ते हुए अधिक सक्रियता से कार्य करने का भी आह्वान किया गया। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने राष्ट्रहित एवं संगठनहित को सर्वोपरि रखते हुए समर्पित भाव से कार्य करने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। भाजपा नगर मंडल पश्चिम के अध्यक्ष प्रकाश झा, उपाध्यक्ष शशिनाथ पाठक एवं योगेश शुक्ला,महामंत्री संजय चंद्राकर एवं अतुल सिन्हा,कोषाध्यक्ष आशा साहू,नगर मंत्री सूर्य भूषण तथा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नगर अध्यक्ष कमलेश विश्वकर्मा सहित मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

पेज 1 का शेष...

कैग का खुलासा: जल जीवन...

ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की गई। रिपोर्ट के मुताबिक जल जीवन मिशन की शुरुआत अगस्त 2019 में हुई थी। उस समय राज्य के केवल 3.20 लाख (6 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन थे। मार्च 2024 तक यह संख्या बढ़कर 38.97 लाख (78 प्रतिशत) हो गई, जिस पर 11,034.26 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसके बावजूद कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के मामले में छत्तीसगढ़ देश में 23वें स्थान पर रहा। कैग ने बताया कि मार्च 2024 तक राज्य के सभी 19,656 गांवों को 'हर घर जल' प्रमाणित किया जाना था, लेकिन केवल 716 गांव (3.64 प्रतिशत) ही प्रमाणित किए जा सके। कई मामलों में अधूरी योजनाओं के बावजूद गांवों को हर घर जल घोषित करने की स्थिति भी सामने आई।

राज्य की वित्तीय स्थिति...

है। हालांकि लेखापरीक्षा के बाद राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 4.48 प्रतिशत पर रहा, जो पिछले वर्ष के 5.44 प्रतिशत से कम है। राज्य की कुल बकाया देनदारियां भी 15वें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर पाई गईं। कैग ने बजट प्रबंधन में कुछ कमियां भी उजागर की हैं। रिपोर्ट में यह बताया गया कि वर्ष 2024-25 में 25 नई योजनाओं के लिए 261.41 करोड़ रुपये का प्रावधान होने के बावजूद कोई खर्च नहीं किया गया। इसके अलावा छह विनियोगों में 1,538.65 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ, जिसके नियमितीकरण की आवश्यकता बताई गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मार्च 2025 तक राज्य पर 1.53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बजटीय देनदारियां तथा 4,776.57 करोड़ रुपये की ऑफ-बजट देनदारियां थीं। साथ ही भारतीय सरकारी लेखांकन मानकों के कुछ प्रावधानों का पूर्ण पालन नहीं किए जाने की भी टिप्पणी की गई है।

पानी, खाद-बीज और...

हुआ? उन्होंने सवाल उठाया कि पुलिस दस्तावेज में नाम होने के बावजूद वेदांता के निदेशक अनिल अग्रवाल को अब तक क्यों नहीं पकड़ा गया?

पूर्व सीएम बघेल का गंभीर आरोपः पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने अडाणी समूह का नाम लेते हुए सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा, चिंता अनिल अग्रवाल को बचाने की नहीं है, बल्कि डर इस बात का है कि कहीं वेदांता को दबाव में लाकर उसकी संपत्ति औने-पौने दाम में न बेच दी जाए। सरकार यहाँ की जमीनों को बेचने का षड्यंत्र कर रही है।

सरकार का जवाबः उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश के 32 कारखानों में सेफ्टी ऑडिट हो चुका है। वेदांता मामले में पीड़ितों को 35-35 लाख का मुआवजा दिया गया है और पुलिस मुस्तैदी से जांच कर रही है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकाल में 300 जबकि कांग्रेस के कार्यकाल में 400 श्रमिकों की मौत हुई थी। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया।

होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी हमला...

किया। विदेश मंत्रालय ने घटना पर गंभीर चिंता जताई और ईरानी मिशन से जवाब मांगा।

अमेरिका की ईरान पर 5 घंटे बमबारी: इधर, अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान पर करीब पांच घंटे बमबारी की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा करेगा। इसके बदले हर कार्गो पर 20 प्रतिशत शुल्क वसूलेगा। ईरानी जहाजों और उसके ग्राहकों पर नई पाबंदियां लागू कीं है।

बस्तर को देश का अग्रणी...

2024 को रायपुर में आयोजित नक्सल प्रभावित राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की उच्च स्तरीय बैठक के बाद नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की गई। इसके अनुरूप सुरक्षा अभियानों को गति देने के साथ-साथ विकास कार्यों का भी समानांतर विस्तार किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भी अभियान की नियमित समीक्षा की। स्वयं उन्होंने बस्तर क्षेत्र का लगातार दौरा कर सुरक्षा बलों का उत्साहवर्धन किया तथा विभिन्न गांवों में पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ समाज के उन लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया, जिन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने की इच्छा व्यक्त की। इसी उद्देश्य से आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए व्यापक और मानवीय नीति लागू की गई। उन्होंने कहा कि पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता, भूमि, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार तथा सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध कराए गए। इससे बड़ी संख्या में लोगों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति केवल पुनर्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'नियद नेल्ला नार' योजना इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। इस योजना के अंतर्गत सुरक्षा कैंपों के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 525 गांवों में 17 विभागों की 43 व्यक्तिगत एवं सामुदायिक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया। इससे ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ एकीकृत रूप से उपलब्ध कराया जा रहा है तथा प्रशासन के प्रति उनका विश्वास और मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग के 240 नक्सल प्रभावित गांवों में पूर्व में बंद पड़े 458 विद्यालयों में से 421 विद्यालयों का पुनः संचालन प्रारंभ किया गया है तथा 36 नए विद्यालय स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बस्तर में आधारभूत अधोसंरचना के विस्तार को भी तेज गति से आगे बढ़ा रही है। 3,513 करोड़ रुपये की लागत से जगदलपुर-रावघाट रेल परियोजना पर कार्य जारी है, जिससे बस्तर की रेल संपर्क व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि जगदलपुर में हवाई सेवाओं का भी विस्तार किया गया है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और बेहतर हुई है।

उन्होंने कहा कि रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस-वे का निर्माण अंतिम चरण में है। यह परियोजना बस्तर को देश के प्रमुख आर्थिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन, व्यापार और निवेश को भी नई गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने के लिए बस्तर संभाग के सभी विकासखंडों में कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल एवं संस्कृति के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक तथा बस्तर पंडुम जैसे अभिनव आयोजन किए गए। इन आयोजनों में 4 लाख से अधिक लोगों की सहभागिता हुई, जिससे सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक गौरव और जनभागीदारी को नई मजबूती मिली। उन्होंने गृहमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप और जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव के नक्सल उन्मूलन की लड़ाई में योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना नहीं है, बल्कि बस्तर के लोगों के जीवन स्तर में स्थायी सुधार लाना है। सुरक्षा, विकास और जनकल्याण की एकीकृत रणनीति के माध्यम से बस्तर आज विश्वास, अवसर और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

धार भोजशाला परिसर के...

जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है। सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी। वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर सकेंगे।

11 साल में तीसरी बार...

है। वहीं, उत्तर प्रदेश में 1 जून से 13 जुलाई के बीच 161.6 मिमी बारिश हुई, जो कि औसतन 199.7 मिमी से 19% कम है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में अधिकतम पारा 41.5 डिग्री रहा।

न्यूज गैलरी

'सुराना एंड सुराना जुडेक्स 4.0 मानवाधिकार कानून मूट कोर्ट प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया

रायपुर/नवप्रदेश। कलिंगा विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने सुराना एंड सुराना इंटरनेशनल अटॉर्नीज़ के सहयोग से 10 जुलाई 2026 को उद्घाटन समारोह और 11 जुलाई 2026 को ऑनलाइन प्रारंभिक दौर (राउंड I और II) के साथ 'सुराना एंड सुराना जुडेक्स 4.0 मानवाधिकार कानून मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2026-27' का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भारत भर के अग्रणी लॉ स्कूलों और विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाली 26 टीमों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य कानूनी अनुसंधान (लीगल रिसर्च), वकालत (एडवोकेसी), ड्राफ्टिंग और मानवाधिकार कानून के व्यावहारिक अनुप्रयोग में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। यह प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की जा रही है। जहाँ उद्घाटन समारोह और प्रारंभिक दौर 10-11 जुलाई 2026 को ऑनलाइन आयोजित किए गए, वहीं ऑफलाइन ऑक्टा-फ़ाइनल, क्वार्टर-फ़ाइनल, सेमी-फ़ाइनल, फ़ाइनल और वैलेडिक्टरी सेरेमनी का आयोजन 7-8 अगस्त 2026 को कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर के विधि संकाय में किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और उत्तराखंड लोक सेवा न्यायाधिकरण (देहरादून) के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति यू.सी. ध्यानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने मुख्य भाषण में, न्यायमूर्ति ध्यानी ने मानवाधिकारों की रक्षा में संवैधानिक मूल्यों, न्यायिक नैतिकता और कानून के शासन (रूल ऑफ लॉ) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वकीलों को ईमानदारी, व्यावसायिकता और करुणा के साथ न्याय को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं वकालत, कानूनी तर्क और अदालती कौशल विकसित करने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करती हैं।

मैट्स विश्वविद्यालय में एजेंटिक एआई पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

रायपुर/नवप्रदेश। मैट्स विश्वविद्यालय, आरंग स्थित मैट्स स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमएसईआईटी) के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के लिए एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एजेंटिक एआई) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति डॉ. अमर शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान एवं प्रदर्शन सत्र के दौरान एजेंटिक एआई की अवधारणा, संरचना, कार्यप्रणाली, अनुप्रयोगों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने स्वायत्त निर्णय-निर्माण, कार्यप्रवाह स्वचालन तथा एआई एजेंट्स के वास्तविक जीवन में बढ़ते उपयोग को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. (डॉ.) के. पी. यादव ने विद्यार्थियों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। निदेशक डॉ. बृजेश पटेल ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों से जोड़ने तथा उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक गुरु के नेतृत्व में तथा डॉ. अराधना कुमारी सिंह एवं अन्य संकाय सदस्यों के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त, साइबर सुरक्षा और सॉफ्टवेयर विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एजेंटिक एआई के अनुप्रयोगों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने हैंड्स-ऑन सत्र के माध्यम से आधुनिक एआई टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

लाटापारा से प्राचार्य हटाने का आदेश तत्काल वापस ले सरकार: संजय नेताम

मैनपुर/नवप्रदेश। विकासखंड मैनपुर के अत्यंत दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्र स्थित शासकीय हाई स्कूल लाटापारा के प्राचार्य गजानंद सोनवानी की प्रतिनियुक्ति के विरोध में जनआक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में ग्राम पंचायत गौरगांव के सरपंच, ग्राम लाटापारा के ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मैनपुर पहुँचकर ज्ञापन सौंपा तथा प्रतिनियुक्ति आदेश तत्काल निरस्त करने की मांग की।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने भी बीईओ को पृथक ज्ञापन सौंपते हुए आग्रह किया कि लाटापारा विद्यालय की वास्तविक स्थिति से जिला प्रशासन एवं राज्य शासन को तत्काल अवगत कराया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम भी पत्र प्रेषित कर इस आदेश पर तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। आगे नेताम ने कहा कि लाटापारा क्षेत्र पहले से ही शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है। यदि वर्तमान प्राचार्य को बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए कार्यमुक्त किया जाता है,तो विद्यालय लगभग एकल शिक्षक व्यवस्था की स्थिति में पहुँच जाएगा।

सिटी प्रेस क्लब ने पूर्व एसपी को दी विदाई, नवागत एसपी का अभिनंदन

बेमेतरा/नवप्रदेश। सिटी प्रेस क्लब की ओर से मंगलवार पूर्व पुलिस अधीक्षक एवं वर्तमान डीआईजी रामकृष्ण साहू को भावभीनी विदाई तथा नवागत पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के सम्मान में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारों और पुलिस अधिकारियों ने जिले में बेहतर पुलिसिंग, पारदर्शिता और मीडिया-पुलिस समन्वय को लेकर अपने विचार साझा किए। समारोह में वरिष्ठ सदस्य दिनेश दुबे एवं वक्ताओं ने पूर्व एसपी रामकृष्ण साहू के करीब दो वर्ष छह माह के कार्यकाल को जिले के सबसे लंबे और उल्लेखनीय कार्यकालों में से एक बताते हुए उनकी कार्यशैली, संवेदनशीलता और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयासों की सराहना की। पत्रकारों ने कहा कि उनके कार्यकाल में पुलिस और मीडिया के बीच सकारात्मक संवाद स्थापित हुआ, जिससे कई मामलों में अपराध नियंत्रण और जनजागरूकता को मजबूती मिली। पत्रकार दिनेश दत्त दुबे, योगेश राजपूत, आनंद साहू, अरुण सोनी, खिलेश धृतलहरे एवं ममता ग्वालवंशी,आशीष कांटले ,अरविंद गोस्वामी,ने भी श्री साहू के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तीजन बाई की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाएगी राज्य सरकार: सीएम साय

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पद्म विभूषण स्व. डॉ. तीजन बाई को दी श्रद्धांजलि

भिलाई/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज दुर्ग जिले के ग्राम गनियारी पहुंचे, जहां उन्होंने विश्वविख्यात पंडवानी गायिका, पद्मश्री, पद्मभूषण एवं पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय डॉ. तीजन बाई के दशगात्र एवं श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके पैतृक गृह ग्राम गनियारी में आयोजित इस शोकसभा में मुख्यमंत्री ने स्व. डॉ. तीजन बाई के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया तथा शोकसंतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि स्व. डॉ. तीजन बाई केवल छत्तीसगढ़ की नहीं, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक पहचान थीं। उन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा, अद्भुत साधना और पंडवानी की कापालिक शैली के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव के अवसर पर प्रतिवर्ष 'डॉ. तीजन बाई लोककला अलंकरण' प्रदान किया जाएगा, जिसके माध्यम से लोक कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कलाकारों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम गनियारी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नामकरण स्व. डॉ. तीजन बाई के नाम पर किया जाएगा, ताकि इस क्षेत्र के विद्यार्थी उनके जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों से प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री ने यह कहा कि लोककला की महान साधिका डॉ. तीजन बाई की स्मृतियों को राज्य सरकार द्वारा चिरस्थायी रखते हुए उनकी जीवनभर की कला-साधना के प्रतीक रहे तंबूरे को रायपुर के संग्रहालय में पूरे सम्मान के साथ संरक्षित रखा जाएगा, जिससे भविष्य की पीढ़ियां उनकी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें। श्रद्धांजलि सभा को सांसद विजय बघेल, प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल तथा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पद्मश्री आर.एस. बारले, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित अन्य गणमान्यजन, छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न अंचलों से पहुंचे कलाकार, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

जिला अस्पताल के मुख्य द्वार पर निजी एम्बुलेंस का जमावड़ा, रेफर सेंटर बनकर रहा गया जिला अस्पताल

मरीजों से मनमाना किराया वसूल रहे एम्बुलेंस चालक

■ मरीजों के परिजनों ने लगाए अधिक पैसे मांगने के आरोप, अस्पताल प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिला अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने निजी एम्बुलेंसों का जमावड़ा मरीजों और उनके परिजनों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल से दूसरे शहरों के अस्पतालों में रेफर किए जाने वाले मरीजों को ले जाने के नाम पर कुछ निजी एम्बुलेंस संचालक निर्धारित दर से अधिक राशि की मांग करते हैं। मजबूरी में कई परिवारों को ऊंचा किराया देने के लिए विवश होना पड़ता है।

बताया जाता है कि जिला अस्पताल से रायपुर, दुर्ग, भिलाई सहित अन्य बड़े अस्पतालों के लिए रेफर होने वाले मरीजों के परिजनों से एम्बुलेंस संचालक मौके का फायदा उठाकर मनमाना किराया बताते हैं। गंभीर स्थिति में मरीज होने के कारण परिजन मोलभाव भी नहीं कर पाते और तत्काल एम्बुलेंस की व्यवस्था करनी पड़ती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल के मुख्य द्वार पर निजी एम्बुलेंसों की लगातार मौजूदगी से यातायात भी प्रभावित होता है। इसके बावजूद व्यवस्था को लेकर प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं देती। लोगों का मानना है कि अस्पताल परिसर के बाहर एम्बुलेंस संचालन के लिए स्पष्ट नियम और किराया सूची प्रदर्शित की जानी चाहिए, ताकि मरीजों का आर्थिक शोषण न हो।

इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि अस्पताल प्रशासन नियमित निगरानी करे और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करे तो ऐसी स्थिति पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने की उचित कार्यवाही की मांग

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने जिला प्रशासन से निजी एम्बुलेंस सेवाओं की जांच कराने, किराया सूची सार्वजनिक करने, अस्पताल परिसर के बाहर अनियंत्रित खड़े वाहनों पर नियंत्रण करने तथा शिकायत मिलने पर दोषी पाए जाने वाले संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

21 से 29 जुलाई तक होगा भव्य आठ दिवसीय श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के कचना स्थित अमलतास परिसर में अवस्थित मुनि सुब्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में दिनांक 21 जुलाई से 29 जुलाई तक भव्य एवं श्रद्धामय वातावरण में आठ दिवसीय 卐श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान卐 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जैन धर्म की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं पुण्यदायी धार्मिक परंपराओं में से एक माना जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, धर्मप्रेमी एवं समाजजन सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे। आयोजन के दौरान प्रतिदिन प्रात:कालीन मंगलाचरण, भगवान जिनेन्द्र देव का अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन, श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान, मंत्रोच्चार, आराधना, भक्ति, प्रवचन एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

क्या क्रमोन्नत-समयमान वेतनमान का तुलनात्मक अध्ययन किए बिना विकल्प पत्र भरना सुसंगत है?

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी ने मुख्य सचिव,वित्त सचिव,शिक्षा सचिव,जी ए डी सचिव एवं संचालक लोक शिक्षण छत्तीसगढ़ को ईमेल कर तथ्यात्मक पक्ष पुनः रखा है। तत्सम्बन्धी जानकारी देते हुए प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी प्रांतीय प्रमुख महामंत्री सतीश ब्यौहरे, जिला अध्यक्ष पी. आर. झाड़े, जिला संरक्षक मुकुल साव, पी एल साहू, जितेंद्र बघेल, सी एल चंद्रवंशी, वीरेंद्र कुमार रंगारी, बृजभान सिन्हा, पुष्पेंद्र साहू, शिरीष कुमार पांडे, हेमंत पांडे, उत्तम डड़सेना, अब्दुल कलीम खान, सुधांशु सिंह, सोहन निषाद, संजीव मिश्रा, संगीता ब्यौहरे, नीलू झाड़े, सीमा तरार, यामिनी साहू, अभिषिक्ता फंदियाल, स्वाति वर्मा, शिवानी दीवान तिवारी, एवं अनिल साहू ने बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रचलित क्रमोन्नति योजनाओं का वित्त विभाग के प्रचलित समयमान वेतनमान में समाहित करने के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग (नियम शाखा-3) का आदेश RULE/81/2026-GAD-3 नवा रायपुर दिनांक 09-06-2026 द्वारा 31.03.26 तक नियुक्त शासकीय सेवक को आदेश जारी होने की तिथि से एक माह के अवधि में क्रमोन्नत वेतनमान अथवा समयमान जो भी लाभप्रद हो,किसी एक योजना के विकल्प का चयन करने का आदेश दिया है।

पीएचई ठेकेदार आत्महत्या मामला: 25 पन्नों के कथित सुसाइड नोट से नए आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

खैरागढ़/छुईखदान/नवप्रदेश। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के ठेकेदार गणेश्वर जंघेल की आत्महत्या के मामले में 25 पन्नों का एक कथित सुसाइड नोट सामने आने के बाद प्रकरण ने नया मोड़ ले लिया है। नोट में विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों पर कमीशन मांगने, मानसिक प्रताड़ना देने और भुगतान में अनावश्यक विलंब करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों के सामने आने के बाद छुईखदान पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गणेश्वर जंघेल ने 16 जून को आत्महत्या कर ली थी। परिजनों का आरोप है कि पीएचई विभाग में लंबे समय तक निर्माण कार्यों का भुगतान नहीं होने, लगातार मानसिक दबाव और बढ़ते आर्थिक संकट के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। परिवार का कहना है कि पानी टंकी निर्माण का कार्य पूरा करने के लिए गणेश्वर ने घर के गहने गिरवी रखे, बैंक से ऋण लिया और साहूकारों से भी ब्याज पर पैसा उधार लिया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33295 दिनांक 14.07.2026
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR568G00517 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DEV KUMAR DEVANGAN पिता / पति श्री/ श्रीमती KARTIK RAM DEVANGAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SIYA SHRIVAS पिता /पति श्री/श्रीमती SHRI KRIPASHANKAR SHRIVAS ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्रीमति राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 5)
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33229 दिनांक 14.07.2026
वार्ड का नाम- 39 - ठाकुर प्यारे लाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR560D00451 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MO. SIDDIQUI पिता / पति श्री/श्रीमती NOOR MUHAMMAD के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती NUR BI पिता /पति श्री/श्रीमती LT. ABOO BAKAR SIDDIK ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / FAUTI NAMANTARAN / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 5)
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33224 दिनांक 14.07.2026
वार्ड का नाम- 39 - ठाकुर प्यारे लाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 39 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR560E00034 जो की निगम अभिलेख श्री/ RAIPUR VIKAS PRADHIKARAN पिता / पति श्री/ श्रीमती ...... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती HALIMA BEGAM KURAISHI, RIZWANA QURAISHI, ABDUL AZIM QURAISHI, MOHAMMAD ASLAM QURAISHI, FARZANA ANJUM, MOHD ARSHAD QURAISHI पिता /पति श्री/श्रीमती PISRAN LT. ABDUL AZIZ KURAISHI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक बना जगन्नाथ रथयात्रा दिवस

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पिछले कई दशकों से अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता, शुद्धता, विश्वसनीयता और ग्राहकों के अटूट विश्वास के कारण विशेष पहचान बना चुके अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स (ए.टी. पैलेस) का स्थापना दिवस इस वर्ष भी भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथयात्रा के शुभ अवसर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। वर्ष 1957 में स्थापित यह प्रतिष्ठान आज केवल एक आभूषण व्यवसाय नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की व्यापारिक संस्कृति, सामाजिक सेवा और धार्मिक आस्था का एक सशक्त प्रतीक बन चुका है।

लगभग सात दशकों से अधिक समय की अपनी गौरवशाली यात्रा में अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स ने ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहकों के विश्वास को अपनी सबसे बड़ी पूंजी माना है। यही कारण है कि रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लाखों परिवारों का भरोसा आज भी इस प्रतिष्ठान पर कायम है। बदलते समय, आधुनिक तकनीक और नए डिजाइनों के बावजूद इस संस्थान ने अपनी परंपराओं और मूल्यों को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया है। प्रतिष्ठान की स्थापना भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा के पावन दिवस पर हुई थी।

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय रा.भ.रा. एन.ई.एस. स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय,
जशपुरनगर, जिला-जशपुर (छ.ग.)

निविदा सूचना

शास रा.भ.रा. एन ई एस स्ना. महाविद्यालय जशपुर के ग्रंथालय हेतु सत्र 2026-27 के लिए पुस्तके क्रय किया जाना है अतः इस हेतु निविदा महाविद्यालय के शर्तों के अधीन 31-08-2026 तक आमंत्रित किया जाता है निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा। शर्तो हेतु www.rbrnesjashpur.in का अवलोकन करे।

(डॉ. अमरेन्द्र)
प्राचार्य शास.रा.भ.रा.एन.ई.एस.स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जशपुरनगर (छ.ग.)
जी-262702077/5

कार्यालय संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक,
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कांकेर, संबंद्ध चिकित्सालय कांकेर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

क्रमांक / संयु.सं.सह.अ.अधी. / भण्डार / 2026-27/3492 / कांकेर, दिनांक, 10/07/2026

// निविदा आमंत्रण सूचना//

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कांकेर, संबंद्ध चिकित्सालय कांकेर के लिए वर्ष 2026-27 में निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत विक्रेताओं से अस्थि रोग एवं अन्य विभागों के इंम्प्लांट सामग्री के क्रय हेतु मुहरबंद निविदायें रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर, (जी. एस.टी. प्रमाण पत्र सहित) रूपये 1000/- (एक हजार रूपये) अधोहस्तारकर्ता के नाम डी.डी. / बैंकर्स चेंक के रूप में मूलतः प्रस्तुत कर अंतिम तिथि तक कार्यालयीन दिवस व कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते है।

1. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि :- 27/07/2026 अपरान्ह 04:00 बजे तक
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :- 28/07/2026 अपरान्ह 12:00 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि :- 28/07/2026 अपरान्ह 01:00 बजे

संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक,
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, संबंद्ध चिकित्सालय कांकेर (छ.ग.)
जी- 262702063/3

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)
E-mail-eemohla-phe@cg.gov.in

//ई-प्रोक्योरमेंट//
निविदा आमंत्रण सूचना (रिस्क एंड कास्ट)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'अ' में जल जीवन मिशन अंतर्गत जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम/रेट्रोफिटिंग योजनांतर्गत जिला मोहला- मानपुर- अ.चौकी के विभिन्न विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों में **रिस्क एवं कास्ट** में अधूरे छोड़े कार्य जिसमें UPVC/HDPE पाईप लाईन जोड़ने बिछाने, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, स्वीच रूम, उच्चस्तरीय जलागार के चारो ओर बाउंड्रीवॉल निर्माण, सबमर्सिबल पंप का प्रदाय एवं स्थापना कार्य, विद्युत विभाग (CSPDCL) से इलेक्ट्रिक कनेक्शन, इलेक्ट्रोक्लोरीनेटर स्थापना, क्लोरीनेटर रूम, घरों एवं शासकीय संस्थानों में कार्यरत नल कनेक्शन प्रदाय आदि एवं अन्य समस्त कार्य, टेस्टिंग, 03 माह का ट्रायल रन, 06 माह तक संचालन संधारण का कार्य (सम्पूर्ण कार्य सामग्री सहित, संलग्न शेड्युल अनुसार) की निविदाए दिनांक 10.07.2026 से ऑन लाईन पर आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्य के निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 17.07.2026 से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदा डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 31.07.2026 (शाम 5:30 बजे) तक है।

निविदा में जारी एस.ओ.आर. **PHE दिनांक 01.06.2020 से लागू एवं संशोधन 05/2021.22 तक तथा PWD 2015 का दिनांक 07.04.2016 से लागू समस्त संशोधन सहित पर तैयार किया गया है।**

क्र.	निविदा क्रमांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	योजना/ग्राम का नाम	निविदा की लागत (रू.लाख में)	निविदा आमंत्रण का प्रकार
1	40	195219	मोहला	मरकाटोला, धनेगांव	19.36	द्वितीय
2	41	195224	मानपुर	खुर्सेखुर्द	29.80	द्वितीय
3	42	195226	मानपुर	परालझरी	31.06	द्वितीय
4	43	195227	अं.चौकी	खुर्सीटिकुल	38.38	द्वितीय
5	44	195228	मानपुर	भर्रीटोला, ईरागांव, कहगांव	46.83	द्वितीय
6	45	195229	मानपुर	चवेला, साल्हे, फूलकोड़ो	56.24	द्वितीय
7	46	195230	मानपुर	खड़गांव, भटगांव	56.29	द्वितीय
8	47	195231	मोहला	भालापुर	7.75	तृतीय
9	48	195232	मानपुर	गोटुलमुंडा	21.51	चतुर्थ
10	49	195235	मानपुर	कनेली, कोरकट्टी, हनईकलकला	21.53	चतुर्थ
11	50	195236	मोहला	बोदाल, जोबटोला, दनगढ़, कुम्हली	111.39	चतुर्थ
12	51	195237	चौकी	कातुलवाही	28.03	पंचम
13	52	195238	चौकी	पांगरी, खैरी, मांझीटोला	52.82	पंचम
14	53	195239	चौकी	मुंजाल, झिटिया, खड़खड़ी	61.38	पंचम
15	54	195240	मोहला	शेरपार, ककईपार, चांपाटोला	72.28	पंचम

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)
जी- 262702074/7

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत पर दी बधाई

रायपुर/नवप्रदेश। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करते हुए टेस्ट मैच में जीत दर्ज करने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि यह जीत केवल एक मैच की सफलता नहीं, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट के निरंतर सशक्त होते सफर, खिलाड़ियों के आत्मविश्वास, अनुशासन और अदम्य क्षमता का प्रतीक है। विश्व क्रिकेट के प्रतिष्ठित मैदान लॉर्ड्स पर मिली यह ऐतिहासिक विजय प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह उपलब्धि देश की युवा बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। खिलाड़ियों के समर्पण, कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट टीम भावना ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय बेटियां हर क्षेत्र में विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने टीम की सभी खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ एवं सहयोगी दल को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड के स्वर्ण पदक विजेताओं को दी बधाई

रायपुर/नवप्रदेश। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कोलंबिया में आयोजित 56वें अंतरराष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड 2026 में स्वर्ण पदक जीतने पर कनिष्क जैन, रिद्धेश अनंत बेंडाले, ऋषित गर्ग, श्रेष्ठ सुरैया एवं स्वरित जोशी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि विद्यार्थियों की यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व और गौरव का विषय है। उन्होंने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और वैज्ञानिक सोच के बल पर न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता का परिचय दिया है, बल्कि विश्व मंच पर भारत का मान भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय विद्यार्थियों का लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन देश की युवा प्रतिभाओं की क्षमता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रमाण है। यह सफलता देशभर के विद्यार्थियों को ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सभी स्वर्ण पदक विजेताओं, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विश्वास व्यक्त किया कि वे भविष्य में भी भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन करते रहेंगे।

नारायणपुर के विद्यार्थियों ने किया दिल्ली संसद भवन का भ्रमण

■ *राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता में EMRS छेरीबेड़ा के बच्चों ने बिखेरी चमक, छत्तीसगढ़ की टीम उपविजेता*

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा स्कूली और कॉलेज छात्रों के लिए आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय प्रक्रियाओं की समझ और नेतृत्व गुणों का विकास करना है ताकि वे जिम्मेदार नागरिक और भविष्य के जन-प्रतिनिधि बन सकें। जब हौसले बुलंद हों और मार्गदर्शन सही मिले, तो छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नारायणपुर के सुदूर वनांचल की प्रतिभाएँ भी देश की राजधानी दिल्ली तक अपनी धमक दर्ज करा सकती हैं। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाने वाले 8 प्रतिभावान विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। इन बच्चों को अब देश के लोकतंत्र के मंदिर– नई दिल्ली स्थित संसद भवन का शैक्षणिक भ्रमण करने और वहाँ लाइव कार्यवाही देखने का ऐतिहासिक अवसर मिलेगा।

छत्तीसगढ़ की टीम उपविजेता बनकर उभरी

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल के नारायणपुर जिले में स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय छेरीबेड़ा के विद्यार्थियों ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। राजस्थान के उदयपुर में आयोजित आंचलिक स्तरीय राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता में इस विद्यालय की 53 सदस्यीय टीम ने न केवल छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि अपने उत्कृष्ट और ओजस्वी प्रदर्शन से पूरे प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की टीमों के बीच कड़ा मुकाबला था, जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम उपविजेता बनकर उभरी।

छत्तीसगढ़ में चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम की तैयारी, टास्क फोर्स का हुआ गठन

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप छत्तीसगढ़ में चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए राज्य सरकार ने टास्क फोर्स का गठन किया है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मानकों के अनुरूप व्यवस्था तैयार करेगी। विधानसभा में भाजपा विधायक लता उसेंडी और अजय चंद्राकर के सवालों के जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के अधीन किसी भी जिले में बीएड और डीएड महाविद्यालय संचालित नहीं हैं। वर्तमान में इन संस्थानों का संचालन स्कूल शिक्षा विभाग और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा किया जाता है। मंत्री ने बताया कि प्रदेश के 13 महाविद्यालयों में बीएड कॉलेज शुरू करने की संभावनाएं हैं। हालांकि, यूजीसी के निर्धारित मानकों से अलग हटकर कोई भी बीएड कॉलेज प्रारंभ नहीं किया जा सकता। इसी उद्देश्य से यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने के लिए टास्क फोर्स गठित की गई है। उन्होंने सदन को बताया कि विश्वविद्यालयों की अध्ययनशालाओं में 3,300 छात्रों की क्षमता है, जबकि वर्तमान में 1,898 छात्र अध्ययनरत हैं। यूजीसी मानकों के अनुसार यहां 223 शिक्षकों की आवश्यकता है, लेकिन फिलहाल केवल 29 नियमित शिक्षक कार्यरत हैं। वहीं, विश्वविद्यालयों से संबद्ध महाविद्यालयों में 44,632 छात्रों की क्षमता के मुकाबले 21,972 छात्र अध्ययनरत हैं। यूजीसी मानकों के अनुसार इन महाविद्यालयों में 2,037 शिक्षकों की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में केवल 292 नियमित शिक्षक उपलब्ध हैं। मंत्री टंकराम वर्मा ने बस्तर स्थित शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक संवर्ग के 265 स्वीकृत पदों में 236 पद रिक्त हैं। वहीं गैर-शैक्षणिक संवर्ग के 320 स्वीकृत पदों के विरुद्ध भी बड़ी संख्या में पद खाली हैं।

विश्वविद्यालय स्तर पर कई प्रोफेशनल कोर्स में सीधे एडमिशन की सुविधा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रवेश दे रहा है। विश्वविद्यालय ने इंजीनियरिंग, फार्मेसी, मैनेजमेंट, शहरी नियोजन और कार्यरत पेशेवरों के लिए विशेष पाठ्यक्रमों में प्रवेश के अवसर प्रदान किए हैं। विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित कई कोर्सों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित है। बीटेक में सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई) तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में प्रवेश डीटीई एवं जोसा के माध्यम से होगा। इसके अलावा बी. फार्मा और एमबीए में भी प्रवेश प्रक्रिया डीटीई के माध्यम से संचालित की जा रही है। वहीं, विश्वविद्यालय स्तर पर एमटेक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सिविल , एनवायरनमेंट एंड वाटर रिसोर्स इंजीनियरिंग, एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग, माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स एंड वीएलएसआई, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एंड बायोइन्फॉर्मेटिक्स तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग शामिल हैं।

परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता अभियान तेज

जागरूकता रथ रवाना, सास-बहू सम्मेलन और जनजागरूकता कार्यक्रमों के जरिए दिया जाएगा स्वस्थ परिवार का संदेश

रायपुर/नवप्रदेश। जशपुर जिले में स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार की अवधारणा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 11 से 18 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। अभियान के तहत जिलेभर में परिवार नियोजन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर रोहित व्यास ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परिवार नियोजन के महत्व को घर-घर तक पहुंचाया जाए तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए।

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व, जनसंख्या स्थिरीकरण तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम जब बच्चे में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल रखी गई है। डॉ. जात्रा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य दंपतियों को गर्भधारण के उचित समय, दो बच्चों के बीच कम से कम तीन वर्ष का सुरक्षित अंतराल रखने तथा परिवार नियोजन के विभिन्न विकल्पों के प्रति जागरूक करना है। इससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ परिवार की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति भी मजबूत होती है।

अभियान के दौरान जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सास-बहू सम्मेलन, परामर्श शिविर और विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों के माध्यम से परिवार नियोजन से जुड़ी भ्रांतियों का निराकरण करते हुए योग्य दंपतियों को उपलब्ध सेवाओं एवं उनके लाभों की जानकारी दी जाएगी।

जब मासूम की चौखट पर खुद पहुंचा प्रशासन, दूर हुई आधार की बाधा

रायपुर/नवप्रदेश। ई-गवर्नेंस का वास्तविक उद्देश्य सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सुशासन, पारदर्शिता और दक्षता स्थापित करना है। इसका असली मकसद तकनीक के माध्यम से सरकारी सेवाओं को सरल बनाना है, ताकि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन को सुगम, सशक्त और सुरक्षित बनाया जा सके। सरकारी योजनाएँ जब फाइलों से निकलकर सीधे जरूरतमंदों के दरवाजे तक पहुँचती हैं, तो वह केवल एक प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की एक खूबसूरत मिसाल बन जाती है। सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिला प्रशासन ने हाल ही में कुछ ऐसी ही संवेदनशीलता दिखाई है, जहाँ तमाम बंदिशों और कठिन परिस्थितियों से जूझ रहे एक मासूम के घर पहुँचकर उसका आधार कार्ड बनाया गया।

शासन द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक ऐसे बच्चे की पहचान की गई थी, जिसकी उम्र 5 वर्ष से अधिक होने के बाद भी उसका आधार नामांकन नहीं हो पाया था। इस मासूम का परिवार अत्यंत कठिन दौर से गुजर रहा था।बच्चे की माता मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं, और पिता काफी समय पहले परिवार को छोड़कर अलग हो चुके हैं। देखभाल कर रहे परिजनों ने बिलाईगढ़, भटगांव, सरसीवा और सारंगढ़ के कई आधार केंद्रों के चक्कर लगाए, लेकिन विशेष पारिवारिक परिस्थितियों के कारण बच्चे को केंद्र तक ले जाकर प्रक्रिया पूरी कराना मुमकिन नहीं हो पा रहा था। जब यह मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आया, तो कलेक्टर ने इसे बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद ई-जिला प्रबंधक (श्ष्ठरू) की टीम तुरंत सक्रिय हुई। निर्देशों का पालन करते हुए आधार ऑपरेटर आवश्यक बायोमेट्रिक उपकरणों के साथ सीधे बच्चे के घर पहुँचे। बिना किसी देरी के बच्चे के घर पर ही संवेदनशीलता के साथ आधार नामांकन की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क संपन्न की गई। ई-गवर्नेंस (इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस) का अर्थ नागरिकों और व्यवसायों को सरकारी सेवाएं, जानकारी और संचार सुविधाएं प्रदान करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है।

रायपुर में मारपीट और चोरी के 5 मामले दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर पुलिस ने शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट, धमकी और चोरी के पांच मामलों में अपराध दर्ज किया है। घटनाएं कोतवाली, खमतराई, मोवा, खम्हारडीह और दीनदयाल उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र की हैं।

कोतवाली थाना क्षेत्र में कृष्णा पान ठेला, कालीबाड़ी चौक के पास एक व्यक्ति ने शराब पीने के लिए पैसे मांगने और पैसे नहीं देने पर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने तथा मारपीट कर घायल करने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं खमतराई थाना क्षेत्र में रेलवे अस्पताल के पास डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में उधार के पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। शिकायत के अनुसार आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट कर चोट पहुंचाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मोवा थाना क्षेत्र के आदर्श नगर में एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। अज्ञात चोर घर में घुसकर आलमारी में रखे चांदी के जेवर और एक मोबाइल फोन सहित कुल 10,590 रुपये की संपत्ति चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया है।

खम्हारडीह थाना क्षेत्र में आरोग्य अस्पताल के पास शंकर नगर में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायत के मुताबिक आरोपी ने तू मेरी चुगली करता है कहकर गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इन्वेस्टिचर सेरेमनी : आदर्श विद्यालय मोवा में छात्र नेतृत्व का औपचारिक गठन

रायपुर/नवप्रदेश। आदर्श विद्यालय, मोवा में शैक्षणिक सत्र हेतु नव-निर्वाचित छात्र नेतृत्व का भव्य एवं गरिमामय इन्वेस्टिचर सेरेमनी के माध्यम से औपचारिक गठन किया गया। यह समारोह नेतृत्व, उत्तरदायित्व एवं सेवा-भावना का उत्सव था, जिसने विद्यार्थियों को विद्यालय के आदर्शों एवं परंपराओं के अनुरूप उत्कृष्ट नेतृत्व का संदेश दिया।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के पूजन से हुआ। ज्ञान, विवेक एवं आदर्श नेतृत्व के लिए ईश्वर से आशीर्वाद प्राप्त करने के उपरांत विद्यालय ध्वज, विद्यालय के ध्वजवाहकों–हेड बॉय तेजस वर्मा, हेड गर्ल मेहर कौर कंग, डिप्टी हेड बॉय विनय साहू तथा डिप्टी हेड गर्ल हरलीन कौर कलसी–को सौंपा गया। यह ध्वज हस्तांतरण विद्यालय द्वारा उन पर व्यक्त किए गए विश्वास एवं उत्तरदायित्व का प्रतीक था।

नव-निर्वाचित छात्र नेतृत्व के पदाधिकारी इस प्रकार हैं

- अनुशासन मंत्री - केशर साहू
- सांस्कृतिक मंत्री - हरिप्रिया नायर
- खेल मंत्री - सचिन पिल्लई
- इको क्लब मंत्री - अनघा सतीश
- साहित्यिक क्लब मंत्री - प्रीतिपर्णा नायक
- स्वच्छता मंत्री - आयुषी साहू
- स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री - सादिया अंसारी

विद्यालय की प्राचार्या सबिता चतुर्वेदी ने नव-निर्वाचित छात्र नेतृत्व को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा उन्हें निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात प्राचार्या सबिता चतुर्वेदी एवं उप-प्राचार्या जलजा पिल्लई ने सभी पदाधिकारियों को बैज एवं औपचारिक सैश पहनाकर उन्हें उनके पदभार की जिम्मेदारियाँ सौंपते हुए विधिवत सम्मानित किया। समारोह के दौरान कक्षा प्रतिनिधियों, प्रॉक्टर्स तथा विभिन्न समितियों के छात्र प्रतिनिधियों ने भी शपथ ग्रहण की। सभी ने निष्पक्षता, अनुशासन, समर्पण एवं निःस्वार्थ सेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

प्राकृतिक आपदा में परिजनों को 12 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। जशपुर जिले में प्राकृतिक आपदाओं से हुई जनहानि के तीन मामलों में प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करते हुए जिला प्रशासन ने राजस्व पुस्तक परिपत्र (आर.बी.सी.) 6-4 के तहत कुल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

अपर कलेक्टर प्रदीप साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांसाबेल तहसील के ग्राम नकबार निवासी सुखयारो बाई की कुएं में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में उनकी माता बाई को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

इसी प्रकार मनोरा तहसील के ग्राम खोखसो बेंजोरा निवासी जयपाल राम की नाले में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी मनकुमारी बाई को 4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। वहीं, मनोरा तहसील के ग्राम बेंजोरा निवासी दिलसार अंसारी की कुएं में डूबने से हुई मृत्यु के मामले में उनके पिता जमील अंसारी को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रक्रियाएं प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जा रही हैं, ताकि संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों को त्वरित आर्थिक संबल मिल सके।

‘मोर गांव-मोर पानी’ महाअभियान को मिल रही व्यापक जनभागीदारी

वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत बालोद में 2.85 लाख जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण, 19.23 लाख घनमीटर अतिरिक्त जल संचयन क्षमता विकसित

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित ‘मोर गांव-मोर पानी’ महाअभियान प्रदेशभर में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दे रहा है। अभियान के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ-साथ जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं हरित विकास के कार्यों को व्यापक गति मिली है।

इसी क्रम में बालोद जिले में जिला प्रशासन द्वारा सभी ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, स्व-सहायता समूहों तथा सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता से जल संरक्षण के विविध कार्य किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य ÷जहाँ वर्षा हो, जब वर्षा हो - वहीं वर्षा जल का संचयन हो÷ की अवधारणा को व्यवहार में उतारना है।

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक शासकीय भवन में रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा सतही वर्षा जल संचयन के लिए रिचार्ज शाफ्ट, डबरी, तालाब एवं ट्रेंच का निर्माण किया गया है। साथ ही हैंडपंपों एवं प्रधानमंत्री आवासों में सोख्ता गड्ढों तथा वर्षा जल संचयन प्रणालियों की स्थापना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भू-जल संवर्धन के लिए रिचार्ज पिट, इंजेक्शन वेल, निष्क्रिय बोरवेलों का रिचार्ज, तालाबों का जीर्णोद्धार एवं गहरीकरण, चेकडैम, वाटर एब्जॉर्बिंग ट्रेंच सहित विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण एवं पुनर्जीवन किया गया है। जिले में वीबीजी-रामजी (मनरेगा), वन विभाग, जिला खनिज न्यास (डीएमएफ), विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं तथा जनभागीदारी के माध्यम से अब तक 2.85 लाख जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है, जिनसे लगभग 19.23 लाख घनमीटर अतिरिक्त जल संचयन क्षमता विकसित हुई है। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि, भूमि की नमी का संरक्षण, खरीफ एवं रबी दोनों फसलों के लिए सिंचाई सुविधा में सुधार तथा किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। अभियान की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार जनभागीदारी है। जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, ग्राम विकास समितियों, महिला कमांडो, ग्रीन आर्मी तथा स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से तालाबों एवं जलाशयों की स्वच्छता, घर-घर जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के प्रति जनजागरूकता तथा व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण एवं सीड बॉल अभियान संचालित किया जा रहा है।

तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बना रहा है. पर अब चीन के ही वैज्ञानिकों की नई स्टडी ने इस मेगा डैम की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है. इसमें कहा गया है कि जिस जगह डैम बन रहा है, उसके नीचे एक एक्टिव फॉल्ट लाइन है. अगर यहां बड़ा भूकंप आता है तो डैम और उससे जुड़ी दूसरे स्ट्रक्चर्स पर असर पड़ सकता है. चीन ने जुलाई 2025 में 167.8 अरब डॉलर की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू किया था।

ब्रह्मपुत्र पर चीन बना रहा मेगा डैम

तिब्बत/ए.। यह डैम तिब्बत में उस जगह बन रहा है, जहां ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय की गहरी घाटी से होकर गुजरती है. फिर भारत के अरुणाचल प्रदेश में दाखिल होती है. चीन का दावा है कि इस प्रोजेक्ट से हर साल 300 अरब किलोवॉट-घंटे से ज्यादा बिजली बनेगी. इससे करीब 30 करोड़ लोगों की एक साल की बिजली की जरूरत पूरी हो सकेगी. लेकिन नई स्टडी आने के बाद इस प्रोजेक्ट की सुरक्षा को लेकर फिर सवाल उठने लगे हैं।

क्या कहती है नई स्टडी?

यह स्टडी चीन के भूवैज्ञानिकों ने की है. इसमें कहा गया है कि डैम के पास मौजूद पाइजेन फॉल्ट लाइन लंबे समय से एक्टिव है. फॉल्ट लाइन यानी धरती की ऊपरी परत में मौजूद ऐसी दरार, जहां टेक्टोनिक प्लेटें खिसकती रहती हैं. इसी हलचल की वजह से भूकंप आते हैं. वैज्ञानिकों का कहना है कि लगातार हलचल की वजह से आसपास की चट्टानें कमजोर हो चुकी हैं. इससे डैम, सुरंग, पुल, सड़क और जलाशय जैसी बड़ी संरचनाओं की नींव पर असर पड़ सकता है।

भूकंप का खतरा क्यों है?

पाइजेन गांव हिमालय के उस हिस्से में है, जहां अक्सर भूकंप आते हैं. यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं. इसलिए यह इलाका भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील माना जाता है. स्टडी में 2017 में तिब्बत के मिलिन इलाके में आए 6.9 तीव्रता के भूकंप का भी जिक्र किया गया है. वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे साफ है कि यह फॉल्ट लाइन आज भी सक्रिय है. अगर फ्यूचर में बड़ा भूकंप आता है तो लैंडस्लाइड हो सकता है. चट्टानें गिर सकती हैं. इससे डैम की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है।

स्टडी में कहा गया है कि डैम के आसपास की कमजोर पहाड़ी ढलानों को मजबूत किया जाना चाहिए. साथ ही ऐसी सुरक्षा व्यवस्था भी होनी चाहिए, जिससे लैंडस्लाइड का खतरा कम हो सके. वैज्ञानिकों का मानना है कि इस इलाके में निर्माण के दौरान भूकंप के खतरे को हमेशा ध्यान में रखना होगा।

नासिक में छेड़छाड़ विरोध पर परिवार का पीछा, 9 गिरफ्तार

मुंबई। नासिक के इगतपुरी स्थित भवली बांध पर पिकनिक मनाने गए एक परिवार की महिला से कथित छेड़छाड़ का विरोध करने पर कुछ युवकों ने परिवार पर हमला कर दिया। आरोपियों ने कार में तोड़फोड़ की और 25-30 किलोमीटर तक उनका पीछा किया। इस मामले में महिला की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर वीडियो और तकनीकी जांच के आधार पर नौ आरोपियों को हिरासत में लिया है, जबकि एक आरोपी की तलाश जारी है। इस पूरे मामले में एक अहम जानकारी सामने आई है कि घटना में शामिल एक आरोपी पर पहले से हत्या का मामला दर्ज है।

यह घटना 12 जुलाई को नासिक जिले के इगतपुरी स्थित भवली बांध और झरने वाले पर्यटन स्थल पर हुई। परिवार के मुताबिक, वे पिकनिक मनाने गए थे। खाना खाने और समय बिताने के बाद जब वे लौट रहे थे, तभी वहां मौजूद 20-25 वर्ष के दो युवकों ने परिवार की एक महिला पर फब्तियां कसीं, सीटी बजाई और उसे परेशान करना शुरू कर दिया। इस पर पीड़िता ने दोनों युवकों को डांटा। इसके बाद उसके पति और देवर ने भी उन्हें डाटा और सवाल किया कि इस तरह किसी महिला के साथ इस तरह की हरकत क्यों कर रहे हो? जिसके बाद विवाद बढ़ता चला गया। परिवार का आरोप है कि कुछ ही देर बाद आसपास की दुकानों और गांव से जुड़े 8-10 लोग वहां पहुंच गए और परिवार के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। स्थिति बिगड़ती देख परिवार वहां से अपनी कार में बैठकर नासिक के लिए निकल पड़ा। पीड़िता के मुताबिक, रास्ते में अचानक एक कार ने उनकी गाड़ी को रोक लिया। उसमें सवार लोग लोहे की रॉड और डंडे लेकर उतरे और उनकी कार पर हमला शुरू कर दिया। आरोपियों ने कार के शीशे तोड़ दिए और गाड़ी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को मिला सियासी समर्थन

नई दिल्ली/ए.। खिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, अरविंद केजरीवाल और महुआ मोइत्रा समेत कई प्रमुख राजनीतिक नेताओं ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अपना समर्थन दिया है। वांगचुक जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे हैं और परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वांगचुक आज अपनी भूख हड़ताल के 17वें दिन पर हैं; वे 28 जून को पहले से चल रहे CJP आंदोलन में शामिल हुए थे और तब से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। CJP के संस्थापक अभिजीत दीपके के अनुसार, जलवायु कार्यकर्ता का वजन 8.5 किलोग्राम से अधिक कम हो गया है और आज (मंगलवार) उनका ब्लड प्रेशर 109/70 है।

अखिलेश यादव ने दिया समर्थन

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वांगचुक से अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन 'पूरी दुनिया के लिए अमूल्य है क्योंकि यह मानवता और पर्यावरण के प्रति उसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है जैसी लोकतंत्र के प्रति है।' 'हम श्री सोनम वांगचुक जी से विनम्र अनुरोध और पुरजोर अपील करते हैं कि वे अपना उपवास तोड़ दें। उनका जीवन पूरी दुनिया के लिए अमूल्य है क्योंकि यह मानवता और पर्यावरण के प्रति उसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है जैसी लोकतंत्र के प्रति है।' भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए यादव ने इसे 'सिद्धांतहीन' और *'भ्रष्ट' व्यवस्था बताया। उन्होंने तर्क दिया कि सत्ताधारी पार्टी से किसी कार्रवाई या हृदय परिवर्तन की उम्मीद करना 'पूरी तरह व्यर्थ' है क्योंकि वह 'संवेदनहीन और बेरहम' है।*

उद्धव ठाकरे ने अनशन खत्म करने का आग्रह किया

CJP के मकसद और वांगचुक के विरोध प्रदर्शन के प्रति एकजुटता और समर्थन ज़ाहिर करने वाले कई नेताओं में उद्धव ठाकरे एक प्रमुख समर्थक के तौर पर सामने आए हैं।

आदित्य ठाकरे ने भी समर्थन जताया

शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने भी वांगचुक का समर्थन करते हुए कहा कि यह मुद्दा राजनीति से ऊपर है। उन्होंने X पर लिखा, 'यह राजनीति से परे है, एक ऐसा मुद्दा जिसका हम सभी को समर्थन करना चाहिए। साथ ही, हमें उन लाखों छात्रों की आवाज़ भी उठानी चाहिए जिनका भविष्य एक गैर-जिम्मेदार सरकार और अक्षम मंत्री की वजह से अनिश्चित है।'

महुआ मोइत्रा ने भी समर्थन दिया

शुरुआत से ही पार्टी की समर्थक रहीं TMC नेता महुआ मोइत्रा ने भी वांगचुक से अपनी भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह किया। उन्होंने X पर एक पोस्ट में कहा, 'आपके अनशन ने इस देश के युवाओं को न्याय की लड़ाई के लिए एकजुट किया है। आपका मकसद पूरा हो गया है।

सीआरपीएफ को घायल जवान को नौकरी से हटाना पड़ा भारी

❐ सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, 'वैकल्पिक नौकरी देनी चाहिए थी'

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की आलोचना की। बल ने सेवा के दौरान दृष्टिहीनता के शिकार हुए एक ड्राइवर को वैकल्पिक पद पर समायोजित करने के बजाय चिकित्सकीय रूप से अयोग्य घोषित कर दिया था। न्यायालय ने कहा कि बल एक आदर्श नियोक्ता के रूप में अपने कर्तव्य में विफल रहा। न्यायालय ने पूर्व कांस्टेबल को 1.25 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया। यह राशि बकाया वेतन, ब्याज और लागत के लिए है। न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के बहाली के निर्देश को संशोधित किया, क्योंकि कांस्टेबल पहले ही सेवानिवृत्ति की आयु पार कर चुके हैं।

न्यायमूर्ति दीपंकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने केंद्र सरकार की अपील खारिज कर दी। यह अपील हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि सीआरपीएफ ने दिव्यांगजन अधिनियम, 1995 की धारा 47 का उल्लंघन किया। सीआरपीएफने प्रतिवादी को सेवा में बनाए रखने के बजाय चिकित्सकीय रूप से अयोग्य घोषित कर दिया था। न्यायालय ने पाया कि सीआरपीएफ उसे वैकल्पिक पद देने में विफल रहा। यह सरकारी प्रतिष्ठानों पर धारा 47 के तहत एक कर्तव्य है।

न्यायालय ने कहा कि दिव्यांगजन अधिनियम की धारा 47 अनिवार्य प्रकृति की है। यह उचित समायोजन के अधिकार को दिखाती है। न्यायालय ने साफ किया कि अगर सेवा के दौरान शारीरिक दिव्यांगता आती है, तो व्यक्ति को समान वेतन और सेवा लाभ वाले किसी अन्य पद पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

पीएम को केतन की मां की चिट्ठी : मैं मां हूं, इंसाफ चाहिए

पुणे/ए.। पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में उनकी मां राखी अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भावुक ईमेल लिखा। उन्होंने पीएम मोदी से अपने बेटे के लिए न्याय सुनिश्चित करने की अपील की है।

केतन की मां ने पत्र में क्या लिखा?

आगे उन्होंने केतन की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। पत्र में राखी ने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि एक दिन उन्हें अपने बच्चे के लिए न्याय मांगने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखना पड़ेगा।

अपने बच्चे का अंतिम संस्कार में होना पड़ा शामिल

उन्होंने कहा कि हर मां की तरह, मैंने भी केतन को एक खूबसूरत जिंदगी बनाते, शादी करते और हमारे साथ बूढ़ा होते देखने का सपना देखा था। लेकिन इसके बजाय, मुझे अपने बच्चे का अंतिम संस्कार करना पड़ा। केतन की हत्या को क्रूर बताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी मृत्यु ने परिवार में अपूरणीय शून्य छोड़ दिया है।

उन्होंने लिखा, 'जिस दिन केतन की मृत्यु हुई, उसी दिन मेरी दुनिया खत्म हो गई। उन्होंने आगे कहा कि उनके घर का हर कोना, उसका कमरा, कपड़े और तस्वीरें, उन्हें उस क्षति की याद दिलाती हैं। इसके साथ ही उन्होंने शोक संतप्त मां ने केतन के दादा की मृत्यु का भी जिक्र किया, जिनका देहांत हत्या के एक महीने से भी कम समय बाद हो गया था।

केतन के दादा का भी किया जिक्र

पत्र में उन्होंने कहा कि बुजुर्ग व्यक्ति 'केतन से बहुत प्यार करते थे। अपने पोते को खोने का दुख सहन नहीं कर सके। जिससे परिवार को कुछ ही हफ्तों के भीतर दो पीढ़ियों का शोक झेलना पड़ा।केतन की मां राखी ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया, 'मैं सहानुभूति या किसी विशेष कृपा की भीख नहीं मांग रही हूं। मैं केवल न्याय मांग रही हूं।

'मेरे लिए वह मेरी पूरी दुनिया था'

पत्र में लिखा, 'कृपया केतन को महज एक और मामला न बनने दें। वह किसी का बेटा था, किसी का पोता था, किसी का भाई था, लेकिन मेरे लिए वह मेरी पूरी दुनिया था।' उन्होंने आगे कहा कि मैं हर रोज तस्वीर देखती हूं औप अपने बेटे से कहती हूं ,तेरी मां तेरे लिए लड़ रही है। मुझे उस दिन का इंतजार है जब मैं बोलू बेटा तुझे इंसाफ मिल गया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर अभिनव अरोड़ा की कार में लगी आग

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर परिवार के साथ वृंदावन से दिल्ली जा रहे बाल कथावाचक अभिनव अरोड़ा की कार रविवार देर रात हादसे का शिकार हो गई। माइल स्टोन 84 पर गांव नगला बरी के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही अभिनव के पिता तरुण अरोड़ा ने कार को सड़क किनारे खड़ा किया और पूरे परिवार को बाहर निकाला। इस दौरान बाल कथावाचक पास में खड़े-खड़े मंत्रों का जाप करते रहे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार विकासपुरी, दिल्ली निवासी तरुण अरोड़ अपनी पत्नी ज्योति अरोड़ा, बेटे बाल कथावाचक अभिनव अरोड़ा और मन्नत अरोड़ा के साथ डस्टर कार में सवार होकर देर रात वृंदावन से दिल्ली जा रहे थे। कार को तरुण अरोड़ा चला रहे थे। जैसे ही कार एक्सप्रेसवे पर सुरीर थाना क्षेत्र स्थित माइल स्टोन 84 पर गांव नगला बरी के पास पहुंची, वैसे ही कार से धुआं उठने लगा। यह देर तरुण अरोड़ा ने तुरंत कार को सड़क किनारे कच्चे हिस्से में खड़ा कर दिया। आनन फानन पूरा परिवार कार से बाहर निकल गया।

अरविंद केजरीवाल की ई20 पेट्रोल पर केंद्र सरकार से अपील

❐ 'माइलेज कम तो दाम भी कम हो': केजरीवाल ने पीएम मोदी से मांगा मिलने का समय

नई दिल्ली/ए.। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ई20 पेट्रोल की दाम कम की अपील की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ई20 ईंधन की कीमतों में कटौती की मांग करते हुए तर्क दिया कि इसकी माइलेज कम होने के कारण इसके दाम भी कम होने चाहिए। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय भी मांगा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मैंने प्रधानमंत्री मोदी से निवेदन किया है कि ई20 के दाम कम होने चाहिए क्योंकि ई20 की माइलेज कम है तो उसके दाम भी कम होने चाहिए। मैंने उनसे मिलने का समय भी मांगा है। मैं सभी से कहना चाहता हूं कि जो-जो लोग इन सभी से दुखी हैं, वे अपनी वीडियो बना-बनाकर सोशल मीडिया पर डालें क्योंकि यह सरकार इतनी आसानी से हमारी बात नहीं सुनेगी।' केजरीवाल ने ई20 ईंधन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है।

न्युवोको विस्टास ने वित्तवर्ष 2027 की पहली तिमाही के अपने वित्तीय नतीजे घोषित किए

मुंबई। न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत की प्रमुख बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने 30 जून, 2026 को समाप्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय नतीजे घोषित किए। कंपनी ने प्रोजेक्ट पूरा करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है; उसने तय समय से पहले सूरत के लिमला सीमेंट प्लांट (जो वदराज सीमेंट प्लांट सुविधाओं में से एक है) में 2 एमएमटीपीए की ग्राइंडिंग क्षमता का उद्घाटन किया। यह उपलब्धि कंपनी की प्रोजेक्ट पूरा करने की क्षमता का एक मजबूत सबूत है। इससे पश्चिमी भारत में कंपनी का काफी विस्तार होगा और उत्तरी बाजार के लिए राजस्थान के प्लांट में बहुत जरूरी क्षमता खाली हो सकेगी। कच्छ में प्रोजेक्ट ऑपरेशन का काम भी सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और वित्तवर्ष की तीसरी तिमाही से तय चरणों में शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा, गुजरात के विरमगाम, सचाना में एक बल्क सीमेंट टर्मिनल पर काम शुरू हो गया है, जिसमें एक अलग रेलवे साइडिंग होगी। इस सुविधा के वित्तवर्ष 2028 की दूसरी तिमाही तक चालू होने का लक्ष्य है और यह न्युवोको की मौजूदगी को मजबूत करने और गुजरात बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक डिस्ट्रीब्यूशन हब के रूप में काम करेगा। इन पहलों के साथ-साथ, कंपनी का क्षमता विस्तार कार्यक्रम योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है और इससे वित्तवर्ष 2028 तक न्युवोको की कुल सीमेंट क्षमता 35 एमएमटीपीए हो जाएगी। कंपनी ने वित्तवर्ष 2027 की पहली तिमाही में 5.3 एमएमटी का सीमेंट बिक्री वॉल्यूम हासिल किया, जो साल-दर-साल 5त्न की बढ़ोतरी दिखाता है। वित्तवर्ष 2027 की पहली तिमाही में कुल आय साल-दर-साल 9% बढ़कर 3,129 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी ने वित्तवर्ष 2027 की पहली तिमाही में एबिटिडा में भी साल-दर-साल 7त्न की बढ़ोतरी दर्ज की और यह 572 करोड़ रुपए हो गया, जो कंपनी के इतिहास में किसी भी पहली तिमाही के लिए अब तक का सबसे अधिक एबिटिडा है। कंपनी के परफॉर्मेंस पर बात करते हुए, श्री जयकुमार कृष्णास्वामी, मैनेजिंग डायरेक्टर, न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड ने कहा कि ÷हमने साल की मज़बूत शुरुआत की है और जियोपॉलिटिकल तनाव जैसी बड़ी चुनौतियों के बावजूद बेहतर बिज़नेस परफॉर्मेंस दी है। कंपनी ने एबिटिडा और पीएटी दोनों में साल-दर-साल मज़बूत ग्रोथ हासिल की है।

भारतीय ने लॉर्ड्स में रचा इतिहास, ऐतिहासिक टेस्ट मैच 270 रन से अपने नाम किया

खेल मंत्री ने देश की बेटियों की सराहना की

नई दिल्ली/ए.। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एक बार फिर विदेशी धरती पर कमाल कर दिया। टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला गया ऐतिहासिक टेस्ट मैच 270 रन से अपने नाम किया। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इस उपलब्धि पर देश की बेटियों की सराहना की है।

लंदन में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 285 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड का खेमा 170 रन पर सिमट गया। भारत के पास 115 रन की बढ़त थी। अगली पारी 341/7 के स्कोर पर घोषित करने के साथ मेहमान टीम ने इंग्लैंड को जीत के लिए 457 रन का टारगेट दिया, जिसके जवाब में मेजबान टीम दूसरी पारी में सिर्फ186 रन पर सिमट गई।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ÷लॉर्ड्स में रचा इतिहास। हमारी महिला क्रिकेट टीम को इस मशहूर मैदान पर टेस्ट

मैच जीतने वाली पहली महिला टीम बनने पर बधाई। इंग्लैंड पर 270 रनों की शानदार जीत इस उपलब्धि को और भी खास बनाती है। इस मौके पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा कि यह शानदार जीत क्रिकेटरों की पीढ़ियों को प्रेरित करेगी और भारत में महिला क्रिकेट के विकास को और मजबूत करेगी।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, क्रिकेट के घर (लॉर्ड्स) में टेस्ट मैच जीतना किसी भी क्रिकेटर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। युवा भारतीय टीम के लिए, यह एक अहम पल है जो देश में महिला क्रिकेट की शानदार प्रगति और विश्व स्तर पर टीम के जज्बे, कौशल और चरित्र को दर्शाता है।

कैमरा बंद होते ही दुर्योधन नहीं, फिर आयुध बन जाता है बच्चा: चंदन आनंद

मुंबई। छोटे पर्दे पर नकारात्मक और जटिल किरदार निभाना किसी भी कलाकार के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन जब ऐसा किरदार कोई बाल कलाकार निभा रहा हो, तो उसकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। सोनी सब के धारावाहिक 'हस्तिनापुर के वीर' के सेट पर भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है, जहां शकुनि की भूमिका निभा रहे अभिनेता चंदन आनंद युवा दुर्योधन की भूमिका निभाने वाले आयुध भानुशाली के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं। पौराणिक कथाओं के सबसे चर्चित और जटिल पात्रों में से एक दुर्योधन का किरदार निभा रहे आयुध भानुशाली पर इस भूमिका का मानसिक प्रभाव न पड़े, इसके लिए चंदन आनंद विशेष ध्यान रखते हैं। शूटिंग के दौरान और उसके बाद वे आयुध को हल्के-फुल्के माहौल में रखते हैं, उनसे मजाक करते हैं और उन्हें अन्य बच्चों के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, ताकि वे किरदार और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाए रख सकें। चंदन आनंद का मानना है कि बच्चों के लिए यह समझना जरूरी है कि

पर्दे पर निभाया जाने वाला किरदार केवल अभिनय का हिस्सा होता है और उसकी भावनाएं वास्तविक जीवन में नहीं आनी चाहिए। इसी सोच के साथ वे आयुध को लगातार प्रेरित करते हैं कि वे कैमरे के बाहर एक सामान्य, खुशमिजाज और चंचल बच्चे की तरह रहें। इस बारे में चंदन आनंद ने कहा, ÷युवा कलाकारों के साथ काम करना हमेशा विशेष अनुभव होता है, क्योंकि वे अपने आसपास की हर चीज को बहुत जल्दी सीख लेते हैं। आयुध दुर्योधन जैसा किरदार निभा रहे हैं, जिसमें गुस्सा, महत्वाकांक्षा और भावनात्मक जटिलताएं हैं।

जर्जर स्कूल भवन ने ली मासूमों की परीक्षा, प्लास्टर गिरने से दो छात्र गंभीर घायल

■ ग्वारा स्कूल हादसे ने खोली शिक्षा विभाग की लापरवाही की पोल, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

साजा/नवप्रदेश। विधानसभा साजा अंतर्गत ग्राम ग्वारा के शासकीय विद्यालय में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा उस समय हो गया, जब जर्जर स्कूल भवन का प्लास्टर अचानक भरभराकर कक्षा के भीतर गिर पड़ा। इस हादसे में कक्षा में अध्ययनरत दो छात्र पारस एवं प्रवेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घायल बच्चों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थानखम्हरिया ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बेमेतरा रेफर किया गया।

ग्रामीणों और पालकों का आरोप है कि विद्यालय भवन लंबे समय से जर्जर स्थिति में था। इसकी जानकारी कई बार शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों को दी गई, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि भवन की मरम्मत या वैकल्पिक व्यवस्था कर दी जाती तो आज मासूम बच्चों को इस हादसे का शिकार नहीं होना पड़ता।

घटना की सूचना मिलते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता मौके और अस्पताल पहुंचे। परिषद के सदस्यों ने आरोप लगाया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थानखम्हरिया में इलाज के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई गई तथा बाद में बच्चों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिषद ने यह भी आरोप लगाया कि साजा बीईओ ने घटना के संबंध में अभद्र व्यवहार किया और संतोषजनक जवाब नहीं दिया। वहीं छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने भी इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। संगठन ने कहा कि वह लगातार ग्वारा, सोनचिरैया और हांटरांका के जर्जर स्कूल भवनों के साथ-साथ कन्या स्कूल, खैरझिटीकला एवं हांटरांका में शिक्षकों की कमी जैसे मुद्दों को प्रशासन के सामने उठाता रहा है। कई बार आवेदन और ज्ञापन देने के बावजूद विभाग ने कोई ठोस पहल नहीं की, जिसका परिणाम आज यह गंभीर हादसा है।

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के अध्यक्ष श्रवण कुमार साहू ने कहा, ÷हम लगातार जर्जर स्कूल भवनों और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली को लेकर प्रशासन को चेताते रहे हैं। हमारी मंशा केवल इतनी थी कि कोई मासूम हादसे का शिकार न बने, लेकिन दुर्भाग्य से प्रशासन की लापरवाही ने आज बच्चों की जान जोखिम में डाल दी। घटना की जानकारी मिलते ही मैं तत्काल मौके पर पहुंचा। अब दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए और प्रदेश के सभी जर्जर स्कूल भवनों का तत्काल सर्वे कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।÷

ग्रामीणों, पालकों एवं सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए, घायल छात्रों के समुचित उपचार की व्यवस्था शासन द्वारा कराई जाए तथा क्षेत्र के सभी जर्जर स्कूल भवनों का तत्काल सर्वे कर मरम्मत अथवा नए भवनों का निर्माण कराया जाए। ग्वारा की यह घटना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग की लापरवाही का गंभीर उदाहरण है। यदि अब भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं चेते, तो भविष्य में इससे भी बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

न्यूज गैलरी

करियाटोला वार्ड में हाई टेंशन लाइन का पोल गिरा, बड़ा हादसा टला

डोंगरगांव/नवप्रदेश। नगर के करियाटोला वार्ड में हाई टेंशन विद्युत केबल स्थानांतरण कार्य के दौरान एक विद्युत पोल गिर जाने से बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद बिजली विभाग की कार्यप्रणाली और कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, करियाटोला वार्ड में हाई टेंशन लाइन को स्थानांतरित करने का कार्य चल रहा है। इसी दौरान खेत में लगाया गया एक विद्युत पोल एक दिन की बारिश के बाद अचानक गिर गया। संयोगवश घटना के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। जिस खेत में पोल लगाया गया था, उस खेत के किसान ने बताया कि पोल हाल ही में लगाया गया था, लेकिन एक दिन की बारिश भी उसे संभाल नहीं पाया और वह धड़ाम से गिर गया। किसान ने कार्य की गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है।

हिस्ट्रीशीटर वाहन चोर गिरफ्तार, तीन बाइक समेत 4 दोपहिया वाहन बरामद

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में वाहन चोरी की घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा पंडरी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने एक हिस्ट्रीशीटर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की तीन दोपहिया वाहन तथा वारदात में प्रयुक्त एक बाइक सहित कुल चार वाहन, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये है, बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में वाहन चोरी के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। टीम सीसीटीवी फुटेज, मुखबिरों की सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर लगातार कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि थाना खरोरा का हिस्ट्रीशीटर अभिषेक राय उर्फ जीतू लगातार अलग-अलग दोपहिया वाहनों का उपयोग कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने विधानसभा क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे टीवीएस ड्रीम योगा मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में पहले आरोपी पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने स्वीकार किया कि उसने अपने भाई के साथ मिलकर पंडरी थाना क्षेत्र स्थित बालाजी अस्पताल की पार्किंग से उक्त बाइक चोरी की थी। आरोपी ने यह भी कबूल किया कि दोनों भाई अपनी पल्सर बाइक से विभिन्न इलाकों में रेकी कर दोपहिया वाहन चोरी करते थे।

कोयले से लदे ट्रेलर ने बुलेट को रौंदा, दो युवतियों की मौके पर मौत, युवक घायल

कोरबा/नवप्रदेश। जिले के बालको थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित डेंगुरनाला पुल के पास मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। कोयले से लदे ट्रेलर ने बुलेट बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार दो युवतियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके साथ सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार, ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 बीजी 2932 और बुलेट क्रमांक सीजी 10 सीबी 2635 के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। हादसा इतना भयावह था कि दोनों युवतियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को डायल-112 की सहायता से तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

मनमानी: एक शिक्षिका बिना आवेदन दिए स्कूल से रवाना, दूसरी देरी से पहुंचीं

कबाड़ी को बेच दीं पुरानी सरकारी पुस्तकें

■ मुख्यालय में निवास नहीं करने का भी आरोप, खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण विद्यार्थी

मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित शिक्षकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब प्राप्त होने के बाद तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी

– प्रशांत कुमार चिर्वतकर, बीईओ, छुरिया

छुरिया/नवप्रदेश। विकासखंड छुरिया अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला लालूटोला में शनिवार को शिक्षकों की कथित मनमानी और लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। मिली जानकारी अनुसार विद्यालय में रखी पुरानी सरकारी पुस्तकों को बेचने के लिए बाकायदा कबाड़ी की गाड़ी स्कूल परिसर में बुलवाई गई और पुस्तकों को वाहन में लोड कराकर बाहर भेज दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम के फोटो और वीडियो भी मौजूद हैं।

मामला सामने आने के बाद सरकारी शैक्षणिक सामग्री के निस्तारण, विद्यालय प्रबंधन की जवाबदेही और शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल यह है कि सरकारी पुस्तकें आखिर किसकी अनुमति से कबाड़ी को बेची गईं? कबाड़ी की गाड़ी किसने बुलवाई? कितनी रकम में सौदा हुआ और बिक्री से मिली राशि आखिर कहां गई? अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इन सरकारी पुस्तकों को बेचने के लिए सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति ली गई थी? क्या पुस्तकों को नियमानुसार अनुपयोगी घोषित किया गया था? क्या उनकी सूची तैयार की गई? क्या कोई पंचनामा बनाया गया और क्या निर्धारित विभागीय प्रक्रिया का पालन किया गया? यदि सरकारी पुस्तकें बेची गई हैं, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कुल कितनी पुस्तकें बेची गईं, उनका वजन कितना था, किस दर पर सौदा हुआ, बिक्री से कितनी राशि प्राप्त हुई और वह राशि किसके पास गई या कहां जमा की गई?

शनिवार को एक शिक्षिका बिना आवेदन स्कूल से गई, दूसरी पहुंची देरी से: मामला केवल सरकारी पुस्तकों की कथित बिक्री तक सीमित नहीं है। आरोप है कि शनिवार को विद्यालय की एक शिक्षिका बिना कोई लिखित आवेदन दिए स्कूल से चली गई, जबकि दूसरी शिक्षिका निर्धारित समय से देरी से विद्यालय पहुंची। ऐसे में सवाल उठता है कि जब शिक्षक ही विद्यालयीन समय और अनुशासन का पालन नहीं करेंगे, तो बच्चों की नियमित पढ़ाई और विद्यालय की व्यवस्था आखिर किसके भरोसे चलेगी? विद्यालय की उपस्थिति पंजी, अवकाश आवेदन, आगमन-प्रस्थान का वास्तविक समय और अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच से इस आरोप की वास्तविकता आसानी से स्पष्ट की जा सकती है।

मुख्यालय में नहीं रहती शिक्षिका? देर से विद्यालय पहुंचने वाली शिक्षिका को लेकर एक और गंभीर आरोप सामने आया है। आरोप है कि संबंधित शिक्षिका निर्धारित मुख्यालय में निवास नहीं करतीं, जिसके कारण विद्यालय पहुंचने में देरी होती है और इसका सीधा खामियाजा ग्रामीण विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। अभिभावक अपने बच्चों को समय पर तैयार कर विद्यालय भेजते हैं।

बीजेभांटा स्कूल में मधुमक्खियों का हमला, 72 छात्र-छात्राएं घायल

डोंगरगांव/नवप्रदेश। विकासखंड के बीजेभांटा हाई स्कूल में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब स्कूल के पीछे बने मधुमक्खियों के छत्ते से अचानक मधुमक्खियां उड़कर कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर हमला करने लगीं। देखते ही देखते कुल 72 छात्र-छात्राएं मधुमक्खियों के डंक से प्रभावित हो गए। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी, जिसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगांव की टीम मौके पर पहुंची। समय पर उपचार मिलने से सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है और बड़ा हादसा टल गया।

घटना की सूचना मिलते ही खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. रागिनी चंद्रे स्वयं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचीं और उपचार की कमान संभाली। उन्होंने अस्पताल लाए गए डरे-सहमे बच्चों का परिजनों की तरह स्नेहपूर्वक इलाज किया, उनका हौसला बढ़ाया और पूरे समय उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए रखी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीएमओ ने डॉ. धर्मेंद्र मांडवी के नेतृत्व में मेडिकल टीम को तत्काल बीजेभांटा स्कूल रवाना किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 32 बच्चों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगांव में तथा 40 बच्चों का स्कूल परिसर में ही विशेष शिविर लगाकर उपचार किया। सभी बच्चों को आवश्यक दवाइयां एवं प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया और उनकी लगातार निगरानी की गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम अनिकेत साहू एवं तहसीलदार कमल किशोर साहू भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्कूल और अस्पताल में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया, स्वास्थ्य विभाग से बच्चों के उपचार की जानकारी ली तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बिजली बिल पर भड़के वार्डवासी, कांग्रेस पार्षदों के साथ कलेक्टर से मिलने पहुंचे

धमतरी/नवप्रदेश। धमतरी में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बढ़े बिजली बिलों को लेकर लोगों का आक्रोश बढ़ गया है। अलग अलग वार्ड के रहवासियों ने अपनी पीड़ा को व्यक्त किया। महिमा सागर वार्ड की निवासी रमली बाई ने बताया कि उनके दो कमरों के कच्चे मकान का पिछले माह बिजली बिल 470 रुपये था, जबकि इस माह 2,100 रुपये का बिल आया है।

डाक बंगला वार्ड निवासी सतीश यादव ने बताया कि वह गैरेज में काम करते हैं। पहले उनके घर का बिजली बिल 300 से 400 रुपये तक आता था, लेकिन इस बार 1,800 रुपये का बिल मिला है, जिससे परिवार पर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। स्मार्ट मीटर लगने के बाद बढ़े बिजली बिलों से परेशान वार्डवासियों ने सोमवार को कांग्रेस पार्षदों के साथ कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। नेता प्रतिपक्ष दीपक सोनकर ने कहा कि पहले जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल 700 से 800 रुपये तक आता था, अब वही बिल 2,000 से 2,500 रुपये तक पहुंच रहा है। उन्होंने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उपनेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन ने कहा कि सरकार एक ओर योजनाओं के माध्यम से सहायता देने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर बढ़े हुए बिजली बिलों के जरिए लोगों से कई गुना अधिक राशि वसूल की जा रही है। पार्षद सुमन मेश्राम ने कहा कि बढ़े हुए बिजली बिलों के कारण आम परिवारों का मासिक बजट बिगड़ गया है। कलेक्टर ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं। प्रदर्शन में पार्षद पूर्णिमा गजानंद रजक, उमा भागी ध्रुव, रामेश्वरी कोसरे, योगेश लाल सहित भागवत साहू, राजेश साहू, काशीराम नायक, नरोत्तम देवांगन, पुन्नी बाई, सुशीला दीवान, उषा पाठक, शिव कुमार, कामता प्रसाद और बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

इंस्पायर अवार्ड : जापान से वैज्ञानिक भ्रमण कर लौटीं धमतरी की होनहार बेटियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

धमतरी/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दो होनहार छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धमतरी सहित पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। ''इंस्पायर अवार्ड मानक'' योजना के तहत जापान के वैज्ञानिक भ्रमण से वापस लौटने पर आज जिला कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने दोनों छात्राओं से मुलाकात की और उन्हें इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। सम्मानित होने वाली छात्राओं में सुनैना साहू और समीक्षा साहू शामिल हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर वैश्विक पटल पर पहचान बनाई है।

इस गौरवशाली उपलब्धि की पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो इस वर्ष ''इंस्पायर मानक स्कीम'' सकुरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम ऑफ जापान के लिए देशभर से कुल 56 विद्यार्थियों का चयन किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य से कुल पांच छात्राओं को प्रतिनिधित्व का मौका मिला, जिसमें सबसे खास बात यह रही कि धमतरी जिले के हायर सेकेंडरी स्कूल कोसमर्रा से ही दो छात्राओं ने इस सूची में अपनी जगह बनाई। छात्राओं की इस ऐतिहासिक सफलता में उनके मार्गदर्शक शिक्षकों की बेहद अहम भूमिका रही है। कुमारी समीक्षा साहू ने शासकीय माध्यमिक शाला कोसमर्रा की शिक्षिका कविता सिन्हा के कुशल निर्देशन में यह मुकाम हासिल किया, वहीं कुमारी सुनैना ने शासकीय माध्यमिक शाला देवरी के शिक्षक लक्ष्मीकांत साहू के मार्गदर्शन में जिला, राज्य और नेशनल स्तर की बाधाओं को पार करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना चयन पक्का किया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com